बिलासपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

होली की शुभकामनाएं

होली की शुभकामनाएं

होली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 14 और 15 मार्च को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 17 मार्च सोमवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

इतिहास में पहली बार छत्तीसगढ़ में बने 14 मंत्री, अब तक 13 की रही है परंपरा

विष्णु कैबिनेट में तीन नए मंत्री अमर, पुरंदर और गजेंद्र ने ली शपथ

रायपुर शहर को मिला मंत्री, बृजमोहन के इस्तीफे के बाद नहीं था कोई मंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने मंत्रिमंडल में पुर्नगठन करते हुए तीन नए मंत्रियों को शामिल किया है। अब उनके मंत्रिमंडल में 14 मंत्री हो जाएंगे। नए मंत्री के रूप में अमर अग्रवाल, पुरंदर मिश्रा और गजेंद्र यादव को शामिल किया गया है। सरकार के आग्रह पर राजभवन में आनन-फानन में शपथ दिलाई गई।

हो.स. ▶▶| रायपुर

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी और विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया। उस वक्त मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्री थे। एक पद खाली रखा गया था। शिक्षामंत्री बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद एक और मंत्रिपद रिक्त हो गया। इस तरह दो पद खाली थे।

लेकिन हरियाणा में भी छत्तीसगढ़ जितने 90 विधायक हैं। वहां 14 मंत्री बनाए जाते रहे हैं। उस लिहाज से छत्तीसगढ़ में भी पहली बार 14 मंत्री बनाए गए हैं। राज्य संगठन से परामर्श करने के बाद सभी जिलों को प्रतिनिधित्व और जातीय समीकरण के आधार पर तीन विधायकों को इस पद पर नियुक्त किए जाने की सिफारिश की गई है। इनमें बिलासपुर से विधायक अमर अग्रवाल, रायपुर उत्तर से विधायक ▶▶| शेष पेज 6 पर

राजधानी रायपुर को मिला नेतृत्व

प्रदेश की सियासत का केंद्र माने जाने वाले राजधानी रायपुर को पुरंदर मिश्रा के रूप में एक नया मंत्री मिलने से रायपुर का कैबिनेट में प्रतिनिधित्व मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल को मंत्री बनाया गया था। लोकसभा चुनाव में उन्हें रायपुर लोकसभा से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। तब से रायपुर से एक मंत्री बनाए जाने की चर्चा हो रही थी। रायपुर शहर की चारों सीटों में भाजपा ने परचम लहराया है उसे लिहाज से भी यहां से मंत्री बनाने पार्टी पर दबाव था। विष्णुदेव साय ने इस कमी को पूरा करने का प्रयास किया है।

मंत्रियों के विभागों में भी होगा फेरबदल

नए मंत्री बनाए जाने के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का भी बंटवारा होगा। अब तक कई बड़े विभाग उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप के पास थे। वहीं मुख्यमंत्री के पास पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के विभाग का दायित्व है। ना मंत्रियों को विभाग बंटने के बाद कई मंत्रियों के पास से बड़े विभाग वापस लेकर नए लोगों को दिए जाएंगे।

अजय, कौशिक और मूणत सहित कई चुके

मंत्रिमंडल में स्थान पाने के लिए कई वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्रियों ने जोर लगाया था। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने कैबिनेट में नए लोगों को मौका देकर इन कई वरिष्ठ विधायकों को कैबिनेट में नहीं लिया था। मंत्री बनने के लिए पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, पुन्नू लाल मोहिले, धरम लाल कौशिक और राजेश मूणत के नामों की ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त के 36 दिग्गज थे दावेदार अमिताभ जैन को मिली कमान

हो.स. ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को राज्य का नया मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किए किया गया है। इस पद के लिए कई पूर्व नौकरशाहों के साथ 36 बड़े दिग्गज दावेदार थे, लेकिन चयन प्रक्रिया में श्री जैन ने बाजी मार ली है। उन्हें राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त पद की कमान मिल गई है। बताया गया है कि चयन के लिए बनाई गई सर्च कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत और सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री ने रिपोर्ट के आधार पर अमिताभ जैन को इस पद के लिए सबसे उपयुक्त ▶▶| शेष पेज 6 पर

यह दिग्गज थे दावेदार

मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए बड़ी संख्या में दावेदार हैं। खास बात ये है कि इनमें से कुछ वर्तमान और कई पूर्व अधिकारी हैं। इनमें वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पूर्व आईएएस अमृत खलको, पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा, पूर्व डीजीपी दुर्गेश माधव अवस्थी, पूर्व सीएस राजेंद्र प्रसाद मंडल, पूर्व आईएएस संजय कुमार अलंग, पूर्व आईपीएस संजय पिल्ले, पूर्व अधिकारी त्रिलोकचंद महावर, उमेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य लोग शामिल थे।

हमर-प्रदेश

बिलासपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर के ग्राम गोहरापदर में होलिका दहन के बाद दहकते अंगारों पर नंगे पैर चलने की परंपरा आज भी कायम। पूरी आस्था के साथ ग्रामीण नंगे पैर अंगारों पर गुरुवार को चलकर होली का त्योहारमनाया। मान्यता है कि ऐसा करने से गांव पर आपदा नहीं आती। सदियों पुरानी अपनी इस परंपरा का ग्रामीणों द्वारा पालन आज भी पूरी आस्था के साथ किया जा रहा है। मैनपुर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम गोहरापदर में अंगारों से होली खेली जाती है। हालांकि इस पर यकीन कर पाना किसी किसी को थोड़ा मुश्किल जरूर हो सकता है पर यह पूरी तरह सत्य है।

गांव को आपदा से बचाने होलिका दहन के धधकते अंगारों पर नंगे पांव चलने की परंपरा

मैनपुर। गांव में देवी- देवताओं की पूजा अर्चना करने के बाद होलिका दहन किया जाता है। देवी माता के जयकारों के साथ छोटे- छोटे बच्चों से लेकर युवा-बुजुर्ग बारी -बारी से दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं और पूरी तरह सुरक्षित निकलते हैं। यह यहां की परंपरा है, जो सदियों से चली आ रही। सदियों से चली आ रही इस परंपरा में गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नंगे पैर धधकते अंगारों पर ऐसे चलते हैं, मानो सामान्य जमीन पर चल रहे हों। उनके पैरों में न तो काई छाला पड़ता है और न ही किसी तरह की तकलीफ अंगारों पर चलते समय होती है। गांव को आपदा से और खुद को विभिन्न बीमारियों और संकटों से दूर रखने के लिए ग्रामीण इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं।

प्रत्येक वर्ष निभाते आ रहे यह परंपरा

ग्राम के वरिष्ठ पुजारी गोठिया देवीसिंह नेताम, मेघराम बघेल, बदन ओटी, नरसिंह यादव, जुगधर यादव, विष्णुनारायण तिवारी, गुरुनारायण तिवारी, प्रेमसिंह यादव, युद्धिष्ठर यादव, अल्तमस खान ने बताया कि इस परंपरा को बरसों से देखते चले आ रहे हैं। बताते हैं कि गांव में कभी भी कोई आपदा नहीं आए। इसी मान्यता के चलते प्रत्येक वर्ष होली पर यह परंपरा को निभाते आ रहें हैं और आगे भी निभाएंगे। आज विधिविधान के साथ ग्राम गोहरापदर में होलिका दहन किया गया।

खबर संक्षेप

रविवि सेमेस्टर परीक्षाओं के पुनर्गणना के परिणाम जारी

रायपुर। रविवि द्वारा विभिन्न सेमेस्टर परीक्षाओं के पुनर्गणना के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। इनमें एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, एमए इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर, एमए अर्थशास्त्र तृतीय सेमेस्टर, एमए समाजशास्त्र सहित सभी विषयों के पुनर्गणना परिणाम रविवि ने अपने आधिकारिक वेबसाइट अपलोड कर दिए हैं। अधिकतर छात्रों के परिणाम परिवर्तित नहीं हुए हैं हालांकि कुछ के अंकों में वृद्धि हुई है, लेकिन परिणाम परिवर्तित नहीं हुए।

24 से भरे जाएंगे डीएलएड परीक्षा फॉर्म

रायपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा डीएलएड के लिए नामांकन व परीक्षा आवेदन की तिथि घोषित कर दी गई है। सभी कार्य ऑनलाइन होंगे। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद हार्डकॉपी परीक्षार्थियों को जमा करने होंगे। माशिम द्वारा जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक डीएलएड के लिए ग्राह्यता एवं नामांकन की ऑनलाइन प्रविष्टी 17 मार्च से 22 मार्च तक रहेगी। इसके पश्चात प्रथम वर्ष के लिए परीक्षा आवेदन 24 से 29 मार्च तक किए जा सकेंगे। विस्तृत अधिसूचना माशिम की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

मिठाई दुकान में गंदगी, जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन-10 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को जनशिकायत पर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने दावड़ा कॉलोनी स्थित अग्रवाल मिठाई दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाई दुकान में गंदगी की शिकायत सही पाई गई। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा ने संबंधित मिठाई दुकान के संचालक को भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए 10 हजार रुपए जुर्माना किया।

पामेड़ रोड में चलने वाली 35 सीटर बस में रोज जा रहे 70 से अधिक यात्री

खूनखराबा नहीं, बल्कि सड़क पर अब सुनाई दे रहे यात्री बसों के हॉर्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

सर्वाधिक नक्सल प्रभावित गांव पामेड़ नाम सुनते ही लोगों के मन में गोलियों की तड़-तड़ाहट के साथ ही निर्दोष ग्रामीणों की हत्या से लेकर अन्य कई तस्वीरें सामने आ जाती हैं, जिसके कारण आमजनों के अंदर खौफ देखने को मिलता है। वहीं बीजापुर जिले के अंतिम छोर पामेड़ रोड में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के चलते अब वहां खून खराबा नहीं, बल्कि यात्री बसों के हॉर्न सुनाई दे रहे हैं।

अलग खबर

कल तक जो इलाका नक्सलियों के कब्जे में था, अब उस इलाके में पुलिस ने अपनी पैठ जमाते हुए कैम्प के साथ ही वहां के ग्रामीणों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रहे है। जिसका सबसे सुखद परिणाम यह आ रहा है कि अब बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंतिम गांव में बसे पामेड़ में अब बसों का आवाजाही शुरू हो गया है। उक्त बातें पामेड़ जाने वाले यात्री लोकेश एवं बस चालक मयंद्र चापड़ी ने चर्चा में कही। पामेड़ रोड में चलने वाली 35 सीटर बस में रोज 70-80 यात्री जा रहे हैं। बस में सीट नहीं होने पर लोग खड़े-खड़े ही पामेड़ सहित आवापल्ली, बासागुड़ा, तररेम, चिन्नागेल्लूर, गुंडेम, कोंडापल्ली, जीडपल्ली, करवगट्टा और धर्माराम होते हुए जा रहे हैं। पिछले 50 सालों में यह पहली बार है, जब इस क्षेत्र में यात्री बस सेवा शुरू हुई है।

सड़क मार्ग से पहुंच योग्य हुआ पामेड़

तेलंगाना सीमा पर स्थित पामेड़ गांव के लिए वर्षों से कनेक्टिविटी का अभाव था। बस सेवा से 15 गांव के सैकड़ों ग्रामीणों को सुविधा मिल रही है। पामेड़ जिला मुख्यालय से सीधे जुड़ा नहीं था, अब पहली बार सड़क मार्ग से पहुंच योग्य हो गया है। इस गांव तक पहुंचने के लिए तेलंगाना के रास्ते लगभग 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था, अब दूरी घटकर 100 किमी रह गई है।

पामेड़ तक बिछाई जा रही विद्युत लाइन

विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक एसके ठाकुर ने बताया कि सरकार की नियाद नेल्लानार योजना के तहत पामेड़ जैसे गांव मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, जिससे पामेड़ तक बिजली पहुंचाने का काम भी विद्युत कंपनी कर रही है। इससे शीघ्र ही पामेड़ छत्तीसगढ़ की बिजली से रोशन हो सकेंगे, क्योंकि पामेड़ तक विद्युत लाइन बिछाई जा रही है। वर्तमान में पामेड़ के घर तेलंगाना की बिजली का उपयोग कर रहे हैं।

एक ही बस होने से यात्री परेशान

परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि एक ही बस होने से यात्रियों की परेशानी हो रही है। बस मालिकों से चर्चा कर एक और बस शुरू करने का प्रयास किया जाएगा।

बिलासपुर आने पर भव्य स्वागत

संजू ने एशियन महिला कबड्डी स्पर्धा में भाग लेकर देश के लिए जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

बहतराई खेल स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और देश को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। संजू का बिलासपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रशानिक अधिकारियों, खेल संघों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। खिलाड़ी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा खेल और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के लिए आभार जताया।

संजू ने छठवीं एशियन महिला कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत टीम इंडिया को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। कोरबा जिले के छोटे से गांव से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने बताया कि पहले वह गांव के छोटे छोटे आयोजनों में भाग लेती थी। जहां से उन्हें सीनियर खिलाड़ी ने जिले के कबड्डी प्रशिक्षक अनुज प्रताप सिंह से मिलवाया। अनुज ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए प्रशिक्षित किया।

बढ़ती खपत के कारण अब दूसरे राज्यों से भी ले रहे पांच सौ मेगावाट बिजली

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

गर्मी ने अभी अपने तेवर पूरे नहीं दिखाए हैं, लेकिन बिजली में डिमांड की गर्मी अभी से दिखने लगी है। मार्च में बिजली की खपत पहली बार 62 सौ मेगावाट के पार हो गई है। इस समय पीकऑवर में खपत छह हजार मेगावाट से ज्यादा हो रही है। ऐसे में बिजली की आपूर्ति के लिए सेंट्रल सेक्टर से तो बिजली मिल ही जाती है, लेकिन सेंट्रल सेक्टर से पॉवर कंपनी का शेयर साढ़े तीन हजार मेगावाट ही है। ऐसे में अब सेंट्रल सेक्टर पर निर्भरता कम करने के लिए दूसरे राज्यों के बैंकिंग में पांच सौ मेगावाट से ज्यादा बिजली ली जा रही है। ऐसे में अब सेंट्रल सेक्टर से कम बिजली लेनी पड़ रही है।

गर्मी अब कब प्रारंभ हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। बीते साल गर्मी ने फरवरी से तेवर दिखाए थे, लेकिन इस बार तो गर्मी जनवरी से ही पड़ने लगी। इसके बाद पहले फरवरी और अब मार्च में पारा और चढ़ने लगा है। पारा चढ़ने के कारण बिजली की खपत का भी पारा लगातार चढ़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण अभी से प्रदेश भर में एसी और कूलर चलने लगे हैं। इसी के साथ कृषि पंप भी चलने के कारण खपत का ग्रॉफ लगातार बढ़ रहा है।

मार्च में पहली बार इतनी खपत

फरवरी और मार्च में आमतौर पर बिजली की खपत इतनी नहीं रहती है। कृषि पंपों के कारण फरवरी में खपत पांच हजार मेगावाट के पार जरूर हो जाती है, लेकिन इस बार फरवरी में ही खपत छह हजार मेगावाट गई है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक पहली बार फरवरी में इतनी ज्यादा खपत देखने को मिली। इसके बाद अब मार्च में खपत का ग्राफ और बढ़ गया है। इस समय खपत 62 सौ मेगावाट के पार हो गई है। मार्च में ही और नया रिकॉर्ड बनने की संभावना है।

अपना उत्पादन 25 सौ मेगावाट

पॉवर कंपनी के अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। लेकिन कभी भी उत्पादन सौ फीसदी नहीं होता है। सभी संयंत्रों के चलने पर अपना उत्पादन 25 से 26 सौ मेगावाट तक होता है। इस समय सभी संयंत्रों के चलने के कारण अपना उत्पादन 25 सौ मेगावाट हो रहा है। इसी के साथ दूसरे राज्यों से पांच सौ मेगावाट बिजली लेने के कारण तीन हजार मेगावाट बिजली हो जा रही है। खपत के हिसाब से बाकी बिजली सेंट्रल सेक्टर से ली जा रही है। पॉवर कंपनी के पास तीन हजार मेगावाट बिजली होने के कारण खपत 65 सौ भी जाने पर आसानी से सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन हजार मेगावाट बिजली मिल जाएगी।

इस होली को बनाएं खास और यादगार...

एमएम फन सिटी में रंग गुलाल और मौज मस्ती के साथ मनाएं होली 14 मार्च को

होली का त्योहार जीवन में बहुत सारी खुशियां और रंग भरता है, होली के चटक रंग ऊर्जा, जीवंतता और आनंद के सूचक हैं। यह रंगबिरंगा पर्व सभी के लिए खासकर बच्चों के लिए ढेर सारी मौज-मस्ती का अवसर लेकर आता है। इस दिन सुबह से लेकर शाम तक पूरा दिन आनंद और प्रसन्नता से भरा रहता है, सभी एक दूसरे को रंग-बिरंगे गुलाल लगाते हैं, एक-दूसरे पर पानी की पिचकारी चलाते हैं, पानी भरे गुब्बारे मारते हैं, यह बहुत सारे रंग, पानी की फुहारें और गुब्बारों के संग इस दिन को और रंगीन कर देता है।

यही वजह है कि इस लोकप्रिय पर्व को और खास बनाने 'एमएम फनसिटी' में खास तैयारियां की गई हैं यानी एमएम फनसिटी में होली पर होगी रंगों के साथ मस्ती। आप, आपके मित्र और आपका पूरा परिवार होलीफेस्ट का उठाएंगे जमकर पूरा लुत्फ। गोढ़ी, बकतरा रोड स्थित वॉटर पार्क में लोग अपने परिवार व दोस्तों के साथ रंग-गुलाल के साथ जमकर होली खेल सकेंगे। साथ ही फन वॉटर स्लाइडर, फैमिली पूल, वेव पूल, डीजे विथ रैन डांस, किड्स जोन और टेस्टी फूड का लुत्फ उठा सकेंगे। एमएम फन सिटी के राजेश थौरानी ने बताया कि यहां आने वालों के लिए स्पेशल पैकेज प्लान किए गए हैं। रंग-गुलाल-वॉटर पार्क में ही उपलब्ध करवाया जाएगा।

फूड पैकेड में वेज-नॉनवेज में वेराइटी मिलेगी। इसमें इंडियन, चायनीज व कॉन्टीनेंटल फूड शामिल है। त्योहार की वजह से वॉटर पार्क सुबह 10 बजे से ही खोल दिया जाएगा। लोग दिनभर फेस्टिवल को एन्जॉय कर सकेंगे।

रिजर्व में मौजूद हैं 8 बाघ, राजकीय पशु वन भैंस 17, टाइगर, सांभर सहित गिद्ध

लाल आतंक के चलते 40 सालों से पर्यटकों से दूर रहा इंद्रावती टाइगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

हरिभूमि सरोकार

इंद्रावती टाइगर रिजर्व छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है, यह इंद्रावती नदी के किनारे बसा है। यह छत्तीसगढ़ के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव उद्यानों में से एक है, साल 1983 में इसे भारत के प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ रिजर्व बनाया गया था। देश के तीसरे सबसे बड़े इन्द्रावती टायगर रिजर्व नेशनल पार्क में लाल आतंक के चलते 40 सालों तक आम लोग और पर्यटकों से दूर रहा है।

मटटीमारका में पहुंच रहे पर्यटक

बीजापुर जिले के भोपालपटनम से लगभग 20 किमी दूर मटटीमारका में इंद्रावती नदी किनारे जो इन्द्रावती टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ है। यहां साल भर में लगभग 50 हजार पर्यटक पहुंचकर पिकनिक करते हैं, जहां रिजर्व की ओर से पर्यटकों की अनुमति दी गई पर रात में जाने की मनाही है।

माओवादियों के खात्मे के बाद खुलेगा पार्क

वन विभाग जगदलपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया कि बस्तर में लाल आतंक पर हो रहे प्रहार से बीजापुर का इन्द्रावती नेशनल पार्क को अब देश दुनिया के लोग देख सकेंगे। वहीं विभाग के मंत्री का भी मानना है ऐसा अभयारण्य बस्तर के बीजापुर में होना गौरव की बात है, लेकिन नेशनल पार्क में मौजूद माओवादियों के खौफ अब खत्म होने की कगार पर है। माओवादियों के खात्मे के बाद नेशनल पार्क देश दुनिया के पर्यटकों के लिए खुल जाएगा।

बिलासपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | वर्ष : 24, अंक : 350 | पृष्ठ : 12+4 = 16 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

ओड़गी ब्लॉक के सात गांवों में सात दिन पहले मनाई जाती है होली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर/ओड़गी, अंबिकापुर

■ सालों पुरानी है परंपरा, एक सप्ताह तक ग्रामीण खेलते हैं होली

देश में फाल्गुन पूर्णिमा के दिन रंगों का त्यौहार होली मनाने की परंपरा है, लेकिन विकासखंड ओड़गी के लगभग आधा दर्जन गांवों में एक सप्ताह पूर्व ही रंगों का त्यौहार होली मनाने की परम्परा है। इन गांवों में कहीं एक सप्ताह पूर्व तो कहीं पांच दिन पूर्व होली मनाई जाती है। सूरजपुर जिलांतर्गत विकासखण्ड ओड़गी के दूरस्थ आधादर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में ⏭ शेष पेज 6 पर

इन गांवों में है परंपरा

विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़, बेदमी, पुतकी एवं हरिहरपुर में हर साल फाल्गुन सप्तमी के दिन जबकि चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुली, कछवारी एवं मोहरसोप में 3-5 दिन पूर्व होली मनाने की परंपरा है। गांव का बैगा पूजा उपरांत होलिका ⏭ शेष पेज 6 पर

आज उड़ेगी राख, मनेगी होली

ग्राम महुली कछवारी एवं मोहर सोप में होलिका दहन भी दो दिन पहले किया जाता है। इसकी अगली सुबह होलिका की राख उड़ाने के बाद रंगों का त्यौहार होली मनाई जाती है। होली में ग्रामीणों की टोलियां अलग-अलग स्थानों पर मांदर एवं ढोल की थाप पर फाग की मस्ती में डूबे रहती हैं।

छत्तीसगढ़ के आठ गांवों में 100 सालों से नहीं मनाई जाती होली

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

■ होली में रंग-गुलाल उड़ाने से अशुभ होता है और इसकी कीमत गांव वालों को चुकानी पड़ती है

■ देश के भी कुछ ऐसे गांव भी हैं जहां 100-200 साल से होली नहीं मनाई गई है

होली में हर तरफ रंग गुलाल और खुशियों का माहौल रहता है। छत्तीसगढ़ में लेकिन कुछ ऐसे भी गांव हैं जहां होली का पर्व नहीं मनाया जाता है। होली में रंग और गुलाल उड़ाना अशुभ माना जाता है। इन सभी गांवों में बीते 100-150 सालों से होली नहीं खेली गई है। लोगों का मानना है कि होली में रंग-गुलाल उड़ाने से अशुभ होता है और इसकी कीमत ⏭ शेष पेज 6 पर

रायगढ़ जिले के कई गांवों में नहीं खेली जाती होली

रायगढ़ जिले के कई गांवों में होली नहीं खेली जाती है। इसमें बरमेला ब्लॉक के हट्टापाली समेत अमलीपाली, छिंदपतेरा, मंजूरपाली, जगदीशपुर गांव शामिल है। इन सभी गांवों में लोगों में ये भय व खौफ रहता है कि गुलाल उड़ाने से लोगों की मौत हो जाएगी। इन गावों में होलिका दहन भी नहीं होता है। एक बुजुर्ग ने बताया कि जब से उन्होंने होश ⏭ शेष पेज 6 पर

अमिताभ जैन बनाए गए मुख्य सूचना आयुक्त

छत्तीसगढ़ को मिला प्रशासनिक मुखिया अमित अग्रवाल बने नए मुख्य सचिव

हो.स. ⏭ रायपुर

होली की छुट्टियों से पहले छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हो गया। सरकार ने अचानक अमिताभ जैन के स्थान पर राज्य के मुख्य सचिव अमिताभ जैन की जगह भारतीय प्रशासनिक सेवा 1993 बैच के अधिकारी अमित अग्रवाल को विष्णुदेव साय सरकार ने राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सीएस श्री जैन राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त बनाए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि अमित अग्रवाल वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद उन्हें तत्काल केंद्र सरकार ने रिलीव कर दिया है। वे छत्तीसगढ़ के लिए रवाना भी हो गए। श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ और दिल्ली में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे लेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ के वित्त सचिव की जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर चुके हैं। साथ ही वाणिज्यिक कर और तकनीकी शिक्षा विभागों के प्रभारी सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

रेणु को प्रशासनिक अकादमी, सुब्रत रेवेन्यू बोर्ड संभालेंगे

रेणु और सुब्रत भी थे दावेदार

मुख्य सचिव के लिए 1991 बैच की महिला अधिकारी रेणु पिल्ले और 1992 बैच के अधिकारी सुब्रत साहू को प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा था। श्री अग्रवाल की की नियुक्ति के बाद रेणु पिल्ले को प्रशासन अकादमी में निदेशक का पद सौंपा गया है। वहीं सुब्रत साहू को रेवेन्यू बोर्ड बिलासपुर में अध्यक्ष का नया दायित्व सौंपा गया है, उनका मुख्यालय अब बिलासपुर होगा। जानकारों के मुताबिक राज्य की नौकरशाही में ये परंपरा रही है कि जब भी नए सीएस की नियुक्ति होती है, उनके समकक्ष अधिकारियों को मंत्रालय की जगह अन्य विभागों में भेजा जाता है ताकि किसी प्रकार का प्रशासनिक टकराव न हो।

पिंगुआ, ऋचा शर्मा अप्रभावित

इस फेरबदल से दो एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ और ऋचा शर्मा प्रभावित नहीं हुए हैं। श्री पिंगुआ और ऋचा शर्मा दोनों 1994 बैच के अधिकारी है। इस लिहाज से ये दोनों नए सीएस अमित अग्रवाल से जूनियर है। इस आधार पर माना जा रहा है कि ये दोनों अभी प्रभावित नहीं हो रहे हैं। लेकिन श्री अग्रवाल के पदभार ग्रहण के बाद अगर वे कुछ बदलाव करना चाहें तो इन दोनों के विभागों में बदलाव कर सकते हैं। वजह ये है कि रेणु पिल्ले और सुब्रत साहू अभी जो विभाग एसीएस के रूप में संभाल रहे हैं, वे विभाग खाली होंगें। ऐसे में कुछ विभागों को इन दोनों अधिकारियों श्री पिंगुआ और ऋचा शर्मा के बीच बांटकर नई व्यवस्था बनाए जाने की संभावना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए कियोस्क

अयोध्या। यूपी सरकार ने अयोध्या आने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए 'कियोस्क' लगाने की पहल शुरू की है। ये 'कियोस्क' राम मंदिर और हनुमानगढ़ी सहित स्थलों के खुलने के समय, दूरी और अन्य आवश्यक विवरणों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

गैस टैंकर और दो कार में टक्कर, सात की मौत

धार। मप्र के धार जिले में एक गैस टैंकर और दो कारों के बीच टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। धार के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि यह हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ।

प्रख्यात दलित विचारक व लेखक के. के. कोचू का निधन

कोट्टायम। प्रख्यात दलित विचारक और लेखक के.के. कोचू का निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। केरल के कल्लरा में दो फरवरी 1949 को जन्मे कोचू कर्नाटक सड़क परिवहन निगम से वरिष्ठ सहायक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

होलिका दहन...

रायपुर। देशभर में रंगों के पर्व होली की धूम है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर गुरुवार को राजधानी रायपुर के प्रमुख चौक-चौराहों पर होलिका दहन किया गया।

एनएच 30 में सड़क हादस

तीन की मौत, 5 की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

बेमेतरा से कवर्धा हाईवे में गुरुवार को हुए एक सड़क हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसा नेशनल हाईवे 30 में ग्राम सैगोना के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड आ गई और नहर में गिर गई। हादसे में कार चालक कमल चक्रधारी के साथ साथ मासूम बच्ची साक्षी वैष्णव व उसकी मां खुशबू वैष्णव पति लिकेश वैष्णव की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में करीब छोटे बच्चे सहित 11 से अधिक लोग सवार थे। इस हादसे में छोटे बच्चों सहित कई लोग गंभीर घायल हुए हैं, जिनमें 5 लोगों को गंभीर अवस्था में रायपुर रेफर किया गया है।

एआईसीसी ने अचानक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदला

टीएस को मिली पीसीसी की कमान, बैज हटाए गए

हो.स. ⏭ रायपुर

विधानसभा, लोकसभा और नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद अंततः एआईसीसी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की छुट्टी कर दी। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को इसकी कमान सौंप दी है। श्री सिंहदेव का ऐलान होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल उन्हें बधाई देने पहुंचे। श्री बघेल ने कहा कि वे खुश हैं कि श्री सिंहदेव को वो ⏭ शेष पेज 6 पर

टीएस को शुभकामनाएं-बैज

पूर्व पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने टीएस सिंहदेव को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा, पार्टी हाई कमान ने जो निर्णय लिया है उससे वे खुश हैं। आगे पार्टी को संगठन के गतिविधियों में सहयोग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ⏭ शेष पेज 6 पर

■ भूपेश ने दी बधाई, कहा बड़े भाई को जिम्मेदारी, उनके सपने पूरे हों

पार्टी को नई दिशा देने का प्रयास करूंगा-टीएस

टीएस सिंहदेव ने पीसीसी अध्यक्ष की कमान मिलने पर कहा, पार्टी को नई दिशा देने का प्रयास करूंगा। पार्टी में गुटबाजी खत्म कर पार्टी नेताओं को एकजूट कर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन कर जनता तक कांग्रेस पार्टी की आवाज पहुंचाने का प्रयास होगा। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेंगे। पीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद अपनी टीम तैयार करने का काम जल्द होगा।

बड़े भाई संभालेंगे पीसीसी की कमान-भूपेश

टीएस को अध्यक्ष बनाए जाने पर भूपेश बघेल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, यह खुशी की बात है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस का मुखिया बनाया गया है। पूर्व में मैंने जिस पद को संभाला उसे अब मेरे बड़े भाई टीएस सिंहदेव संभालने जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए हमने विधानसभा सभा चुनाव में जीत दर्ज की और पार्टी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया। श्री बघेल ने संकेतों में कहा, मैंने विधानसभा में जीत दिलाई और सीएम बना। वे भी आगामी चुनाव में पार्टी को विजयी बनाएं और अपने सपने पूरे करें, मेरी शुभकामना है।

रेस्क्यू किए गए बच्चों में तीन लड़के 39 लड़कियां शामिल

बिहार से रेस्क्यू 42 बच्चे रायपुर लाए गए पुलिस-सीडब्लूसी की टीम करेगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बिहार के रोहतास जिले के रेड लाइट एरिया से रेस्क्यू की गई बच्चियों को लेकर पुलिस टीम होली के एक दिन पूर्व गुरुवार को रायपुर लेकर पहुंची। सभी को सड़क मार्ग से लाया गया। बच्चों के आने की उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। जिन बच्चों को रेस्क्यू कर लाया गया है, उनमें तीन लड़के तथा 39 लड़कियां शामिल हैं।

एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह के मुताबिक बच्चों को रेस्क्यू कर लाने के बाद सीडब्लूसी को सौंपा जाएगा। साथ ही बच्चों से पुलिस के अफसर सादी वर्दी में अलग से पूछताछ करेंगे। पुलिस की पूछताछ के बाद सीडब्लूसी के अफसर पूछताछ करेंगे। जरूरत पड़ने पर बच्चों की काउंसिलिंग कराई जाएगी। साथ ही बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाने वालों के बारे में जानकारी जुटाकर उनके खिलाफ मानव तस्करी का मामला दर्ज कर पुलिस कार्रवाई करेगी।

परिजनों के खिलाफ भी हो सकती है कार्रवाई, बालिका गृह में रखने की व्यवस्था की जाएगी

नाच-गाने या देह व्यापार से जुड़े लोगों को बेचे जाने की पुष्टि होने पर, परिजनों की संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस कार्रवाई उन पर भी कार्रवाई करेगी। इसके अलावा पुलिस बच्चों की मदद से राज्य में मानव तस्करी करने वालों के संबंध में जानकारी जुटाकर उन पर शिकंजा कसेगी।

सीडब्लूसी के अफसर बच्चों के परिजनों से बात करेंगे। परिजनों की बात से संतुष्ट होने के बाद बच्चों को उनके सुपुर्द किया जाएगा। अन्यथा बच्चों को बालिका गृह में रखने की व्यवस्था की जाएगी। परिजन अपने बच्चों को दोबारा नाच-गाने तथा देह व्यापार में नहीं भेजें, इसके लिए परिजनों की काउंसिलिंग की जाएगी।

पुलिस अधिकारी बताएंगे फॉरेंसिक छात्रों को कैसे करें क्राइम सीन की पड़ताल

विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में एक वर्ष के लिए नियुक्त करेगा रविवि, निर्धारित सिलेबस के साथ व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने प्रयोग

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के छात्रों को अब पुलिस अधिकारी बताएंगे कि वे किस तरह से क्राइम सीन की पड़ताल कर सकते हैं। दरअसल रविवि द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में निर्धारित अवधि के लिए नियुक्त करने योजना लाई गई थी। इसके अंतर्गत ही फॉरेंसिक डिपार्टमेंट के छात्रों को स्टेट फॉरेंसिक साइंस लेब्रोट्री के डायरेक्टर और आईपीएस डॉ.राजेश मिश्रा व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करेंगे। इसके लिए रविवि द्वारा अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

ना केवल फॉरेंसिक डिपार्टमेंट बल्कि अन्य कई विभागों के लिए भी रविवि इस तरह की व्यवस्था कर रहा है। इसके लिए विभाग प्रमुखों से ही सुझाव मंगाए जाते हैं। उनके द्वारा पेश किए गए सुझाव के आधार पर नामों पर विचार करने पश्चात कार्यपरिषद से मंजूरी दी जाती है। रविवि प्रबंधन का मानना है कि इससे छात्रों के स्किल में वृद्धि होगी और पढ़ाई के बाद फील्ड में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

केस स्टडी भी

किसी भी क्राइम सीन की पड़ताल के दौरान वहां फॉरेंसिक एक्सपर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। विशेषकर हत्या जैसे मामलों में फॉरेंसिक एक्सपर्ट का सहयोग आवश्यक होता है। पाठ्यक्रम में विभिन्न तरह की जांच शामिल है। लेकिन अब छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाएगा। छात्रों को केस स्टडी के माध्यम से बताया जाएगा कि किस तरह से क्राइम सीन से सबूत एकत्र किए जा सकते हैं। कौन से केस में फॉरेंसिक टीम की मदद से आरोपी तक पहुंचने में मदद मिली, किस तरह की चुनौतियां इस दौरान आती हैं, इन सभी के बारे में विस्तार से छात्रों को बताया जाएगा।

जरूरी नहीं है शैक्षणिक योग्यता

इस विशेष योजना के अंतर्गत विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में सेवाएं प्रदान करने प्रोफेसर के समकक्ष शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य नहीं है। संबंधित फील्ड के जानकार और अनुभवी व्यक्तियों को इसके लिए बुलाया जा सकता है, जो छात्रों को जानकारी प्रदान कर सकें। मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही रविवि द्वारा यह योजना प्रारंभ की गई है। फिलहाल यह केवल रविवि अध्ययनशाला के विद्यार्थियों के लिए है।

तीन साल बाद ठेलों और फुटपाथ पर लौटी लहसुन, दाम 80 से 100 रुपए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

लहसुन के दाम में लंबे समय बाद अब राहत का तड़का लगा है। तीन साल बाद एक बार फिर से राजधानी के फुटपाथ और ठेलों पर लहसुन बेचने वाले नजर आ रहे हैं। तीन साल पहले जब लहसुन के दाम बहुत ज्यादा कम थे, तब फुटपाथ और ठेलों पर लहसुन 50 रुपए में डेढ़ किलो बिक रही थी, इस समय तीन साल पहले जितनी कीमत तो कम नहीं है, लेकिन बीते दो साल से जिस तरह से लहसुन के दाम आसमान छू रहे हैं, उससे कीमत बहुत कम है। इस समय फुटपाथ और ठेलों पर लहसुन चिल्हर में 80 से 100 रुपए में मिल रहा है। 80 रुपए में जहां छोटी साइज है, वहीं 100 रुपए में बड़ी साइज की लहसुन मिल रही है। बीते साल ही दिसंबर में कीमत 400 रुपए किलो थी, लेकिन अब नई

फसल आने से दो साल बाद लहसुन वापस पुरानी कीमत पर लौटी है। दो साल पहले लहसुन की कीमत 25 से 30 रुपए पाव और 100 रुपए किलो थी।

महंगाई से आम आदमी परेशान है। लगातार महंगाई बढ़ रही है, ऐसे में अगर किसी सामान की कीमत कम होती है तो आम आदमी को राहत महसूस होती है। हालांकि आमतौर पर महंगे सामान की कीमत इतनी जल्दी कम नहीं होती है। कीमत कम होने के बाद कब इसमें मुनाफाखोरी के कारण कीमत में इजाफा कर दिया जाए, कहा नहीं जा सकता। कारोबारी मुनाफाखोरी से बाज नहीं आते। लहसुन की कीमत बीते दो साल तक 400 रुपए से लेकर 500 रुपए किलो रही है। बीते साल भी कीमत चिल्हर में 500 रुपए तक गई थी। थोक में इसकी कीमत चार सौ रुपए तक रही है। बीते साल दिसंबर से कीमत कम होने लगी थी, लेकिन चिल्हर में इसकी कीमत कम नहीं हो रही थी। अब नए साल में चिल्हर में भी कीमत बहुत कम हो गई है, क्योंकि लहसुन की नई फसल आने के बाद इसकी आवक भी ज्यादा हो रही है। पहले जनवरी में इसकी कीमत दो सौ रुपए हुई और अब फरवरी में इसकी कीमत पहले जैसी हो गई है। अब मार्च में तो कीमत और कम हो गई है।

संपत्ति विरूपण पर 10 हजार जुर्माना

रायपुर। जोन-8 के नगर निवेश विभाग की टीम ने होली हार्ट्स स्कूल कबीर नगर के संचालक को शासकीय संपत्ति का विरूपण कर संस्था के अवैध विज्ञापन प्रचार करने पर नोटिस देकर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इसी तरह माधवराव सप्रे वार्ड स्थित वंडर सिटी के संचालक को शासकीय संपत्ति विरूपण के मामले में 10 हजार रुपए जुर्माना किया है। साथ ही परमानंद नगर में उमाकांत सेन द्वारा सड़क बाधित किए जाने पर सड़क बाधा शुल्क 3 हजार रुपए रुपए और ग्रीन नेट नहीं लगाने पर एक हजार रुपए जुर्माना ई-पेनाल्टी एप के माध्यम से लगाया है।

बकाया भुगतान के लिए आरडीए लगाएगा विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण के बकायादारों से वसूली के लिए अब होली के बाद 17 मार्च से योजना क्षेत्र में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुंदन कुमार ने इसके लिए नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। इसके अंतर्गत योजना के उप अभियंता, योजना के प्रभारी राजस्व लिपिक, कार्य सहायक सहित अन्य कर्मचारियों को संलग्न किया गया है।

रायपुर विकास प्राधिकरण के बकायादारों की सुविधा के लिए प्राधिकरण 17 से 22 मार्च तक विशेष शिविर लगाने जा रहा है। निर्धारित तारीख पर प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आवंटित अपनी बकाया राशि चेक, ड्रॉफ्ट, बैंकर्स चेक, डेबिट या क्रेडिट कार्ड, तथा आन लाईन राशि का भुगतान कर सकेंगे। आवंटित अपनी राशि रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में भी आकर जमा कर सकते हैं। 17 मार्च को डॉ. खूबचंद बघेल ट्रांसपोर्ट नगर -रावांभाठा, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवास योजना हीरापुर में 18 मार्च, बोरियाखुर्द में 19 और 20 मार्च, रायपुरा में 21 मार्च और सरोना में 22 मार्च को शिविर का आयोजन किया गया है। प्राधिकरण ने 31 मार्च 2025 तक पुरानी और नई योजनाओं के आवासीय में 50 फीसदी और व्यावसायिक योजना में एकमुश्त राशि भुगतान में 30 फीसदी तक सरचार्ज राशि में छूट दी है।

शराब भट्टी पर उमड़ी पियक्कड़ों की भीड़

रायपुर। होली त्योहार के कारण शराब दुकानों पर पियक्कड़ों की भीड़ टूट पड़ी। सुबह से रात दुकान बंद होने तक शराब दुकानों में खरीदारों की लंबी कतार लगी रही। विभागीय सूत्रों के अनुसार, होलिका दहन के एक दिन पूर्व रायपुर जिले में करीब 15 करोड़ रुपए की शराब की खपत हुई। वहीं होलिका दहन के दिन 20 करोड़ रुपए के करीब शराब की बिक्री होने का अनुमान लगाया गया है। इस तरह दो दिन में 35 करोड़ रुपए की शराब जिले में बिकी है। इधर आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिक्री के वास्तविक आंकड़े त्योहार के बाद ही मिल पाएंगे। त्योहार के कारण शराब बिक्री का हिसाब-किताब हो नहीं पाया है।रायपुर शहर में सामान्य दिनों की तुलना में होली त्योहार के दौरान तीन से चार गुना अधिक शराब की बिक्री हुई है। सूत्रों की मानें तो शहर में दो दिन में 35 करोड़ से अधिक शराब की बिक्री हुई है। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी शराब दुकानों में पियक्कड़ों की दो दिन से भारी भीड़ उमड़ रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी दो दिन तीन से चार गुना शराब की बिक्री हुई है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त - अम्बिकापुर

तृतीय निविदा आमंत्रण

विज्ञापन क्रं :- 125

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल वृत्त अम्बिकापुर अंतर्गत परि संभाग कोरिया के अंतर्गत जिला सूरजपुर अंतर्गत विभिन्न उप स्वास्थ्य केन्द्र (ओड़गी, माहोली, राई. रामानुजनगर, अर्जुनपुर एवं सुरता) में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर उन्नयन कार्य हेतु ऑफलाईन निविदा दिनांक 24.03.2025 तक प्रपत्र "अ" में राशि रू. 13.50 लाख की एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, परियोजना संभाग- कोरिया के मो.नं. 8224849008 पर संपर्क करें।

संवाद- 43235 उपायुक्त

C/PDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कंपनी)
कार्यालय : कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग, सक्ती

सूचना

सक्ती संभाग के अंतर्गत आने वाले समस्त सम्मानीय नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आगामी 13 मार्च को होली दहन एवं 14 मार्च को होली के दिन विद्युत लाईनों के नीचे अथवा ट्रांसफार्मर के पास होलिका दहन न करें। ताकि किसी भी प्रकार के अप्रिय विद्युत दुर्घटना एवं विद्युत लाईनों व उपकरणों की क्षति से बचा जा सके।

"ऊर्जा की बचत करें"

"विद्युत देयकों का भुगतान कर असुविधा से बचें"

संवाद- 43228

कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग,
छ.पॉ.डि.कं.लिमि. सक्ती

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बलरामपुर वनमण्डल बलरामपुर (छत्तीसगढ़)

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बलरामपुर वनमण्डल के अंतर्गत काष्ठागार वाड्रफनगर में रखी इमारती लकड़ी / जलाऊ काष्ठ को निम्नलिखित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में आवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार वाड्रफनगर से प्राप्त कर सकते हैं।

डिपो का नाम : काष्ठागार वाड्रफनगर

नीलाम दिनांक : 26.03.2025, समय : प्रात : 09.00 बजे से

क्र.	वनोपज का विवरण	नया काष्ठ		पुराना काष्ठ	
		लट्ठा	बल्ली/ डेंगरी	लट्ठा	बल्ली/ डेंगरी
		घ.मी.	नग	घ.मी.	नग
A	इमारती काष्ठ				
1	सागौन	-	-	283.959	1611
2	साल	456.305	35	306.148	310
3	साजा	-	-	-	15
4	बीजा, शीशम, खम्हार	-	-	14.427	755
5	हल्दु, मुडी, बांसा	-	-	21.576	2
6	धावड़ा	-	-	-	-
7	अन्य, नीलगिरी	-	-	-	19
8	सलया	-	-	-	-
9	सेमल	-	-	17.437	-
10	खैर काष्ठ	-	-	-	-
	योग	456.305	35	643.547	2712
क्र.	प्रजाति विवरण				
1	जलाऊ चट्टा मिश्रित प्रजाति सा. 2.00 मी. X 1.25 X 0.80 मी.	77.5 चट्टा		165 चट्टा	

टीप :- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी.सी. ई- कोमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं।

जी. 242505939/3

वनमंडलाधिकारी
बलरामपुर वनमण्डल, बलरामपुर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 1. अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ. ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165787 निविदा सूचना क्रमांक : 10/व.ले.लि. / 2024-25 दिनांक 11.03.2025 निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 01.04.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	165787	माण्ड व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर पर मिट्टी का कार्य एवं वियर का मरम्मत तथा 1260 मी. सी. सी. चैनल का निर्माण एवं 04 नग एक्वाडक्ट तथा आर. बी. सी. में 106 नग स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य।	रू.2933.39 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 18.03.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है ।

नोट : निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 1,
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-242505950/4

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)- 496001

ई-मेल:gmcraigarhhospital@gmail.com, दूरभाष-07762220237

क्रमांक/2516/चिकि./क्रय/2024-25 रायगढ़, दिनांक : 12 MAR 2025

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, संत बाबा गुरू घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ छ.ग. की ओर से चिकित्सालय में मेडिकल गैस की सतत आपूर्ति हेतु दर अनुबंध (Rate Contract) कर मेडिकल गैस रिफिलिंग कार्य एवं आपूर्ति के संबंध में निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में आवेदन के साथ वैध जी. एस. टी. प्रमाण पत्र तथा निविदा शुल्क रूपये 2000 (दो हजार रूपये) अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम डी.डी./ बैंकर्स चेक के रूप में मूलतः प्रस्तुत कर निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त किए जा सकते है।

निविदा प्रपत्र विक्रय की तिथि-दिनांक 13.03.2025 से 03.04.2025 शाम 5:30 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-दिनांक 04.04.2025 समय 3:00 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि-दिनांक 04.04.2025 समय सांय 04 बजे

निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट www.gmcraigarh.edu.in में अवलोकन कर सकते है।

निविदा शुल्क की राशि 2,000/- वापसी योग्य नहीं है।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरू घासीदास जी स्मृति शासकीय
चिकित्सालय, रायगढ़ (छ. ग.)

जी-242505935/2

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
एटीव्हीएम फैसिलिटेटर हेतु निविदा सूचना

अधिसूचना क्रमांकः काम/कांट्र/ एटीवीएम/25 दिनांक 05.03.2025. (1) **कार्य का नामः** बिलासपुर मंडल के 19 रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए फैसिलिटेटर की नियुक्ति करने हेतु निविदा अनुबंध की अवधि 31.03.2026 तक है जो रेल्वे बोर्ड द्वारा पुष्टिकरण पत्र पर फैसिलिटेटर योजना के विस्तार की शर्त के अधीन है। (2) **स्टेशन का नामः** बिलासपुर, रायगढ़, अनूपपुर, अकलतरा, जांजगीर-नैला, पेंड्रा रोड, खरसिया, उमरिया, कोतमा, सक्ती, बुढ़ार, बाराद्वार, उसलापुर, अंबिकापुर, चांपा, शहडोल, कोरबा, गतोरा एवं जयरामनगर। (3) **विवरणः** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा बिलासपुर मंडल के 19 रेलवे स्टेशनो पर उपलब्ध एटीवीएम में फैसिलिटेटर की नियुक्ति करने हेतु सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों या सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के पति/ पत्नी/ वयस्क बच्चे एवं भारतीय/ नागरिकों (आम जनता) से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। (4) **अनुबंध की अवधिः** 31.03.2026. (5) **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** निः शुल्क। (6) **निविदा प्रारंभ की तिथिः** 10.03.2025. (7) **निविदा प्रपत्रें के जमा करने की तिथि व समयः** 01.04.2025 के 11:00 बजे से 15-30 बजे तक। (8) **निविदाएं खोलने के लिए तिथि व समयः** 01.04.2025 के 16:00 बजे

नोटः यदि, अंतिम तिथि एक सरकारी छुट्टी या घोषित छुट्टी किसी भी कारण के लिए होती है तो, निविदाओं को अगले कार्य दिवस पर खोला जाएगा।

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संबंधित स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक कार्यालय और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस संपर्क करे एवं निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट "www.secr.indianrailways.gov.in" पर उपलब्ध है, उस डाउनलोड कर सकते है।

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक,
सीपीआर/10/550 बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगरपालिका परिषद्, जशपुरनगर जिला-जशपुर (छ.ग.)

Phone No. 07763-223344 cmonpjashpur@gmail.com

क्रमांक / 452/न.पा.प. / 2024-25 जशपुरनगर, दिनांक 13/03/2025

-: मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगरपालिका परिषद् जशपुरनगर क्षेत्रान्तर्गत अधोसंरचना मद में विभिन्न कार्य हेतु एकल खिड़की प्रणाली से पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 एवं सड़क एस.ओ.आर. 01.01.2025 से प्रभावशील लागत, अधिक या कम प्रतिशत दर पर मुहर बंद निविदाएं ''फार्म ए'' में निविदाएं दिनांक 04.04.2025 समय सायं 03:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो मात्र स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक (त्रि-लिफाफा पद्धति) से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

क्र.	कार्यो का नाम	कुल राशि	निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि
1	नगरपालिका परिषद् जशपुरनगर क्षेत्रान्तर्गत बी.टी. रोड रिनवल, सी.सी. रोड, पाथवे निर्माण इत्यादि कार्य (कार्य संख्या कुल-13)	134.61 लाख	04.04.2025

टीप :- उपरोक्त कार्यो की निविदा शर्तें / विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा एंव https://uad.cg.gov.in से देखी/प्राप्त की जा सकती है।

नोट :- निकाय के करों का भुगतान समय पर करें, नगर को साफ एवं स्वच्छ रखें। (स्वच्छ सर्वेक्षण 2024)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, जशपुर नगर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् दीपका, जिला कोरबा (छ.ग.)

Ph.: 07815 239299, Pin 495452, e-mail: dipkacmo@rediffmail.com

क्रमांक /507/ निर्माण/न.पा.प./2025 दीपका, दिनांक : 12.03.2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पालिका परिषद, दीपका द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा जारी (भवन/सडक) 01.01.2015 से प्रभावशील दर अनुसूची प्राक्कलन के तकनीकी स्वीकृति अनुसार निर्माण कार्य हेतु मुहर बंद निविदा प्रपत्र पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक : 27.03.2025 समय 2.00 बजे तक
परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि : 27.03.2025 समय 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 04.04.2025 समय 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 04.04.2025 समय 4.00 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि (कार्यादेश से)
1	वार्ड क्र. 06 में टॉवर रोड से गणेश साहू घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (15 वें वित्त मद)	6.85	7000.00	750.00	02 माह

नियम एवं शर्तें :- 01. अन्य जानकारी कार्यालय के निर्माण शाखा/uad.cg.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय-सीमा में अवश्य करें

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका
परिषद दीपका जिला कोरबा (छ.ग.)

IN THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR
CAVEAT APPLICATION NO. /2025
[WPS No. /2025]
CAVEATOR/ PROPOSED RESPONDENT:
STATE of CHHATTISGARHI & Anr.
VERSUS
NON-CAVEATOR/ PROPOSED PETITIONERS:
PUBLIC AT LARGE
CAVEAT APPLICATION UNDER SECTION 148-A OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE, 1908 READ WITH RULE 142 OF THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH RULE

It is hereby, informed to the General Public that the caveator herein, have filed the instant caveat before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh because the caveator have published an advertisement dated 11/03/2025 for recruitment to the post of Sub Engineer (Civil) and Sub Engineer [Electrical / Mechanical] through CG VYAPAM. That, the caveator/proposed respondent has apprehended that any person from the public at large being aggrieved by the same may file a writ petition before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh and may pray for stay with respect to the recruitment process which was initiated in pursuance of the advertisement dated 11/03/2025, thus, a caveat has been filed. It is hereby informed that any person who desires or is willing to file a writ petition challenging the recruitment process may submit the advance copy before the Office of the Hon'ble Advocate General. Copy of the public notice is part of the caveat.

[JATANU GHOSH]
Dy. GOVERNMENT ADVOCATE 0/0 ADVOCATE GENERAL OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

G.- 242505966/1

कार्यालय नगर पालिक निगम रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

E-mail: Commissioner-rgh.cg@cg.gov.in, corporationraigarh@gmail.com Phone No:- 07762-222911

क्रमांक 3873/वि.वि./ न.पा.नि./2025 रायगढ़, दिनांक 05/03/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत विद्युत विभाग द्वारा निगम कार्यालय एवं भवनों का कुलर, पंखा, एसी, वाटर कुलर एवं जनरेटर सुधार एवं मरम्मत कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2025 2026 के लिए आवश्यक सामग्री प्रदाय कार्य जिसकी लागत राशि 09.50/- लाख रू. है, हेतु निर्माता / विक्रेता/ पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "ब" नगर पालिक निगम, रायगढ़ की वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भर कर निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क 750/- रू. तथा अमानत राशि 9,500/- रू. के साथ से दिनांक 28/03/2025 अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहर बंद निविदाएं त्रि-लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाए उसी दिन अपरान्ह को सायं 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

नोट:- *सामग्री सूची व नियम एवं शर्तें संलग्न कर वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/ uad.cg.gov.in पर अपलोड है।

* कार्य का अन्य विवरण एवं नियम शर्तें कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

Email:-cmodongargarh@rediffmail.com

क्रमांक /1316/न.पा.प./ लो. कर्म / 2025 डोंगरगढ, दिनांक 12/03/2025

// निविदा संशोधन सूचना //

कार्यालय द्वारा जारी निविदा पत्र क्रमांक/1237/ अधो. मद/न.पा.प./ 2025 डोंगरगढ़, दिनांक 06/03/2025 के अनुसार अधोसंरचना मद 2024 - 25 अंतर्गत विकास कार्य (कुल 05) का चतुर्थ निविदा आमंत्रित किया गया था। किन्तु चतुर्थ निविदा आमंत्रण सूचना में विस्तृत तिथि एवं कार्य का उल्लेख नहीं होने के कारण इस अनुक्रम में निम्नानुसार निर्धारित तिथियों में चतुर्थ निविदा आमंत्रण सूचना को संशोधित किया जाता है।

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 17/03/2025 कार्यालयीन समय तक
02. परिक्षण उपरान्त निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19/03/2025 कार्यालयीन समय तक
03. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- 27/03/2025 दोपहर 3.00 बजे तक
04. निविदा खुलने की तिथि :- 27/03/2025 शाम 04.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (राशि लाख में)	अमानत राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	वार्ड क्रमांक 11 छिरपानी मुक्तिधाम में सौंदर्यीकरण कार्य ।	10.71	8100	750	4 माह	सक्षम श्रेणी
2	वार्ड क्रमांक 20 मो. जहीर से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	1.36	2000	300	3 माह	सक्षम श्रेणी
3	वार्ड क्रमांक 20 बोरतालाब रोड से देव सिन्हा के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य ।	0.89	2000	300	3 माह	सक्षम श्रेणी
4	वार्ड क्रमांक 20 में आर. बी. सिंह के घर के पास सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	0.99	2000	300	3 माह	सक्षम श्रेणी
5	वार्ड क्रमांक 20 में मोहन कोटले के घर से हठीले के घर तक तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	0.81	2000	300	3 माह	सक्षम श्रेणी

टीपः- इसके अतिरिक्त निविदा संबंधी अन्य शर्तें पूर्ववत एवं समय यथावत रहेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् डोंगरगढ़

CHHATTISGARH TOURISM BOARD

2nd Foor, Udyog Bhawan, Ring Road No.-1, Telibandha, Raipur - 492006
Tel: 0771-4028636, 4224627 Fax: 0771-4066425 E-Mail:- visitcg@gmail.com
Web: http://tourism.cg.gov.in, Toll Free No.: 1800-102-6415

No. 5253/Plg/Proj/649(1)2/25 Raipur, Date: 13.03.2025

PRE-NIT CONFERENCE Development of Film City at Raipur (C.G.)

Chhattisgarh Tourism Board intends to develop a Film City in an area of approx. 100 acres on Public Private Partnership (PPP) mode at Raipur. The estimated project cost is approx. INR 350 Crores.

A Pre-NIT conference will be held with the Prospective Bidders on 21.03.2025 at 11 AM at the above office address at the office Chhattisgarh Tourism Board (CTB), Udyog Bhawan, 2nd Floor, Ring Road No. 01, Telibandha, Raipur (Chhattisgarh) 492001

Interested investors and sector experts are hereby invited for the conference, where they will be shown the proposed project components at the Film City and what the authority expects from the project. Further, Q&A and open forum will be conducted for assesment of additional components which can be proposed at the proposed site from the investors and sector experts. A site visit to the proposed site can also be done, with the investors and sector experts who wish to visit the site (if necessary).

The objective of the meeting is to make the investors aware of the proposed works and to get suggestions on other works to be added so that this film city can be made modern and better. Based on the inputs/comments/suggestions received, tender will be prepared and floated.

SD/-
Managing Director
Chhattisgarh Tourism Board

13- MAR- COR- MAIN- Pg- 5 DESH VIDESH_Layout 1 3/13/2025 6:54 PM Page 1

होली का त्योहार रंग, गुलाल और गुझिया की मिठास का प्रतीक है। हालांकि होली सिर्फ रंगों और मिठाइयों तक सीमित नहीं। भारत के अलग-अलग राज्यों में इसे अलग नामों और अनोखी परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं फूलों की होली तो कहीं लट्ठमार होली खेली जाती है लेकिन शाहजहांपुर में होली बेहद ही अनोखे ढंग से मनाई जाती है। यहां रंग गुलाल के साथ-साथ जूते मार होली खेली जाती है। इस दौरान शहर में 'लाट साहब' का जुलूस भी निकाला जाता है। इस जुलूस में लाट साहब बनने वाला शख्स पर लोग जूतों की बारिश करते हैं। लेकिन लाट साहब को जूते खाने के एवज में पैसे भी मिलते हैं।

यूपी के शाहजहांपुर की अनोखी होली

भैंसा गाड़ी पर ठाठ से निकलेंगे 'लाट साहब', बरसाए जाएंगे जूते-चप्पल

एजेंसी ▶▶| शाहजहांपुर

इतिहासकार डॉ. विकास खुराना ने बताया कि सन 1857 के दौर से ही शाहजहांपुर में होली के दिन जुलूस निकालने की परंपरा चल रही है। पहले इस जुलूस को 'नवाब साहब का जुलूस' कहा जाता था लेकिन सन 1988 में तत्कालीन जिलाधिकारी कपिल देव ने जुलूस का नाम बदलकर 'लाट साहब का जुलूस' कर दिया। लाट साहब का यह जुलूस चौक क्षेत्र के बाबा चौकसी नाथ मंदिर से शुरू होकर शहर के अलग-अलग इलाकों से होता हुआ थाना सदर बाजार क्षेत्र के बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचता है। इस जुलूस में हजारों की संख्या में हुड़दंगी शामिल होते हैं।

लाट साहब को जूते खाने के लिए मिलते हैं 1 लाख रुपए

जटिल है लाट साहब का चुनाव

भैंसा गाड़ी पर बैठकर जुलूस की अगुवाई करने वाले लाट साहब का चुनाव करना एक जटिल और अनोखी प्रक्रिया है। इस जुलूस में दूसरे जिले के व्यक्ति को लाट साहब बनाया जाता है। लाट साहब बनने वाला शख्स को करीब एक सप्ताह पहल शाहजहांपुर लाया जाता है। जुलूस का आयोजन करने वाली कमेटी लाट साहब की जमकर खातिरदारी करती है। इतना ही नहीं लाट साहब को बेशुमार उपहार भी दिए जाते हैं।

फाइल फोटो

कोतवाल लाट साहब को गिफ्ट करेंगे ब्रांडेड शराब

करीब 1 लाख रुपए होंगे खर्च

शाहजहांपुर पहुंचने पर लाट साहब की जमकर खातिरदारी तो होती ही है। इसके अलावा लाट साहब को ब्रांडेड कंपनी के कपड़े और जूते उपहार स्वरूप दिए जाते हैं। लाट साहब की खातिरदारी में कोई कमी न रह जाए उसके लिए शराब भी पिलाई जाती है। जुलूस कमेटी इस बार लाट साहब की खातिरदारी और उपहार के लिए करीब 80 हजार रुपए की रकम खर्च कर रही है। लाट साहब जब कोतवाली पहुंचते हैं तो यहां कोतवाल लाट साहब को सलामी देने के बाद उपहार और नजराना भेंट करते हैं। भैंसागाड़ी के लिए जुलूस कमेटी अलग से पैसे खर्च करती है। यानी कुल मिलाकर इस बार लाट साहब को जूते खाने के लिए 1 लाख रुपए मिलेंगे।

तिरपाल से ढक दी गई हैं मस्जिदें

चप्पे-चप्पे पर नजर

शाहजहांपुर में लाट साहब की सवारी और होली के दौरान सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मस्जिदों को ढकने की परंपरा जारी रखते हुए, सभी समुदायों के बीच सौहार्द बनाए रखने का प्रयास किया गया है। प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वे शांति और भाईचारे के साथ होली मनाएं। इसके साथ-साथ लाट साहब के जुलूस के साथ कई थानों की फोर्स, पीएसी, रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया जाता है। शहर में कई स्थानों पर स्थित मस्जिदों को ढका गया है। प्रशासन के अनुसार, यह परंपरा वर्षों पुरानी है, जिसका मकसद सौहार्द बनाए रखना है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दे दी है पुतिन को वार्निंग

सीजफायर पर सहमत नहीं हुआ रूस तो अमेरिका लगाएगा कड़े आर्थिक प्रतिबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब में यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों की बैठक हुई और इसमें सीजफायर को लेकर सहमति बनी। अमेरिका ने 30 दिनों के सीजफायर का प्लान रूस को भेजा है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को वार्निंग भी दे दी है।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रूस सीजफायर पर सहमत होगा। लेकिन अगर रूस, यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखता है तो उसे सख्त आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने कहा कि हम कुछ ऐसे कदम उठाएंगे जिससे रूस पर वित्तीय प्रभाव पड़ सकता है और यह रूस के लिए घातक होगा। वहीं सीजफायर प्रस्ताव पर रूस का भी बयान सामने आया है। रूस ने कहा कि वह अभी इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि सबसे पहले इस संबंध में अमेरिका से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में जमीन, हवा और जल तीनों स्तर पर जंग रोकने की बात कही गई है।

खास बातें

- 30 दिनों के सीजफायर का प्लान रूस को भेजा है अमेरिका ने
- रूस अपनी शर्तों पर समझौते का बना रहा है दबाव

सऊदी अरब में हुई अमेरिका-यूक्रेन की बैठक

सऊदी अरब के जेद्दा में हुई अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के बाद समझौता हुआ और यूक्रेन ने रूस के साथ 30 दिन के युद्ध विराम पर सहमति जताई है। जेद्दा में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मार्को रुबियो और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने किया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक, विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा और रक्षा मंत्री रुस्तम उमारोव के नेतृत्व में कीव से आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यूक्रेन ने कहा कि वह रूस के साथ 30 दिन के युद्ध विराम के ट्रंप प्रशासन के प्रस्ताव का समर्थन करेगा।

पुतिन ने सीजफायर के लिए रखी है लंबी डिमांड लिस्ट

वॉशिंगटन। अब जब जेलेंस्की राजी हो गए हैं तो फिर व्लादिमीर पुतिन अमेरिका पर भी दबाव बनाने में जुटे हैं। उन्होंने सीजफायर पर अमल के लिए लंबी डिमांड लिस्ट रख दी है। उनका कहना है कि यदि इन मांगों को अमेरिका स्वीकार कर ले और यूक्रेन पर भी दबाव बनाए, तभी वह सीजफायर को स्वीकार कर सकेंगे। अब तक यह क्लियर नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति ने क्या-क्या मांगें रखी हैं, लेकिन रूसी राष्ट्रपति के करीबी सूत्रों का कहना है कि व्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि अमेरिका और नाटो वादा करें कि यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं दी जाएगी। इसके अलावा यह भी कहा जाए कि नाटो का विस्तार ऐसे नहीं किया जाएगा कि रूस के पड़ोसी देशों को शामिल किया जाए। अमेरिका से रूस की एक और मांग है। व्लादिमीर पुतिन चाहते हैं कि अमेरिका यह माने कि क्रीमिया समेत यूक्रेन के वे 4 इलाके रूस के ही हैं, जिन पर उसने कब्जा जमा लिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब तक यह साफ नहीं किया है कि वह रूस से किस आधार पर सीजफायर चाहता है। लेकिन इतना साफ है कि रूस के साथ कारोबारी रिश्ते और यूक्रेन से शांति समझौता उसकी प्राथमिकता है। फिलहाल अमेरिका की कोशिश है कि सऊदी अरब के अलावा तुर्की को भी वार्ता में शामिल किया जाए। रूस करीब दो दशकों से अमेरिका से डिमांड करता रहा है कि वह वादा करे कि उसकी सेनाएं पड़ोस में नहीं रहेंगी।

भाषा विवाद के बीच नया पैंतरा

तमिलनाडु सरकार ने अब बजट से हटा दिया ₹ का सिंबल

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भाषा विवाद के बीच तमिलनाडु की सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने इस बार राज्य के बजट से '₹' का सिंबल हटा दिया है। बता दें कि देशभर में '₹'का सिंबल बजट का आधिकारिक प्रतीक है। लेकिन तमिलनाडु की सरकार ने इसे ही रिप्लेस कर दिया है। '₹'के सिंबल को जिस सिंबल से रिप्लेस किया गया है, वह तमिल लिपि का अक्षर 'रु' है। यहां खास बात यह है कि पहली बार किसी राज्य ने के सिंबल में बदलाव किया है। तमिलनाडु सरकार का ये फैसला ऐसे समय आया है, जब पहले से ही तमिलनाडु में हिंदी के विरोध को लेकर सियासी जंग छिड़ी हुई है। दरअसल, हाल ही में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने जबरन हिंदी थोपने का आरोप लगाया था।

तिरंगे पर आधारित है सिंबल

बता दें कि देश में रुपए () का जो सिंबल है, उसका डिजाइन उदय कुमार धर्मलिंगम ने बनाया था, जो कि पेशे से एक शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। उनका डिजाइन पांच शॉर्ट लिस्टेड सिंबल में से चुना गया था। धर्मलिंगम के मुताबिक उनका डिजाइन भारतीय तिरंगे पर आधारित है।

कॉन्स्टेबल का खुलासा

रान्या को एयरपोर्ट पर मदद करने का डीजीपी पिता ने दिया था निर्देश

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। एयरपोर्ट पर रान्या राव की मदद करने वाले कॉन्स्टेबल ने दावा किया है कि वो ऐसा डीजीपी रामचंद्र राव के कहने पर करते थे। रान्या कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। कॉन्स्टेबल बसवराज का दावा है कि डीजीपी रामचंद्र राव ने उन्हें एयरपोर्ट पर रान्या की मदद करने का निर्देश दिया था। रान्या के सौतेले पिता कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव ने उनसे कहा था कि वह रान्या को बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक छोड़कर आए। कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर तैनात कॉन्स्टेबल बसवराज ने खुलासा किया कि वह सीधे रामचंद्र राव के आदेश का पालन कर रहे थे। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर रान्य राव को लाने-ले जाने की बंदोबस्त करने की जिम्मेदारी उन पर थी।

बेंगलुरु सहित कई जगहों पर छापेमारी

रान्या राव सोना तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईडी ने गुरुवार को रान्या राव सोना तस्करी रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत बेंगलुरु और कुछ अन्य जगहों पर कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस मामले में कर्नाटक में डीआरआई ने अभिनेत्री को गिरफ्तार किया था।

इसरो की बड़ी उपलब्धि गगनयान मिशन के करीब पहुंचा भारत

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठनने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट मिशन के तहत दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अनडॉक कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। अनडॉकिंग प्रक्रिया के दौरान एक सटीक क्रम का पालन किया गया, जिसमें एसडीएक्स-01 और एसडीएक्स-02 उपग्रहों का अलगाव सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

ट्रंप का वादा भी नहीं आया काम

फिर अटकी विलियम्स की वापसी, नहीं लॉन्च हो सका क्रू-10

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी एक बार फिर से अटक गई है। अंतरिक्ष में 9 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी की बड़ी उम्मीद थी। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा सुनीता की वापसी सुनिश्चित करने के लिए क्रू-10 नाम का एक स्पेसशिप लॉन्च करने वाली थी। लेकिन तकनीकी दिक्कतों की वजह से क्रू-10 की लॉन्चिंग को टालनी पड़ी। नासा ने कहा कि क्रू-10 में हाइड्रोलिक सिस्टम में दिक्कत की वजह से इसकी लॉन्चिंग रोकनी पड़ी। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता की वापसी के लिए क्रू-10 महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उद्देश्य क्रू-9 की जगह लेना है। क्रू-9 से ही अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस गए हैं। नासा ने पहले कहा था कि क्रू-9 अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तभी वापस आ सकता है जब क्रू-10 अंतरिक्ष में लॉन्च हो जाए।

अब आगे क्या?

नासा के अनुसार अब क्रू-10 की अगली लॉन्चिग गुरुवार 17 मार्च को सकती है। हालांकि ये तारीख भी फिक्स नहीं है और मौसम समेत दूसरे फैक्टर पर ध्यान देना जरूरी होगा। क्रू-10, स्पेस एक्स के मानव अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली का 10वां क्रू रोटेशन मिशन है। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल 5 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गई थीं। उन्हें एक हफ्ते बाद वापस लौटना था, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में गड़बड़ी की वजह से वो वहां पर फंस गईं। दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग और नासा के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर स्पेस गए थे. इसके बाद उन्हें वापस लाने की कई कोशिशें हो रही हैं।

चिंतन

हिन्दी का विरोध करते-करते हद से आगे बढ़ गए स्टालिन

किसी भी चीज का विरोध अगर विरोध की सीमा तक ही रहे तो बेहतर होता है। अगर वो ईर्ष्या के स्तर तक चला जाए तो उसे कतई सही नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा ही हाल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन हिंदी विरोध का हो रहा है। वो हद से ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। वे अब न केवल हिंदी के खिलाफ स्थानीय बोलियों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि भाषा को छोड़कर देश विरोध तक उतर आए हैं। नई शिक्षा नीति और ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी का विरोध करते-करते स्टालिन 2025-26 के बजट में '₹' का सिंबल ' ' सिंबल से रिप्लेस कर दिया। यह तमिल लिपी का अक्षर 'रु' है। कहने की जरूरत नहीं है कि स्टालिन का यह कदम भड़काने वाला है। पहले से ही वो हिन्दी को लेकर तरह-तरह की गलतबयानी करते रहे हैं। उनका यह कहना कि भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली समेत अनेक भाषाएं अस्तित्व के लिए हांफ रही हैं। प्राचीन मातृभाषाएं खत्म हो रही हैं, जबकि स्टालिन का यह आरोप निरर्थक है, क्योंकि हिंदी क्षेत्र की इन बोलियों-भाषाओं के सम्मिलित रूप को ही हिंदी कहा जाता है। इनसे प्राप्त जीवनशक्ति से हिंदी फलती-फूलती है। ठेठ हिंदी का ठाठ उसकी बोलियों के सौंदर्य से निर्मित होता है। हिंदी समाज एक साथ अपनी जनपदीय भाषा जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही भी बोलता है और हिंदी भी। लिखने-पढ़ने का अधिकांश कार्य वह हिंदी में जरूर करता है, इसीलिए राजभाषा अधिनियम के अनुसार उन्हें 'क' श्रेणी में रखा गया और दस राज्यों में बंटने के बावजूद उन्हें 'हिंदी भाषी' कहा गया। भोजपुरी, राजस्थानी, अवधी, ब्रज आदि हिंदी के अभिन्न अंग हैं। इन सबके बिना हिन्दी पूर्ण नहीं है और हिन्दी के सहयोग से ही स्थानीय भाषा फल-फूल रही हैं। जब देश में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब स्टालिन जैसे नेता देश को ही बांटने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया के तमाम देश भारत जैसे बड़े बाजार की हिंदी को अपने भविष्य का रास्ता मान रहे हैं। अनेक देश हैं जहां हिन्दी सीखने का चलन बढ़ा है। उन्हें लग रहा है कि हिन्दी को बेहतर तरह से जानकार ही भारत जैसे विशाल बाजार में कामयाबी हासिल की जा सकती है, लेकिन हमारे अपने ही हैं कि हिन्दी के नाम का विरोध करते-करते देश बांटने तक आ पहुंचे हैं। हिन्दी और गैरहिन्दी के बीच खाई खोदकर उसे और चौड़ा करने के प्रयासों में लगे हैं। इसके पहले उन्होंने संस्कृत का भी बेतुका विरोध किया था। अब नई शिक्षा नीति पर यह दुष्प्रचार भी कर रहे हैं कि त्रिभाषा फार्मूला दरअसल हिंदी थोपने की कोशिश है। क्या ऐसे बयान देकर स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर नहीं दे रहे हैं। अगर बात केवल हिन्दी तक ही होती तो चलो विरोध मान लेते, लेकिन अब तो उन्होंने भारतीय मुद्रा का सिंबल ही बदल दिया है। यह तो किसी राज्य, किसी भाषा नहीं बल्कि देश की धरोहर है। अगर स्टालिन के विरोध के स्वर को ध्यान से सुना जाए तो साफ हो जाता है कि वो केवल हिन्दी का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि अपने वोट बैंक के लिए राष्ट्रभाषा के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। स्टालिन को लगता है कि वो हिन्दी का विरोध करके ईवी रामास्वामी नायक यानी पेरियार, सीएन अन्नादुरई और करुणानिधि जैसा नाम बन जाएंगे, क्योंकि ये सभी हिन्दी के विरोध से ही पनपे थे, लेकिन स्टालिन भूल रहे हैं कि देश बहुत आगे बढ़ चुका है। महज भाषा का विरोध करके सत्ता नहीं चलाई जा सकती। जनता को विकास चाहिए और इसके लिए वो किसी का भी तख्ता पलट सकती है।

सारा संसार

भारत के प्रसिद्ध गणेश मंदिर में से एक गणपतिपुले मंदिर महाराष्ट्र राज्य में रत्नागिरी की एक चोटी पर स्थित है। यहां गणेशजी की मूर्ति पूर्व की बजाय पश्चिम की ओर है जिस कारण फरवरी और नवंबर के महीनों में सूरज की रोशनी सीधे गणेश जी की मूर्ति पर पड़ती है। स्थानीय लोगों का यह भी मानना है कि भगवान गणेश की मूर्ति को किसी ने नहीं रखा है, बल्कि स्वयं प्रकट हुई थी।

पर्व

सुरेश हिन्दुस्थानी

होली के संदेश को समझें

भारत भूमि के संस्कार ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्योहार पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्योहारों को भूलते जा रहे हैं। त्योहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है। त्योहार हम सभी को जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देते हैं। होली के त्योहार को पूरा देश मनाता है। इसका सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। रंगों का पर्व होली सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। होली पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता दिखाई देता है। वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्योहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्योहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाईचारे वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा। हम व्यक्ति केंद्रित होकर त्योहार मनाते हैं, जबकि भारतीय त्योहार का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित न होकर समाज केंद्रित है। होली के त्योहार को इसी रूप में मनाएंगे तब ही हमें वही होली दिखेगी, जो वास्तविक है। वर्तमान में होली पर कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से होली पर लड़ाई झगड़े होते दिखाई देते हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्योहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकार को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरणयकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई विकार समाहित हो गए थे। भक्त प्रहलाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहं को समाप्त नहीं किया। विकार को समाप्त करने का पर्व होली है। अगर होली पर हमने अपने अहं को नहीं छोड़ा तो फिर होली के मायने ही क्या है?

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

अवधेश कुमार

संभल में होली व जुम्मा विवाद क्यों?

> संभल में होली और जुम्मे की नमाज देशव्यापी बहस और विवाद का विषय यूं ही नहीं बना हुआ है। निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिंदू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। अनुज चौधरी का बयान इसी के संदर्भ में था। सच है कि उनके बयान की दो पंक्ति को निकाल कर हंगामा पैदा कर दिया गया और यही बताता है कि कुछ लोग किस तरह देश में सांप्रदायिक तनाव, हिंसा पैदा करना चाहते हैं। संभल के हिंदुओं से पूछिए कि क्या वे पिछले 50 वर्षों में होली जैसे त्योहार को भी खुलकर मना पाए हैं? अगर नहीं तो यह दूसरे समुदाय के लिए शर्म और सोचनीय विषय होना चाहिए।

संभल में होली और जुम्मे की नमाज देशव्यापी बहस और विवाद का विषय यूं ही नहीं बना हुआ है। हालांकि संभल के सीईओ अनुज चौधरी के वक्तव्य को आधार बनाकर कई पार्टियां, नेता और मीडिया का एक वर्ग आलोचना कर रहा है। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने तो यहां तक कह दिया कि ऐसे लोग जब सरकार बदलेगी तो जेल में होंगे। मुस्लिम संगठनों सहित अनेक मुस्लिम नेताओं ने तो उनके खिलाफ ऐसा अभियान चला दिया है मानो वे संभल में शांति नहीं बल्कि अशांति का कारण बन चुके हों। क्या वाकई अनुज चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, जिससे उनके विरुद्ध इस तरह का माहौल होना चाहिए? सामान्य तौर पर देखें तो होली और जुम्मे की नमाज एक ही दिन हो रही है तो निश्चित रूप से प्रशासन का दायित्व दोनों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने की है। कोई एकपक्षीय बयान देकर किसी समुदाय को नाराज करे तो उसके विरुद्ध आवाज उठनी चाहिए, किंतु क्या वाकई संभल का मामला ऐसा ही है? इससे जुड़े दोनों पक्षों को समझे बगैर हम कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दे सकते।

निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिंदू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। दोनों की अपनी संस्कृतियां हैं तथा अलग-अलग उत्सव हैं। यह दोनों समुदायों की जिम्मेदारी है कि वे एक दूसरे की भावनाओं, संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए तथा अपने उत्सवों के महत्व के अनुसार ऐसा आचरण करें। इसी तरह पुलिस प्रशासन का दायित्व हर हाल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के पूर्वोपाय करना है। अगर कहीं समस्या पैदा हुई तो पुलिस प्रशासन के लिए उत्तर देना कठिन होता है। अनुज चौधरी का बयान इसी के संदर्भ में था। सच है कि उनके बयान की दो पंक्ति को निकाल कर हंगामा पैदा कर दिया गया और यही बताता है कि कुछ लोग किस तरह देश में सांप्रदायिक तनाव, हिंसा पैदा करना चाहते हैं। यह वर्ग प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार एवं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए झूठ का नैरेटिव चला रहा है। अनुज चौधरी के बयान को देखें तो उसमें यह पंक्ति है कि जुम्मे की नमाज वर्ष में 52 बार आती है, जबकि होली एक बार। इसी में वे यह भी कह रहे हैं कि जिन्हें होली से समस्या हो वे उस दिन बाहर न निकलें। अपने पूरे वक्तव्य में वे कह रहे हैं कि हिंदू समाज मुसलमानों की भावनाओं का ध्यान रखें और मुस्लिम समाज हिंदुओं की भावनाओं का। इसमें गड़बड़ी करने वालों को चेतावनी भी दे रहे हैं। वह कह रहे हैं कि जिस तरह ईद के दिन लोग सेवैयां खाते हैं, एक दूसरे से गले मिलते हैं ठीक उसी तरह होली का त्योहार भी है और इसको मुस्लिम भी उसी रूप में लें, थोड़ा बड़ा हृदय दिखाएं। उसी में वे कहते हैं कि जिन्हें बिल्कुल इससे समस्या हो वह बाहर न निकलें। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है, जिसके आधार पर उनको जेल में डालने से लेकर और न जाने क्या-क्या कहा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीवी कार्यक्रम में यह कहते हुए उनका समर्थन किया है कि वह पहलवान है और पहलवान की तरह स्पष्ट बोलता है। उन्होंने भी लगभग

वही बातें बोलीं जो अनुज चौधरी ने कहा। इस तरह अनुज चौधरी का वक्तव्य योगी सरकार के विचारों की ही अभिव्यक्ति है। यह सच है कि इसके पहले भी होली और जुम्मे का नमाज एक दिन हुआ है, किंतु यह कहने वाले भूल रहे हैं कि जिन शहरों या क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी है वहां कई बार यह शांतिपूर्ण संपन्न हुआ तो कई बार अशांति पैदा हुई, हिंसा हुई, दंगे भी हुए। आप दंगों के इतिहास का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि इनमें से बड़ी संख्या में हिंदू उत्सवों या महत्वपूर्ण दिवसों के दिन या उनसे जुड़े हुए रहे। क्या हम पिछले वर्ष 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा भूल गए? आखिर न्यायालय के आदेश से सर्वेक्षण टीम वहां आई थी, कहीं हिंदुओं की भीड़ नहीं थी, कोई नारा नहीं था, अचानक हजारों लोग ईंट पत्थर लेकर कहां से निकल पड़े? जितनी भयानक पत्थरबाजी हुई, आगजनी गई और गोली तक चली उसका कोई एक कारण था तो यही कि संभल कट्टर मजहबी सांप्रदायिक उपद्रवी तत्वों का केंद्र बन चुका है। सीधे पुलिस से हिंसक मोर्चाबंदी लेने का दुस्साहस सामान्य लोग नहीं कर सकते। लोगों के मस्तिष्क को उस सीमा तक असामान्य बनाया जा चुका है या बन चुका है तो फिर उस स्थान के लिए पुलिस प्रशासन को भी सामान्य से अलग व्यवहार करना पड़ेगा। संभल में दंगों का भयानक इतिहास है। 1978 के दंगों के बाद बड़ी संख्या में हिंदुओं के पलायन हुए और यह 1995 तक जारी रहा। क्यों? करोड़ों की संपत्ति रखने वालों को भी वहां से भागने को भी विवश होना पड़ा। वहां से निकले परिवार जिन शहरों में हैं उनकी कथा सुनकर किसी का भी कलेजा मुंह को आ जाता है। 24 नवंबर, 2024 को हिंसा के बाद धीरे-धीरे पूरे संभल शहर में कब्जाए, जमीन में दबाई या विरक्त महत्वपूर्ण पूजास्थल, कूप, बावड़ी निकल रहे हैं। संभल धार्मिक पुस्तकों में एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल के रूप में विख्यात रहा है तथा कलयुग में भगवान कल्कि अवतार की भी भविष्यवाणी वही है। पिछले मोटा-मोटी 800 वर्षों से वह क्षेत्र इसी कारण इस्लामी हमले का शिकार रहा है। जामा मस्जिद विष्णु पुराण, भविष्य पुराण से लेकर अकबरनामा, बाबरनामा एवं अंग्रेजों के काल में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार हरि मंदिर को ध्वस्त कर बनाया गया है। कल्पना कीजिए, उत्तर प्रदेश का एक छोटा शहर अगर हिंदू धर्म स्थलों को निगल जानेकी भूमिका निभा रहा हो तो वहां की सांप्रदायिक स्थिति क्या रही होगी?

भारत का दुर्भाग्य है कि यहां सेकुलरिज्म की गलत व्याख्या सोच और वोट बैंक की मानसिकता में इन्हें दुरुस्त करने के लिए खड़े होने वाले को खलनायक बनाया जा रहा है। जामा मस्जिद के पास एवं अन्य जगह पुलिस थाने या पोस्ट बनाने तक का विरोध करने वाले कौन लोग थे? कल्पना कीजिए, अगर प्रदेश और केंद्र में भाजपा सरकार नहीं होती तो जितनी बड़ी संख्या में कब्जे किए गए या विरक्त मंदिर, मिट्टी में दबाए गए कूप और बावरी मिले हैं वह संभव होता? आश्चर्य इस पर होना चाहिए कि कब्जा किए गए, कराए गए उन पवित्र स्थलों या निर्माण को न्याय पूर्ण तरीके से खाली करने की कार्रवाई देश में नेताओं, बुद्धिजीवियों व मीडिया के एक बड़े वर्ग की आलोचना का शिकार हो रहा है। यह इकोसिस्टम इतना बड़ा है कि इसका सामना करना कठिन होता है तथा यही वर्ग देश में नैरेटिव भी बनाता है। ऐसा नहीं होता तो अनुज चौधरी के वक्तव्य की सभी पक्षों द्वारा प्रशंसा होती तथा उसके अनुरूप व्यवहार की अपील की जाती। वहां के हिंदुओं से पूछिए कि क्या वे पिछले 50 वर्षों में होली जैसे त्योहार को भी खुलकर मना पाए हैं? अगर नहीं तो यह दूसरे समुदाय के लिए शर्म और सोचनीय विषय होना चाहिए या नहीं? संभल पुलिस प्रशासन न्याय और कानून की दृष्टि से अपनी शक्तियों का सदुपयोग कर रहा है। यही कारण है कि बाहर दुष्प्रचार व विरोध करते हुए भी इनमें से कोई न्यायालय तक जाने का साहस नहीं करता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

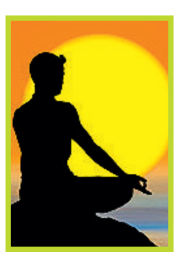

संकलित
दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है।

हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो

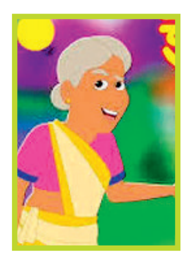

संकलित
प्रेरणा

एक वृद्ध महिला एक सब्जी की दुकान पर जाती है, उसके पास सब्जी खरीदने के पैसे नहीं होते है। वो दुकानदार से प्रार्थना करती है कि उसे सब्जी उधार दे दे पर दुकानदार मना कर देता है। उसके बार-बार आग्रह करने पर दुकानदार खीज कर कहता है, तुम्हारे पास कुछ ऐसा है, जिसकी कोई कीमत हो, तो उसे इस तराजू पर रख दो, मैं उसके वजन के बराबर सब्जी तुम्हे दे दूंगा। वृद्ध महिला कुछ देर सोच में पड़ जाती है। क्योंकि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था। कुछ देर सोचने के बाद वह, एक मुड़ा-तुड़ा कागज का टुकड़ा निकालती है और उस पर कुछ लिख कर तराजू पर रख देती है। दुकानदार ये देख कर हंसने लगता है। फिर भी वह थोड़ी सब्जी उठाकर तराजू पर रखता है।आश्चर्य..!!! कागज वाला पलड़ा नीचे रहता है और सब्जी वाला ऊपर उठ जाता है। इस तरह वो और सब्जी रखता जाता है पर कागज वाला पलड़ा नीचे नहीं होता। तंग आकर दुकानदार उस कागज को उठा कर पढता है और हैरान रह जाता है। कागज पर लिखा था, हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो, अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। दुकानदार को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा था। वो उतनी सब्जी वृद्ध महिला को दे देता है। पास खड़ा एक अन्य ग्राहक दुकानदार को समझाता है, कि दोस्त, आश्चर्य मत करो। केवल श्री कृष्ण ही जानते हैं की प्रार्थना का क्या मोल होता है। वास्तव में प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। चाहे वो एक घंटे की हो या एक मिनट की। यदि सच्चे मन से की जाये, तो ईश्वर अवश्य सहायता करते हैं।

होली उत्सव

शिमला में गुरुवार को कॉलेज के छात्र होली मनाते हुए।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। *- मनोज वर्मा, दुर्ग*

करंट अफेयर

नासा के अध्ययन के लिए नई अंतरिक्ष दूरबीन प्रक्षेपित

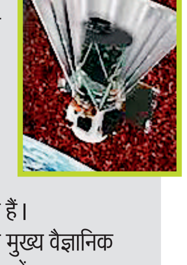

नासा की नवीनतम अंतरिक्ष दूरबीन को प्रक्षेपित किया गया जो पूरे आकाश का अध्ययन करेगी। यह शुरुआत से लेकर अब तक करोड़ों आकाशगंगाओं और उनकी साझा ब्रह्मांडीय चमक (कॉस्मिक ग्लो) का व्यापक अध्ययन करेगी। स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फीरेक्स वेधशाला को प्रक्षेपित किया। सूर्य का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भी साथ में भेजे गए। कुल 48 .8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्फीरेक्स मिशन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अरबों वर्षों में आकाशगंगाएं कैसे बनीं और विकसित हुईं तथा कैसे ब्रह्मांड का इतनी तेजी से विस्तार हुआ। स्फीरेक्स उन तारों के बीच बर्फीले बादलों में पानी और जीवन के अन्य तत्वों की खोज करेगा जहां नए सौर मंडल उभर रहे हैं। 'कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा कि ब्रह्मांडीय चमक ब्रह्मांड के इतिहास में अब तक जितना भी प्रकाश उत्सर्जित हुआ है, उसे अपने अंदर समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है, जिससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि अतीत में प्रकाश के कौन से स्रोत छूट गए थे।

ऑफ बीट

कसरत की थकान से उबरने में आइस बाथ है लोकप्रिय

पिछले कुछ साल में 'आइस बाथ'' का चलन तेजी से बढ़ा है। दुनिया भर में खुद को स्वस्थ रखने वाले और व्यायाम करने वाले लोग इसे अपना रहे हैं, हालांकि पहले केवल एथलीट ही इसका उपयोग करते थे। 'आइस बाथ'' का मतलब बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों से भरे पानी में नहाना है। कसरत की थकान से उबरने के लिए 'आइस बाथ' आइस बाथ' लेने का मुख्य कारण मांसपेशियों में दर्द को कम करना और व्यायाम के बाद थकान से उबरना है। धावक, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी सहित एथलीट आमतौर पर 'आइस बाथ' का उपयोग करते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 'आइस बाथ' लेने से कसरत के बाद होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है। शोध से पता चला है कि गहन व्यायाम के तुरंत बाद 'आइस बाथ' लेने से अगले कुछ घंटे और दिनों में मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है। 'आइस बाथ' से मांसपेशियों की ताकत, मजबूती और लचीलेपन जैसी चीजों में मदद मिल सकती है। 'आइस बाथ' से व्यायाम के बाद होने वाली सूजन, मांसपेशियों की सूजन और मांसपेशियों की क्षति जैसी चीजों में सुधार हो सकता है। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें लगातार कई दिन तक तीव्र व्यायाम करना पड़ता है तो आपके लिए 'आइस बाथ' एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

ट्रेंड

यूएन को अपडेट कर रहे

अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही हमने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली की मजबूती के लिए महत्वाकांक्षी सुधार एजेंडा शुरू किया। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए। हम 21वीं सदी के लिए संयुक्त राष्ट्र को अपडेट कर रहे हैं।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बच्चों का भविष्य ख़तरे में

85 लाख बच्चों का भविष्य ख़तरे में-पेपर लीक युवाओं के लिए 'पद्मव्यूह' बन गया है। पेपर लीक मेहनती छात्रों से उनके परिश्रम का फल छीन लेता है। यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो अस्वीकार्य है।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सरकार पटरी से उतर चुकी

आम इंसान की ज़िंदगी में मरना ही लिखा है। कभी ट्रेन के डिब्बे में, कभी ट्रेन की पटरी पर, कभी प्लेटफार्म के भगदड़ में तो कभी कुंभ के भगदड़ में, ट्रेन भी पटरी से उतर चुकी है और मोदी की सरकार भी।

-संजय सिंह, आप नेता

सीखने के लिए काम करें

अमीर बनने के लिए सरल सुझाव- ऐसी संपत्ति अर्जित करें जो आय उत्पन्न करें। अपनी आय से कम खर्च करें। केवल आय पर नहीं, धन निर्माण पर ध्यान दें। वित्तीय बुद्धि बढ़ाएं। केवल पैसे के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए काम करें।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

होली मनाने के अजीबोगरीब तरीके, कहीं पत्थर से, तो कहीं आग से खेली जाती है होली

नई दिल्ली। होली का त्योहार पूरे देश में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। रंगों का त्योहार मान्यताओं और परंपराओं का खूबसूरत समागम है। पूरे देश में इस त्योहार को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कहीं पर फूलों से होली खेली जाती है, तो कहीं पर लोगों पर लट्ठ बरसाई जाती है। क्या आप जानते हैं कि आग के जलते अंगारों से भी होली खेली जाती है? इस पर यकीन करने मुश्किल हो सकता है, लेकिन देश में कई ऐसी जगहें हैं जहां पर ऐसे ही अदीबोगरीब अंदाज में होली खेली जाती है।

होली पर खोजते हैं जीवनसाथी

मध्यप्रदेश के भील आदिवासियों में होली के दिन जीवनसाथी ढूंढने की पंरपरा है। हालांकि, यह प्रथा काफी मजेदार भी है। इस दिन यहां एक बाजार लगता है। इस बाजार में लड़के-लड़कियां अपने लिए जीवन साथी खोजने के लिए आते हैं। इसके बाद यह आदिवासी लड़के एक खास तरह का वाद्ययंत्र बजाते हुए डांस करते-करते अपनी मनपसंद लड़की को गुलाल लगा देते हैं। अगर लड़की को भी लड़का पसंद आता है, तो लड़के को गुलाल देती है। दोनों की रजामंदी के बाद लड़का-लड़की को भगाकर ले जाता है और शादी करता है।

होलिका दहन की राख पर चलते हैं लोग

राजस्थान के बांसवाड़ा में जनजातियां होलिका दहन की राख पर भी चलने की परंपरा है। यहां पर राख के अंदर दबी आग पर चलते हैं। इसके साथ ही एक-दूसरे पर पत्थरबाजी करने की परंपरा है। इस प्रथा के पीछे एक मान्यता है कि ऐसी होली को खेलने से जो खून निकलता है उससे व्यक्ति का आने वाला समय बेहतर बनता है।

यहां पर नहीं मनाते हैं होली

हरियाणा के कैथल जिले के दूसरपुर गांव में लोग होली नहीं मनाते हैं। कहा जाता है कि इस गांव को एक बाबा ने श्राप दिया था। दरअसल, गांव के एक व्यक्ति से संत नाराज होने के बाद होलिका की आग में कूदकर जान दे दी। जलते बाबा ने गांव को श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि अब यहां कभी होली मनाई जाती है तो अपशगुन होगा। इस डर से सालों बीत जाने के बाद कभी होली नहीं मनाई गई।

रोचक खबरें

खाना मिलते ही बंदर ने लड़की से हाथ मिलाकर कहा थैंक्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बंदर का वीडियो खूब तहलका मचा रहा है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे खाना मिलने के बाद बंदर एक लड़की को हाथ मिलाकर उसका शुक्रिया अदा करता है। बंदर की यह क्यूट-सी अदा लोगों के दिल को छू गई है। यह वीडियो इंटरनेट पर धड़ल्ले से शेयर किया जा रहा है, और अब तक इसे लाखों लोग देख चुके हैं। नेटिजन्स बंदर की समझदारी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक बंदर सड़क किनारे फुटपाथ पर बैठा हुआ है। इसी दौरान एक लड़की आकर उसे खाना देती है। लेकिन, इसके बाद बंदर जिस तरह से रिएक्ट करता है, वो देखने लायक है। नेटिजन्स को यह वीडियो इस कदर पसंद आ रहा है कि वे इसे बार-बार देख रहे हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि बंदर खाना मिलने के बाद उठकर लड़की का हाथ पकड़ता है, और उसे धन्यवाद देता है। जानवर ने अपने इस व्यवहार से इंटरनेट की पब्लिक को भौचक्का कर दिया है। यही वजह है कि यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

अब भारत का स्पेस स्टेशन दूर नहीं.. इसरो का बड़ा कमाल, स्पैडेक्स की सफल अनडॉकिंग

नई दिल्ली। देश में होली की धूम मची है। इसी बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने देश को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दे दी है। हुआ यह है कि इसरो ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट स्पैडेक्स के तहत दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अनडॉक कर दिया है। यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक बड़ा पड़ाव है। इससे भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रयान 4 जैसे मिशनों का मार्ग प्रशस्त होगा। 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किए गए इस मिशन का उद्देश्य स्पेस डॉकिंग तकनीक का परीक्षण करना था और अब इसकी अनडॉकिंग भी सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है।

मिशन की सफलता के क्या फायदे होंगे?

पहले तो इसरो की इस सफलता से भारत चौथा ऐसा देश बन गया है जिसने स्पेस डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। अब तक यह तकनीक केवल अमेरिका रूस और चीन के पास थी। यह तकनीक भारत को भविष्य में अंतरिक्ष में मॉड्यूल जोड़ने बड़े अंतरिक्ष यानों के निर्माण और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बीएएस (**BAS**) की स्थापना में मदद करेगी। भारत की योजना 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है जिसके तहत 2028 में पहला मॉड्यूल लॉन्च किया जाएगा।

भविष्य के मिशनों के लिए कैसे फायदेमंद होगा स्पैडेक्स?

स्पैडेक्स मिशन की सफलता से गगनयान और चंद्रयान 4 जैसे मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। इसरो अब ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जिससे कक्षा में छोड़े गए सैटेलाइट्स को वापस लाया जा सके। जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से ईंधन देकर सक्रिय किया जा सके। इस तकनीक से भविष्य में डीप स्पेस मिशन चंद्रमा और मंगल पर बेस बनाने और अंतरिक्ष में वैज्ञानिक प्रयोगों में काफी मदद मिलेगी।

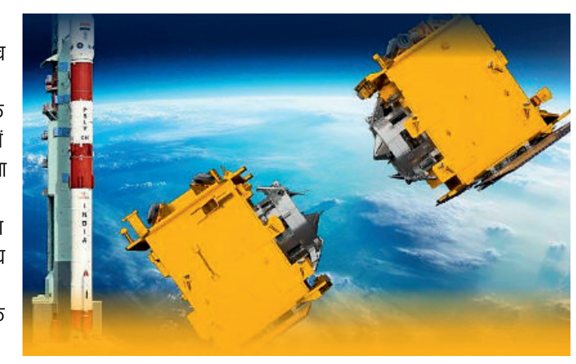

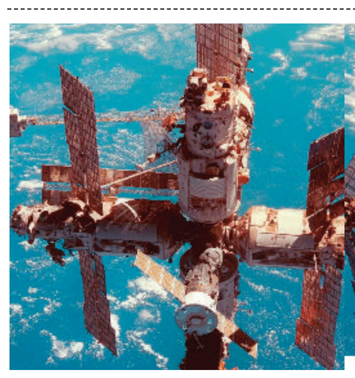

इसरो को मिली बधाइयां.. मंत्री बोले विजन का असर

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। स्पैडेक्स मिशन की सफलता से भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र में कद और ऊंचा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार स्वदेशी तकनीक को मजबूत कर रहा है और 2040 तक भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने और वहां एक स्थायी उपस्थिति बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

कैसे हुआ यह अनडॉकिंग मिशन सफल?

असल में इस मिशन में चेसर और टारगेट नाम के दो सैटेलाइट शामिल थे। पहले चरण में चेसर सैटेलाइट ने टारगेट को सफलतापूर्वक डॉक किया था। अब अनडॉकिंग के दौरान इसरो ने एक जटिल प्रक्रिया को अंजाम दिया जिसमें कैप्चर लीवर को रिलीज किया गया। डी कैप्चर कमांड भी जारी हुआ। फिर आखिरकार दोनों उपग्रहों को अलग कर दिया गया। इस तकनीक का विकास भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जिससे भविष्य में अंतरिक्ष में उपग्रहों की मरम्मत ईंधन भरने और मलबे को हटाने जैसी जटिल प्रक्रियाओं में मदद मिलेगी।

गर्लफ्रेंड बनने के पैसे लेती है लड़की 2 महीने में मिले 3 लाख के गिफ्ट

केनबरा। इंसान को जिंदगी में अगर कोई सच्चा, प्यार करने वाला और साथ देने वाला पार्टनर मिल जाए तो उसकी लाइफ काफी आसान हो जाती है। पर आज के समय में लड़के-लड़कियां भी काफी चूज़ी हो गए हैं, वो जल्द ही किसी को बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड बनाना नहीं पसंद करते। हालांकि, एक लड़की ने लोगों की इस समस्या को आसान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया की ये लड़की किराये की गर्लफ्रेंड बनती है। बदले में लड़के इसे गिफ्ट्स देते हैं। सिर्फ 2 महीनों में इसे 3 लाख रुपए के गिफ्ट मिल चुके हैं। ये लड़की बदले में शर्तों पर प्यार देती है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रूबी जेड खुद को प्रोफेशनल गर्लफ्रेंड बताती हैं। ब्रिस्बेन की रहने वाली रूबी किराये की गर्लफ्रेंड हैं, मतलब वो गर्लफ्रेंड बनने के रुपए लेती हैं।

राशिफल

मेष – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह – कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या – परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु – कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ – तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

2588 साल बाद बन रहा होली पर ऐसा योग, बीमारियां हो जाएंगी 'स्वाहा'

नई दिल्ली। होली के मौके पर आपने एक कहावत तो सुनी ही होगी -'बुरा न मानो होली है'। होली के त्योहार पर आप किसी के कुछ भी मजाक कर देते हैं, तो उसका मूड जल्दी खराब नहीं होता। यही वजह है कि होली पर लोग खुलकर हंसी-मजाक करते हैं। वैसे होली को लेकर सोशल मीडिया पर भी मीम्स खूब बनते हैं, जो लोगों को खूब पसंद आते हैं।

दिलचस्प पोस्ट वायरल

सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक दिलचस्प पोस्ट वायरल हो रही है। इस पोस्ट में बताया गया है कि 2588 सालों के बाद होली पर ऐसा योग बन रहा है, जो आपकी बीमारियों को नाश कर देगा। इस पूरी खबर को पढ़िए, तब आपको पता चलेगा कि करना क्या है!

इलाज सुनकर सदमे में आए लोग

आगे बताया गया है कि आपको करना ये है कि जब शाम को होलिका दहन हो रहा हो, तो आपको अपने सिर के ऊपर से अपने मोबाइल को सात बार घुमाना है और इसे होलिका में दहन कर देगा। इस मजेदार पोस्ट में ये भी कहा गया है कि इससे गुस्सा आना, जी मचलाना जैसी परेशानी आएगी, जो दो दिन में ठीक हो जाएगी। इस मजाकिया पोस्ट को 7 दिन में 2 लाख से ज्यादा लोगों ने पसंद किया है और कमेंट भी भरपूर आए हैं। ज्यादातर यूज़र्स ने लिखा कि वो पोस्ट को ध्यान से पढ़ रहे थे कि कोई सच में टोटका है। एक यूज़र ने लिखा- मुझे तो लगा मेरी सारी समस्याओं का हल ही मिल गया।

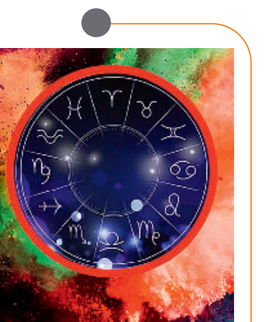

तो ये रामबाण इलाज ...

इस पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक यूज़र अकाउंट से शेयर किया गया है। देखने में ये अखबार की किसी कटिंग जैसा है, जिस पर शीर्षक में बताया गया है कि इस बार होली बेहद खास है, क्योंकि 2588 साल बाद वो योग बन रहा है, जो कई बीमारियों को दूर कर देगा। अंदर बीमारियों के लक्षण बताए गए हैं कि अगर आपका मन खाने में नहीं लगता, बार-बार नींद खुलती है, आंखों में दर्द रहता है और आलस आता है, तो ये रामबाण इलाज का काम करेगा।

अगर इस जाति की लड़की पर डाला रंग तो...बैठेगी पंच करनी पड़ेगी शादी

रांची। होली के दौरान छेड़छाड़ के कई मामले हम सबने सुने और देखें हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए संथाल आदिवासी समाज ने एक ऐसी प्रथा की शुरूआत की है। झारखंड के साहित्यकार मनोज करपरदार ने बताया कि यह प्रथा हजारों साल से चल रही है। होली पर महिलाओं और पुरुषों के बीच मर्यादा बनी रहे, इसलिए इस रिवाज को शुरू किया गया। होली के नाम पर लड़कियों के साथ बदतमीजी हुआ करती थी। लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की जाती थी। इसी को देखते हुए नया नियम बनाया गया। ऐसा संथाल आदिवासियों में होता है। अगर इस जाति की लड़कियों पर गलती से भी रंग डाला तो सबसे पहले पंचायत बैठाई जाएगी। कई बार लड़कों को सबसे सामने माफी मांगनी पड़ती है, तो कई बार शादी भी। इस बात का फैसला गांव के बुजुर्ग लेते हैं। लड़की से पूछा जाता है कि क्या वो शादी के लिए तैयार है।

नहीं होगी कोई सुनवाई

शब्द पहेली - 5806

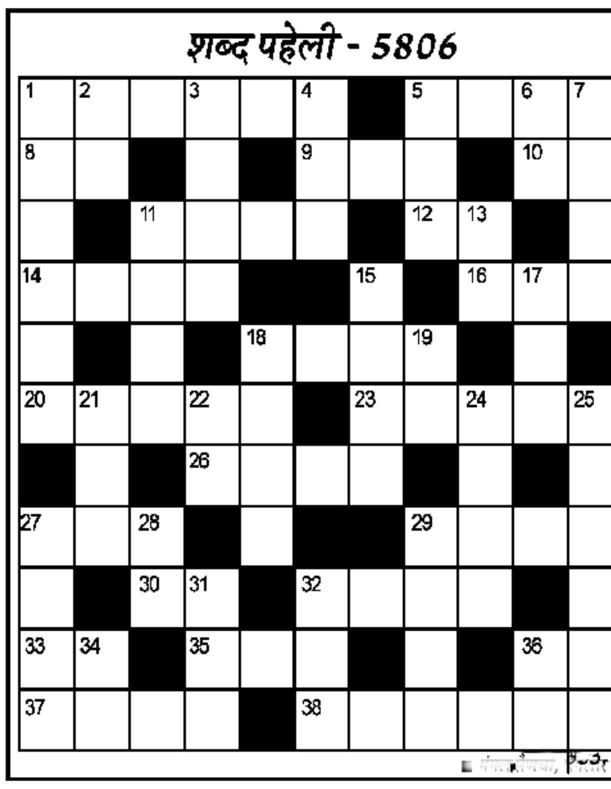

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 5805 का हल

सूडोकु नवताल - 5816

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5815 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

13- MAR- COR- MAIN- Pg- 8 CLASSI-SEHS-R-D_Layout 1 3/13/2025 7:29 PM Page 1

ओंकार बंद व खल्लारी के पास हुआ बड़ा हादसा

कार और ट्रक के बीच भिड़ंत, आरआई सहित परिवार के 6 सदस्यों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर गुरुवार दोपहर भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें कार और ट्रक की जबरदस्त टक्कर में राजस्व विभाग में पदस्थ आरआई ताहर सिंह ठाकुर सहित उनके पूरे परिवार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दोपहर 3:48 बजे ओंकारबंद के पास हुआ, जब तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार महासमुंद से बागबाहरा की ओर जा रही कार क्रमांक सीजी 04 क्यू 4757 मारुती कार एवं विपरीत दिशा से आ रही 16 चक्कर ट्रक क्रमांक एआर 56 बी 7341के बीच जोरदार टक्कर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर चीख-पुकार मच गई। गुरुवार की दोपहर ओमकार बंद व खल्लारी के बीच तनिश पोल्ट्री फार्म के पास यह हादसा हुआ है। दुर्घटना इतनी भयानक था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शवों को निकालने के लिए स्थानीय प्रशासन को काफी मशक्कत करना पड़ा। खल्लारी थाना प्रभारी शैलेन्द्र नाग ने बताया कि इस हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है।

इनकी हुई मौत

घटना में कार में सवार शांति नगर बागबाहरा के रहने वाले विनदेश्वरी ठाकुर (50), तृप्ति ठाकुर (25), वैभवी ठाकुर (20), सरोजनी ठाकुर की घटना स्थल पर मृत्यु हो गई। लाशों को शव वाहन से शवगृह बागबाहरा पुलिस स्टाफ के रवाना किया गया। वहीं दो अन्य घायलों को, जिसमें ताहर सिंह ठाकुर (आरआई), कार चालक को घायल पुरुष को इलाज के लिए सीएचसी बागबाहरा हॉस्पिटल रवाना किया गया था, उपचार के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई। वहीं ट्रक चालक अजय भोई, जो घायल अवस्था में महासमुंद जिला हॉस्पिटल रवाना किया गया है।

पतंजलि रिसर्च अनुसंधान

औषधीय पौधों की खेती में कृषि-उद्यमिता विकास हेतु क्षेत्रीय प्रशिक्षण

हरिद्वार। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड योजना द्वारा प्रायोजित विषय 'औषधीय पौधों की खेती में कृषि उद्यमिता के विकास के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण' का दो दिवसीय आयोजन पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग से पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में औषधीय पादपों का संरक्षण, उनकी प्राकृतिक प्रजातियों का वृक्षारोपण और संरक्षण पर जोर दिया गया, साथ ही हर्बल उद्यानों के विकास के माध्यम से संरक्षण को बढ़ावा दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वामी रामदेव जी एवं पूज्य बालकृष्ण जी ने अतिथियों का स्वागत शाल और माला पहनाकर किया। चार सत्रों में विभाजित इस सम्मेलन में राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर के किसानों तथा कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने उत्तराखण्ड की प्राचीन संजीवनी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने में सफलता प्राप्त की।

वन विभाग का 'वनतारा' प्रेम, बायसन गिफ्ट किया, बदले में मिली सिर्फ डिजीटल एक्सरे मशीन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

गुजरात में अनंत अंबानी के वनतारा का अधिकृत तौर पर उद्घाटन हुए अभी कुछ ही दिन हुए हैं और इधर छत्तीसगढ़ वन विभाग का उसके प्रति प्रेम चरम पर पहुंच गया है। यही वजह है कि वनतारा को वन्यजीवों से गुलजार करने छत्तीसगढ़ वन विभाग के अफसर दिल खोलकर वन्यजीव देने के लिए तैयार बैठे हैं। वनतारा को विभाग जेब्रा, मीरकैट के बदले जंगल सफारी रेयर प्रजाति के वन्यजीव सफेद भालू देने को राजी हो गया। इसके पूर्व कानन पेंडारी जू से एक वर्ष पूर्व वनतारा को तीन बायसन गिफ्ट के रूप में दिए जा चुके हैं। इसके बदले विभाग को एक्सरे मशीन ही मिल सकी है।

दरअसल वनतारा प्रबंधन ने सीजेडए से अनुमति लेकर कानन पेंडारी जू से तीन बायसन देने अनुमति प्राप्त की। कानन पेंडारी प्रबंधन सीजेडए की अनुमति देख बगैर किसी विरोध के वनतारा प्रबंधन को तीन बायसन देने के लिए राजी हो गया। बायसन देने के तीन माह बाद वनतारा प्रबंधन ने कानन पेंडारी को बायसन के बदले एडवांस टेक्नालॉजी के पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन दी। उक्त एक्सरे मशीन को कानन पेंडारी प्रबंधन वनतारा से गिफ्ट मिलना बता रहे हैं। इसे लेकर वन्यजीव प्रेमी प्रश्नचिन्ह खड़े कर रहे हैं। जिस बायसन को वनतारा जू को गिफ्ट किया गया है, उक्त बायसन को कानन पेंडारी प्रबंधन वर्ष 2017 में हैदराबाद जू से लेकर आया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विष्णु कैबिनेट में...

पुरंदर मिश्रा और दुर्ग से विधायक गजेंद्र यादव को शामिल किए जाने पर पार्टी ने मुहर लगाई है। बताया जाता है कि वरिष्ठ विधायक अमर अग्रवाल अपने दोनों कार्यकाल के दौरान मंत्री रहे। पिछली बार वे चुनाव हार गए थे। वहीं गजेंद्र यादव को आरएसएस कोटे से मंत्री बनाया जा रहा है।

अजय, कौशिक और...

चर्चा थी। इन नेताओं ने मंत्री बनने के लिए कई बार दिल्ली जाकर भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिलकर अपनी बात भी रखी थी।

छत्तीसगढ़ में मुख्य...

पाया। राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त का पद लंबे समय से खाली थी। इस पद पर नियुक्ति की मांग भी काफी समय से हो रही थी। राज्य शासन ने पिछले दिनों इस पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस पद के अलावा सूचना आयुक्त के एक खाली पद पर भी नियुक्ति की जानी है। **जैन सबसे बड़े दावेदार थे-** छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए राज्य के मौजूदा मुख्य सचिव (सीएस) अमिताभ जैन प्रबल दावेदार के रूप में सामने आए थे। खास बात ये है कि इस पद के लिए जब वे इंटरव्यू देने पंहुचे तो उनके सामने इंटरव्यू लेने के लिए उनके ही अधीनस्थ अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ही सामने थे। इस नियुक्ति के लिए मिले आवेदनों के संबंध में मापदंड तय कर परीक्षण करने और अनुशंसा करने लिए बनाई गई कमेटी में ही सीएस के अधीन काम करने वाले तीन अधिकारियों की टीम काम कर रही थी। **एसीएस की अध्यक्षता में हुई बैठक-** छत्तीसगढ़ में राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी की एक बैठक पिछले दिनों हुई। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए मिले आवेदनों के संबंध में मापदंड तय कर परीक्षण कर अनुशंसा दिए जाने के लिए एक सर्च कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ अध्यक्ष, निहारिका बारिक, सोनमणि बोरा एवं अविनाश चंपावत शामिल हैं। **दो पदों पर होनी है नियुक्ति-** राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त के खाली दो पदों पर नियुक्तियां होनी हैं। सर्च कमेटी ने सभी आवेदनों की प्रारंभिक स्क्रूटनी की है। आवेदनों की संख्या अधिक होने के कारण समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आवेदक के आवेदन पत्र और दस्तावेजों में लिखे अनुसार जो विधि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंध, पत्रकारिता या जनसंपर्क, प्रशासन और शासन में 30 वर्षों या उससे अधिक का अनुभव रखते हैं, साथ ही आयु 65 साल से कम है, केवल उन्हीं आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

ओड़गी ब्लॉक के...

निर्धारित तिथि के 3 से 7 दिन पूर्व होली मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा कब शुरू हुई इस संबंध में ग्रामीण सही तिथि नहीं बता पाते। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्वजों के समय से ही इस तरह की पंरपरा चल रही है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के तत्कालीन शासक राजा बालम ने विपत्तियों से सुरक्षा के लिए यह पंरपरा शुरू की थी जिसका निर्वहन वर्तमान पीढ़ी कर रही है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि गढ़वति पहाड़ी पर साल फाल्गुन पंचमी की रात स्वमेव आग धधकने लगती है और पहाड़ी के पेड़-पौधे धू-धूकर जलने लगते। गांव के बैगा ने पंचमी के दिन होलिका जलाने की शुरूआत कराई तो अपने आप आग लगने की घटना रूकी। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में एक बार गांव में हैजा फैल गया था जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौत हुई। बैगा ने पूजा कर हर साल पंचमी के दिन होलिका जलाने की मनौती मांगी तो हैजा का प्रकोप शांत हुआ और निर्धारित तिथि के पूर्व होली मनाने की परंपरा शुरू हो गई। सच्चाई जो भी हो इन गांवों में आज भी निर्धारित तिथि के पूर्व होली मनाई जाती है कुछ गांवों में फाल्गुन सप्तमी के दिन होली मनाई जाती है जबकि कुछ गांवों में हर साल बैगा होलिका जलाने की तिथि निर्धारित करता है।

इन गांवों में...

जलाने की तिथि घोषित करता है तथा स्वयं पूजा-अर्चना उपरांत होलिका जलाता है। होलिका की आग ठण्डी होने पर बैगा सभी ग्रामीणों को राख का तिलक लगाता है तथा संपूर्ण राख को हवा में उड़ाकर होली की शुरूआत करता है। बैगा द्वारा होलिका की राख उड़ाने के बाद ग्रामीण रंग-गुलाल से होली खेलते हैं। खास बात है कि इन गांवों के लोग लगातार एक सप्ताह तक होली के रंगों से सराबोर होते है। ग्रामीण होली खेलने आसपास के गांवों एवं अपने रिश्तेदारों के घर भी जाते है। इस दौरान ग्रामीण टोलियों में घर-घर पहुंचकर फाग गाते हैं।

छत्तीसगढ़ के आठ...

गांववालों को चुकानी पड़ती है। **कोरबा के दो गांवों में 200 सालों से नहीं मनी होली-** कोरबा जिले में खरहरी और धमनागुड़ी नाम के दो गांव ऐसे हैं, जहां पिछले 200 सालों से होली का त्योहार नहीं मनाया जाता है। इन गांवों में होली के दिन सन्नाटा पसरा रहता है और लोग अपने घरों में दुबके रहते हैं। होली के दिन गांव के देवता की पूजा की जाती है और सिर्फ एक-दूसरे के घर जाकर मिठाई और पकवान बांटने की परंपरा है। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर करतला ब्लॉक के इन दोनों गांवों ग्रामीणों का मानना है कि अगर किसी बाहरी शख्स ने उन्हें होली के दिन रंग या गुलाल लगा दिया, तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उनका कहना है कि होली जलाने और रंग गुलाल खेलने से गांव पर दैविय प्रकोप आ सकता है। होली के दिन इस गांव के लोग कहीं बाहर नही निकलते हैं, ताकि बाहर जाने पर अनजान लोग रंग न लगा दें। गांव की सीमा है, वहां तक रंग-गुलाल खेलने पर सख्त मनाही है। लोगों के अनुसार, 200 साल पहले जब उनके पूर्वज होलिका दहन कर रहे थे, तो उसी दौरान उनके घर में अचानक आग लग गई। इस घटना को लोगों ने दैविय प्रकोप माना। इसके बाद होली न मनाने का फैसला किया। वैसे खरहरी और धमनागुड़ी दोनों ही गांव की आबादी लगभग तीन हजार है। ऐसा नहीं है कि इस गांव में लोग पढ़े-लिखे नहीं हैं। गांव की बड़ी आबादी हाई स्कूल पास है। नौजवान लड़के-लड़कियां कॉलेज भी पढ़ने जाते हैं, लेकिन वे घर के बड़े-बुजुर्गों के निर्देशों का उल्लंघन नहीं करते हैं। यहां सालों से यही परंपरा चली आ रही है। गरियाबंद के खजूरपदर गांव में दैवीय प्रकोप-इसी तरह गरियाबंद जिले के मैनपुर ब्लॉक का एक गाँव खजूरपदर जहाँ 100 सालों से आज तक होली नहीं। ना ही यहां कभी होलिका दहन होती है। लोगों का कहना है कि गॉव में जब भी होली खेली जाती है तो गॉव की माता ठाकुराणी देवी का प्रकोप बढ़ जाता है। गॉव में कुछ साल पहले कुछ बाहरी लोग आकर होली खेलकर निकल गए थे। इस दौरान गॉव में चेचक का प्रकोप बढ़ गया था। वही देवी के बढ़ते प्रकोप के बीच गॉव के पुजारी ने देवी स्थल पर जाकर देवी की पूजा अर्चना कर उनसे माफी मांगी थी। जिसके बाद प्रकोप भी कम हुआ था। वही देवी प्रकोप की इस घटना के बाद गॉव वालों ने मिलकर निर्णय लिया था कि गॉव में होली खेलने आने वालों को भी मना कर दिया जाएगा। **देश के दूसरे राज्यों में भी नहीं मनाई जाती होली-** इसके साथ ही देश के कुछ ऐसे गांव भी हैं जहां 100-200 साल से होली नहीं मनाई गई है। इसमें उत्तराखंड के क्वीली, कुरझण और जौंदली गांव में 150 सालों से होली नहीं मनाई गई है। ये गांव रूद्रप्याग के अगस्तयमुनि ब्लॉक में है। ऐसा कहा जाता है कि इस गांव की इष्टदेवी मां त्रिपुर सुंदरी देवी हैं, जिन्हें हुड़दंग नहीं पसंद। इसके अलावा ये भी वजह बताई जाती है कि इस गांव में जब 150 साल पहले लोगों ने होली खेलने की कोशिश की, तो तीनों गांव हैजा की चपेट में आ गए थे। इस घटना के बाद से किसी ने भी यहां होली खेलने की हिम्मत नहीं जुटाई। **बोकारो में हो गई थी राजा के बेटे की मौत-** झारखंड के बोकारो के कसमार ब्लॉक स्थित दुर्गापुर गांव में 100 साल से होली का त्योहार नहीं मनाया गया है। कहा जाता है कि एक दशक पहले एक राजा के बेटे की होली के दिन मौत हो गई थी। इसके बाद जब भी गांव में होली का आयोजन होता था, गांव में महामारी फैल जाती थी और कई लोगों की मौत हो जाती थी। उसके बाद राजा ने आदेश दिया था कि आज से यहां कोई भी होली नहीं मनाएगा। **गुजरात के रामसन गांव में संतो का अभिशाप-** गुजरात के रामसन गांव में लगभग 200 साल से होली नहीं मनाई गई है। इस गांव में होली नहीं मनाने के पीछे ये लोककथा है कि प्राचीन काल से इस जगह पर संतों का अभिशाप लगा हुआ है। कहा जाता है कि कई संतों के साथ उस समय के राजा ने बहुत बुरा व्यवहार किया था। उनके द्वारा दिए गए अभिशाप के कारण इस गांव के लोग होली मनाने से डरते हैं। **बैतूल जिले में 125 सालों से नहीं खेली गई होली-** मध्य प्रदेश के बैतूल जिले की मुलताई तहसील के डहुआ गांव में 125 साल से ज्यादा होली का त्योहार नहीं मनाया गया है। यहां के रहने वाले लोगों का कहना है कि लगभग 125 साल पहले होली के दिन इस गांव के प्रधान बावड़ी में डूब गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। प्रधान की मौत से गांव के लोग बहुत दुखी हुए और इस घटना के बाद लोगों के मन में डर बस गया। इसके बाद से यहां के लोगों ने होली ना खेलना धार्मिक मान्यता बना ली है। **हरियाणा के गांव में शाप की वजह से नहीं मनाते होली-** हरियाणा के कैथल के गुहल्ला चीका स्थित गांव में 150 साल से होली नहीं खेली गई है। इसके पीछे का कारण एक शाप है। दरअसल 150 साल पहले इस गांव में एक ठिगने कद के बाबा रहते थे। कुछ लोगों ने होली के दिन उनका मजाक बनाया। अपमान से क्रोधित बाबा ने होली दहन के समय आग में कूदकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने मरने से पहले गांव वालों को शाप दे दिया कि जो भी आज के बाद होली मनाएगा उसके परिवार का नाश हो जाएगा। उसके बाद से आज तक यहां होली नहीं मनाई गई।

रायगढ़ जिले के...

संभाला है, जब से वे देख रहे हैं कि होली नहीं खेली जाती है। उनके पूर्वज होली नहीं मनाते थे। बुजुर्ग का कहना है उनके पूर्वज बताते हैं कि 100 साल पहले गांव में एक शेर आया था और जमींदार को उठाकर ले गया था। इसके बाद गांव के एक बैगा को एक सपना आया कि गांव में मंजुरपलिहिन देवी का मंदिर बनाना होगा और उसकी पूजा करने से सबकी रक्षा होगी। साथ ही ये भी कि अब से कभी भी होली न मनाई जाए। जब बैगा ने गांव वालों को ये बात बताई तो लोगों ने मिलकर ये निर्णय लिया कि अब से कभी भी होली नहीं मनाई जाएगी।

टीएस को मिली...

जिम्मेदारी मिली है जो कभी उन्होंने संभाली थी। वे बड़े भाई हैं, उनके सपने पूरे हों, मेरी कामना है। दिल्ली में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा के दौरान ही पार्टी हाईकमान को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के संबंध में टीएस सिंहदेव ने इच्छा व्यक्त की थी। तब से प्रदेश में उनका नाम अध्यक्ष पद के लिए तय होने के कयास लगाए जा रहे थे। एआईसीसी ने पिछले दिनों दीपक बैज को दिल्ली बुलाया था, इस दौरान राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने का आदेश पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जारी कर दिया है। इससे पहले भी कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को चुनाव में प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हाईकमान ने बदल दिया था। उसी क्रम में छत्तीसगढ़ में भी बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही थी।

टीएस को...

चुनाव में हार के बावजूद पार्टी को भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क की लड़ाई लड़कर कार्यकर्ताओं को एकजूट करने का प्रयास किया।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- Louis Philippe शोरूम लिंक रोड बिलासपुर में कार्य करने हेतु सेल्सबॉय/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। रेडीमेड दुकान में पहले कार्य करने वालों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9841397000 **(37080)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु फुलटाइम एकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Tally Prime/ Busy में काम करना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी, पी-2, संजय अपार्टमेंट, व्यापर विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 **(37082)**

आवश्यकता है- सीए आफिस में काम करने हेतु चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शाम 4 से 8बजे तक पलाश पमनानी एंड एसोसिएट्स सिन्ध ऑटो स्टोर्स के पास गांधी चौक बिलासपुर **(37072)**

आवश्यकता है- सकरी स्थित नर्सिंग कॉलेज में रिसेप्शनिस्ट कार्य करने हेतु अनुभवी कम्प्यूटर के जानकार स्मार्ट युवती/ महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9993582707, 8349446691 **(37083)**

आवश्यकता है- बुजुर्ग महिला की देखभाल करने के लिए महिला नर्सिंग स्टॉफ की आवश्यकता है केवल अनुभवी महिला सम्पर्क करें- 70008 67969 **(37077)**

आवश्यकता है- मोतीलाल सर्विस स्टेशन पेट्रोल पम्प में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7974771586 **(37074)**

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7970105174, 9827830278 **(37075)**

आवश्यकता है- फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 **(3160)**

आवश्यकता है- दयालबन्द स्थित प्रतिष्ठित किताब दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो गुरूद्वारा के सामने मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 98933 78899 **(37078)**

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों, लेबर कार्य हेतु पुरुष एवं ड्राइवर की जरूरत है। सम्पर्क करें-SBI एटीएम के सामने आकृति विहार अम्ली डीह रायपुर 7469980000, 07714075490 **(7053)**

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 7439736348 **(704)**

आवश्यकता है- होलसेल खिलोना दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है जिसे खिलोना दुकान मे काम करने, कार्टून पैकिंग का अनुभव हो सम्पर्क करें-तेलीपारा बिलासपुर 7711006641, 9753330000 **(36813)**

आवश्यकता है- वेटर/ झाड़ू पोछा सफाई वेतन 10000 ग्रामीणों को भोजन आवास निशुल्क। लेट्रीन बाथरूम सफाईकर्मी चाहिए पता- अग्रवाल लॉज (अमरनाथ जड़ीबूटी दुकान के बाजू गली में) गोल बाजार बिलासपुर 9827940898, 94063 90898 **(37052)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है

बेचना है- हर्ष- फिनिक्ससिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 **(36177)**

बेचना है- उसलापुर गोकुल धाम बिलासपुर में नवनिर्मित 2- बीएचके मकान 20x40, 800 sqft का मकान बेचना है। रेट 25 लाख संपर्क करें:- अमन श्रीवास 9301107148, 8827924148 **(3363)**

बेचना है- कमर्शियल प्लाट बेचना है आवासीय प्लाट की कीमत में कमर्शियल प्लाट अशोक नगर ड्रीम्स रेसीडेंसी कॉलोनी के आगे 85 फिट फ्रंट में 13952 वर्गफिट डायवर्टेड प्लाट पूरा या आधा बेचना है। हॉस्पिटल, हॉटल हॉस्टल, कॉम्प्लेक्स के लिए उपयुक्त, अभी रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्री खर्च फ्री सम्पर्क करें- 9300878897 **(3360)**

बेचना है- बिलासपुर उसलापुर साईं आनन्दम मैरिज हॉल के पास साइज 800 एवं 2000 वर्ग फिट प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 8461997770, 97551 73102 **(3359)**

बेचना है- बिलासपुर मोपका मेन रोड पर गुलाब नगर कॉलोनी में सभी साइज के डायवर्टेड प्लाट उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9131575158, 8349688998 **(37071)**

बेचना है- सिन्धी कालोनी जरहाभाठा स्थित गीतांजलि अपार्टमेंट में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK फ्लैट, आसमां में 1000 वर्गफुट प्लाट, रामा वर्ल्ड 1292 वर्गफुट प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- राजेश श्यामनानी 9827168452, 93006 25174 **(37073)**

बेचना है- टिकरापारा मन्नू चौक स्थित वैशाली वैलेन्सिया में 4th फ्लोर 3BHK फ्लैट नम्बर 405, बिल्टअप एरिया- 101.68 वर्गमीटर पूरा इंटीरियर किया हुआ फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8377001716, 9643808995 **(37068)**

बेचना है- बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्व सुविधा युक्त 2BHK, 25×40= 1000 वर्ग फीट में बना हुआ नव निर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है मो. 9340252857 **(36988)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

किराया

किराया- 10×10 फीट की मेन रोड मसानगंज बिलासपुर में एक दुकान किराए से देना है (आकाश स्टोर के ठीक सामने, नटराज वीडियोज के बगल में) सम्पर्क करें- 9755268998 **(37085)**

किराया से चाहिए

किराये से चाहिए - परसदा, सृष्टि कॉलोनी, सकरी, उसलापुर, कोटा रोड में 8-10 कमरों वाला मकान या एक साथ 3-4 फ्लैट एवं 40 सीटर बस अतिशीघ्र किराए से चाहिए सम्पर्क करें- 83494 46691, 9993575707 **(37084)**

व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 **(3194)**

हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD

समाचार ही नही, विचार भी

15 जून 2024 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME

(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25

1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. Single day Booking 100Rs. Extra.

ADVT. Booking time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Edition	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS

Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com

Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

जेफ यास ने सट्टेबाजी से की शुरुआत और इस साल कमाई में सबको पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के टॉप 25 अमीरों में से 13 की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नेटवर्थ दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने गंवाई है। उन्होंने इस साल दो महीने और 10 दिन में करीब 132 अरब डॉलर गंवाए हैं। लेकिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स का नाम शायद ही आपने कभी सुना होगा।

- यास की नेटवर्थ दो महीने में 17 अरब डॉलर बढ़ चुकी
- दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें नंबर पर काबिज

इस साल जेफ यास की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 17 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 62.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें नंबर पर हैं। यास प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग फर्म सुस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप के फाउंडर हैं।

कमाई के मामले में इस साल नंबर 1 हैं जेफ यास

यास के पास फर्म की 51 फीसदी हिस्सेदारी

यह कंपनी वित्तीय उत्पादों और परिसंपत्तियों खासकर डेरीवेटिव्स में मार्केट्स बनाती है। साथ ही यह प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल में भी निवेश करती है। यास के पास टिकटॉक की डेवलपर बाइटडांस में भी कुछ हिस्सेदारी है। यास की कमाई का मुख्य स्रोत सुस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप है। यह एक मार्केट-मेकिंग और प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग फर्म है। मार्च 2023 की फाइलिंग के मुताबिक यास के पास फर्म में 51 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी का सालाना रेवेन्यू लगभग 10.9 अरब डॉलर आंका गया है। सुस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप के पास टेक फर्म बाइटडांस का लगभग 15 फीसदी हिस्सा है। बाइटडांस की वैल्यूएशन करीब 365 अरब डॉलर है।

गैम्बलर में शुरू से रुचि

जेफ यास का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ था। उनके माता-पिता दोनों अकाउंटेंट थे। अपने पिता की प्रेरणा से उन्होंने कम उम्र में ही शेयरों और गैम्बलिंग में रुचि लेना शुरू कर दिया। उन्होंने पहला शेयर कैंपबेल फूड कंपनी का खरीदा था। यास ने स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क से कॉलेज में पढ़ाई की। वहां वह अक्सर पोकर खेलते थे और घुड़दौड़ पर दांव लगाते थे। वहां उनकी दोस्ती ऐसे लोगों से हुई जो उनकी ही तरह के शौक रखते थे। स्नातक होने के बाद वे एक प्रोफेशनल गैम्बलर बनने के लिए लास वेगास चले गए।

1987 में डाली सुस्केहाना की नींव

जल्द ही उन्होंने एक ऑप्शंस ट्रेडर बनने के लिए फिलाडेल्फिया जाने का फैसला किया। उन्हें मिलेनियम मैनेजमेंट के संस्थापक इजराइल इंग्लैंडर का सपोर्ट मिला। इंग्लैंडर ने उन्हें फिलाडेल्फिया स्टॉक एक्सचेंज में एक सीट खरीदने में मदद की। 1987 में उन्होंने अपने कॉलेज के पांच दोस्तों के साथ मिलकर सुस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप की स्थापना की। फर्म ने एक ऑप्शन मार्केट-मेकर के रूप में शुरुआत की। लेकिन अब वह कई तरह की फाइनेंशियल एसेट्स क्लासेज में ट्रेड करती है। साथ ही खेल और राजनीतिक सट्टेबाजी डेरिवेटिव भी प्रदान करती है। इसके पास वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी ग्रुप भी हैं जो फर्म की पूंजी का निवेश करते हैं।

खबर संक्षेप

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री दो फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। उद्योग संगठन सियाम ने गुरुवार को कहा कि कारखानों से कंपनी डीलरों को घरेलू यात्री वाहन निर्यात फरवरी में सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत बढ़कर 3,77,689 इकाई हो गया। पिछले साल फरवरी में कुल यात्री वाहन थोक बिक्री 3,70,786 इकाई रही थी। फरवरी में 3.78 लाख इकाइयों की अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की।

एमटीएनएल का शेयर 18 फीसदी से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली। एमटीएनएल के शेयर में बृहस्पतिवार को 18 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। सरकार ने संसद में कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी ने भूमि और भवनों के मौद्रीकरण से जनवरी, 2025 तक 2,134.61 करोड़ रुपये कमाए हैं। 18.36 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 51.30 रुपये और 51.18 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए।

जेनएआई से वित्तीय सेवाओं की उत्पादकता बढ़ जाएगी

नई दिल्ली। सृजनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) वर्ष 2030 तक भारतीय वित्तीय सेवाओं के उत्पादकता स्तर को 34 से 38 प्रतिशत और खासकर बैंकिंग परिचालन के लिए 46 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट कहती है कि जेनएआई भारत के वित्तीय सेवा परिदृश्य को नया रूप दे रहा है।

एस्पेक्ट बुलियन ने मुंबई में लगाई वेंडिंग मशीन

मुंबई। एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स के एक प्रभाग एस्पेक्ट बुलियन एंड रिफाइनरी ने यहां एक गोल्ड (सोना) और सिल्वर (चांदी) वेंडिंग मशीन का अनावरण किया। यह वेंडिंग मशीन उपभोक्ताओं को पूरे भारत में एक समान कीमत पर सुरक्षित और परेशानी मुक्त तरीके से सोने और चांदी के सिक्के और बार (छड़) खरीदने की सुविधा देती है।

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को कर्ज जुटाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए 1,40,000 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। साथ ही 2024-25 के लिए 3.5 रुपये प्रति शेयर के चौथे अंतरिम लाभांश की भी अनुमति दी है। 12 मार्च, 2025 को हुई अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कुल 1,40,000 करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी दी।

ओला इलेक्ट्रिक की एस1 ई-स्कूटर पर 26,750 रुपए छूट की पेशकश

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने बृहस्पतिवार को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटरों की एस1 श्रृंखला के लिए सीमित समय की 'होली फ्लैश सेल' की घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि इस सेल के तहत ग्राहक एस1 एयर पर 26,750 रुपये और एस1 एक्स+ (जेन-2) पर 22,000 रुपये तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

इन मॉडल की कीमत अब क्रमशः 89,999 रुपये और 82,999 रुपये से शुरू होती है। फ्लैश सेल 13 मार्च से शुरू होकर 17 मार्च को समाप्त होगी।

नौकरी खोजने की सुविधा देने वाला मंच 'इनडीड' ने जारी की रिपोर्ट

शारीरिक श्रम वाली नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी केवल 20 प्रतिशत: रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नौकरी खोजने की सुविधा देने वाला मंच 'इनडीड' ने एक सर्वेक्षण में यह कहा है। यह सर्वेक्षण बड़े और मझोले शहरों (टियर एक और टियर दो) में 14 उद्योगों के 4,000 से अधिक नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच किया गया है। इससे पता चलता है कि 2024 में 73 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 'ब्लू-कॉलर' यानी शारीरिक श्रम से जुड़ी भूमिकाओं के लिए महिलाओं को काम पर रखा।

दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी में महिलाएं कम

जबकि देश भर में महिलाओं की भागीदारी 20 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा, स्वास्थ्य और औषधि, निर्माण और रियल एस्टेट, यात्रा तथा होटल जैसे उद्योग औसतन 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी के साथ अग्रणी हैं। वहीं दूरसंचार, बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा) और सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम प्रतिनिधित्व है।

महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता के लिए तलाश रही नौकरियां

रिपोर्ट में कहा गया, ''हालांकि, अधिक महिलाएं मुख्य रूप से वित्तीय स्वतंत्रता के लिए 'ब्लू-कॉलर' नौकरियों की तलाश कर रही हैं, लेकिन कार्यस्थल की वास्तविकताएं कठोर बनी हुई हैं।'' सर्वेक्षण में शामिल आधी से अधिक महिलाओं ने काम के लचीले घंटे की कमी को एक बाधा बताया।

देश में काराखानों, खुदरा, निर्माण जैसे क्षेत्रों में शारीरिक श्रम से जुड़े काम कर रहे लोगों में महिलाओं की भागीदारी महज 20 प्रतिशत है। इन्हें वेतन विसंगतियों से लेकर स्वच्छता की कमी जैसे कार्यस्थल से जुड़ी कठिन चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

कंपनियां और महिला कर्मियों को नियुक्त कर रही

इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, ''हालांकि, कंपनियां अधिक महिलाओं को नियुक्त करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन सच्ची प्रगति उन्हें जोड़े रखने की रणनीति, करियर विकास के अवसरों और नीतियों पर निर्भर करती है। इसमें वित्तीय सुरक्षा, काम के घंटे में लचीलापन और स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं।

- कार्यस्थल से जुड़ी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है
- 14 उद्योगों के चार हजार से अधिक कर्मचारियों पर किया गया सर्वे
- महिलाएं कल कारखाने, खुदरा और निर्माण जैसे क्षेत्रों से जुड़ी है

हुनरमंद और प्रतिभा की कमी

हालांकि, नियोक्ताओं का मानना है कि हुनरमंद और उपयुक्त प्रतिभा की कमी और नौकरी छोडने की ऊंची दर प्रमुख बाधाएं हैं। स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत भी एक चुनौती है। जबकि महिलाएं बीमा और वेतन सहित चिकित्सा अवकाश को कार्यस्थल की महत्वपूर्ण अपेक्षाओं के रूप में देखती हैं।

करियर में उन्नति के कम अवसर

इसके अलावा, इन महिलाओं को करियर में उन्नति और पदोन्नति के कम अवसरों का भी सामना करना पड़ता है। सर्वेक्षण में शामिल हर दूसरी महिला ने कौशल बढ़ाने में रुचि दिखाई, लेकिन सही प्रशिक्षण तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। इन चुनौतियों के बावजूद, 78 प्रतिशत नियोक्ता 2025 में अधिक महिलाओं को नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में पांच प्रतिशत की वृद्धि है।

महिलाओं की भागीदार जरूरी

शशिक कुमार ने कहा, 'नियोक्ताओं को शारीरिक श्रम से जुड़े क्षेत्रों में महिलाओं के लिए कौशल, सही परामर्श और नेतृत्व विकास में निवेश करना चाहिए। आज महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल विविधता की बात नहीं है, बल्कि यह एक आर्थिक आवश्यकता भी है।'

सैटेलाइट फोन दूरदराज के इलाकों में भी ले जा सकेंगे : मित्तल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- उपग्रह से 4जी, 5जी, 6जी जैसी संचार प्रौद्योगिकी जुड़ जाएगी

उद्योगपति एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के अगले दिन भारती समूह के संस्थापक सुनील मित्तल ने बुधवार को कहा कि उपग्रह (सैटेलाइट) से 4जी, 5जी, 6जी जैसी संचार प्रौद्योगिकियों का मिश्रण जुड़ जाएंगे। मित्तल ने कहा कि इससे ग्राहक अपने मोबाइल फोन दुनिया के सबसे दूरदराज के हिस्सों में, यहां तक कि आसमान और समुद्र में भी ले जा सकेंगे।दोनों भारतीय दूरसंचार प्रतिद्वंद्वियों, भारती एयरटेल और जियो ने भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की उच्च गति की इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन मित्तल ने बयान में कहा, दूरसंचार उद्योग के लिए, उपग्रह प्रौद्योगिकी को जोड़ना अपने ग्राहकों के लिए नई प्रौद्योगिकी लाने से अलग नहीं होना चाहिए। भविष्य में 4जी, 5जी और 6जी की तरह, अब हमारे पास एक और प्रौद्योगिकी होगी, यानी 'एसएटी-जी''।

दुनिया के किसी भी कोने में ले जा सकेंगे

जल्द ही ग्राहक अपने मोबाइल को दुनिया के सबसे दूर के हिस्से में ले जा सकेंगे, उनके साथ आसमान और नीले समुद्र में भी जा सकेंगे। मित्तल ने कहा कि बार्सिलोना में हाल ही में संपन्न 'मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस-2025'' में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान उन्होंने दूरसंचार और उपग्रह कंपनियों से एक साथ मिलकर काम करने, अपनी शक्तियों को संयोजित करने और समुद्र और आकाश के साथ-साथ पहुंच से दूर क्षेत्रों को भी जोड़ने के मिशन को पूरा करने का आह्वान किया था।

विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना में 73 आवेदन मिले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने कहा कि सरकार को विशेष इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दूसरे दौर के तहत 73 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

पौंड्रिक ने राष्ट्रीय राजधानी में 'भारतीय इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को गति'' कार्यक्रम के दौरान अलग से बातचीत में कहा कि भारत में विशेष इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने के सरकार के प्रयासों के तहत पीएलआई योजनाएं शुरू की गई हैं, ताकि देश को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

पौंड्रिक ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश में घटिया इस्पात का आयात न हो। इसलिए हम गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि घरेलू और आयातित दोनों प्रकार के इस्पात पर्याप्त गुणवत्ता के हों...। सचिव ने कहा, ''हमने हाल ही में पीएलआई का दूसरा दौर किया

- विशेष इस्पात उत्पादन क्षमता में लगभग 1.65 करोड़ टन की वृद्धि होगी

और हमें इसमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमें 73 आवेदन मिले हैं और इससे देश में विशेष इस्पात उत्पादन क्षमता में लगभग 1.65 करोड़ टन की वृद्धि होगी।'''' पौंड्रिक ने अमेरिका के शुल्क लगाने के प्रभाव के बारे में कहा कि अमेरिकी कदम से घरेलू इस्पात उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत का अमेरिका को निर्यात बड़ी मात्रा में नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''हम अमेरिका को ज्यादा निर्यात नहीं करते हैं।

अमेरिका को 1लाख टन से कम निर्यात

अमेरिका को हमारा कुल स्टील निर्यात 1,00,000 टन से कम है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसका भारतीय इस्पात पर ज्यादा असर होगा।''''

स्वेलेक्ट एनर्जी को 150 मेगावाट के सौर मॉड्यूल का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता स्वेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स को 150 मेगावाट से अधिक सौर मॉड्यूल का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसने अपने विस्तार के लिए गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 290 करोड़ रुपये भी जुटाए हैं। स्वेलेक्ट एनर्जी ने बयान में कहा कि उसने अपने उच्च दक्षता वाले टॉपकॉन द्वि-मुखीय सौर पीवी मॉड्यूल के लिए 150 मेगावाट से अधिक के ऑर्डर प्राप्त किए हैं। ये ऑर्डर स्वेलेक्ट के प्रौद्योगिकी नेतृत्व और सौर ऊर्जा बाजार में इसके भरोसे को रेखांकित करते हैं। इसमें कहा गया है कि स्वेलेक्ट ग्रुप ने निजी नियोजन के आधार पर जारी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिए इंडिया इंफ्राडेट लिमिटेड से 290 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

शाओमी स्मार्टफोन पर फोनपे का इंडस ऐपस्टोर रहेगा इंस्टॉल

- फोनपे ने शाओमी के साथ की बहु-वर्षीय साझेदारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्तीय समाधान मंच फोनपे के ऐप मार्केटप्लेस इंडस ऐपस्टोर ने बृहस्पतिवार को उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता शाओमी इंडिया के साथ बहु-वर्षीय साझेदारी की घोषणा की।

कंपनी ने बयान में कहा कि इंडस ऐपस्टोर अब भारत में शाओमी के सभी नए स्मार्टफोन पर पहले से इंस्टॉल आएगा और मौजूदा उपकरणों पर 'गेटऐप्स' की जगह लेगा। इसका उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना, ऐप की खोज को सरल बनाना और पहुंच को बढ़ाना है। इंडस ऐपस्टोर की मुख्य कारोबार अधिकारी (सीबीओ) प्रिया एम नरसिम्हन ने कहा, शाओमी इंडिया की पहुंच को हमारे स्थानीयकृत ऐप खोज मंच के साथ जोड़कर, हम उपयोगकर्ताओं को सहज, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक अनुभव प्रदान करते हुए डेवलपर्स के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं। यह साझेदारी भारत में मोबाइल ऐप की खोज और अनुभव करने के तरीके को बदलने के हमारे दृष्टिकोण की शुरुआत है।

भारत के अनुरूप तैयार किया गया

यह एक एंड्रॉयड-आधारित मोबाइल ऐप स्टोर है, जिसे भारतीय जनसांख्यिकी की स्थानीय और सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है।

एनटीपीसी ने मप्र में सौर परियोजना चालू की...

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने शाजापुर सौर परियोजना की 50 मेगावाट की इकाई चालू होने की घोषणा की है। इसके साथ समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 77,461.50 मेगावाट हो गयी है। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''मध्य प्रदेश में शाजापुर सोलर पार्क में स्थित एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. की कुल 105 मेगावाट क्षमता की शाजापुर सौर परियोजना (यूनिट-1) में दूसरी और अंतिम 50 मेगावाट की इकाई चालू हो गयी है।पहले चरण के तहत 55 मेगावाट की इकाई पहले ही 29 नवंबर, 2024 को वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ चुकी है। इसके साथ ही, एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता अब 77,461.50 मेगावाट हो गई है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी, एनटीपीसी लि. की अनुषंगी की अनुषंगी इकाई है।

टीसीएस की झोली में आई एक और कंपनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- 2250 करोड़ रुपए में हुई डील
- कंपनी ने 100 प्रतिशत इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण की घोषणा की

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने एक बड़ी डील की है। कंपनी ने 11 मार्च को 2250 करोड़ रुपए में दर्शिता सदर्न इंडिया हैप्पी होम्स के 100 प्रतिशत इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण की घोषणा की।

स्टॉक फाइलिंग में कहा गया है कि टाटा समूह की फर्म कॉमर्शियल रियल एस्टेट फर्म की भूमि और भवन का भी अधिग्रहण करेगी, जो डिलीवरी सेंटर बन जाएगा। एक सूत्र ने स्पष्ट किया कि डिलीवरी सेंटर बेंगलुरु में स्थित होगा। इस डील में दो साल बाद इकाई में 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर हासिल करने का कॉल ऑप्शन है। बता दें कि सितंबर 2004 में वजूद में आई दर्शिता साउथर्न इंडिया हैप्पी होम्स एक कॉमर्शियल संपत्ति के डेवलपमेंट में लगी हुई है। कंपनी के मुताबिक राजस्व सृजन अभी शुरू नहीं हुआ है, इसलिए पिछले 3 वर्षों का कारोबार शून्य है। हाल ही में टीसीएस ने यूरोप के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम टावर ऑपरेटर वैंटेज टावर्स के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी 86,000 साइटों के नेटवर्क को कवर करते हुए एक डिजिटल सर्विस प्लेटफॉर्म लांच करने के लिए की गई है। इसका मकसद टेलीकॉम टावर इंस्टॉलेशन के लिए भूमि पट्टे पर लेने वाले संपत्ति मालिकों के अनुभव को बदलना है।

इस पहल का लक्ष्य एसेट मालिकों के लिए सर्विस प्रक्रियाओं को आसान बनाना, प्रतिधारण दर बढ़ाना और पूरे यूरोप में वैंटेज टावर्स के साथ टेलीकॉम साइट साझेदारी को मजबूत करना है। इस सहयोग के तहत टीसीएस टेलीकॉम के लिए अपनी प्रमुख डिजिटल समाधान पेशकश टीसीएस क्रिस्टलस को भी तैनात करेगा।

एचसीएल ने भी किया विस्तार

टीसीएस की प्रतिस्पर्धी एचसीएल टेक जैसी कंपनियां भी अपने डिलीवरी सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। कंपनी ने केरल और तेलंगाना के हैदराबाद में सेंटर शुरू किए हैं। यह दिखाता है कि महामारी के बाद इस सेक्टर में हाइब्रिड कल्चर ट्रेंड के बाद ऑफिस से काम करना और ग्राहकों के ज्यादा करीब रहना आम बात हो गई है।

गूगल का क्रोम ब्राउजर सर्च मोनोपोली का कारण

अमेरिका गूगल से क्रोम ब्राउजर खरीदने के पीछे पड़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऐसा लगता है कि अमेरिका गूगल क्रोम ब्राउजर के पीछे हाथ धोकर पड़ गया है। अमेरिका एक बार गूगल को उसके क्रोम ब्राउजर को बेचने के लिए दबाव डाल रहा है। इससे अमेरिका ने नवंबर 2024 में भी गूगल को ऐसा करने को कहा था।

- गूगल ने किया सरकार के प्रस्ताव का विरोध

एंड्रॉइड अथॉरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक अब अमेरिका का डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस एक बार फिर गूगल को अपना क्रोम ब्राउजर बेचने की सलाह दे रहा है। गूगल का क्रोम ब्राउजर लाखों करोड़ों मोबाइल यूजर के लिए प्राइमरी सर्च इंजन है। किसी सवाल का जवाब पाने के लिए गूगल क्रोम की ही मदद लेते हैं।

गूगल का क्या कहना है

गूगल का इस बारे में कहना है कि सरकार के प्रस्ताव से अमेरिका के उपभोक्ताओं, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचेगा। गूगल ने जो अपना प्रस्ताव दायर किया है, उसमें उसने कहा है कि छोटे-मोटे बदलावों की जरूरत है। कंपनी ने प्राइम प्लेसमेंट के लिए रेगुलर पेमेंट की अनुमति देने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही गूगल ने कहा कि जिन पार्टनर के साथ उसकी साझेदारी है, उनको बाकी सर्च इंजन के साथ एग्रीमेंट करने की परमिशन दी जाए।

डिफॉल्ट सर्च इंजन से हटे क्रोम ब्राउजर

बात सिर्फ बिकने की ही नहीं है। गूगल क्रोम का अधिपत्य कम करने के लिए अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस चाहता है कि क्रोम ब्राउजर को जिन डिवाइसेज में डिफॉल्ट तौर पर रखा जाता है, उसे भी हटा दिया जाए। मसलन एप्पल स्मार्टफोन और मोझिला जैसी कंपनियों को डिफाल्ट तौर पर क्रोम ब्राउजर दिखाने पर बैन किया जाएगा। डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने माना है कि ऐसा करने से ऑनलाइन सर्चिंग सेक्टर में गूगल का दबदबा और बढ़ता है।

बिकने पर गूगल का कंट्रोल हट जाएगा

ऐसे में अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट का मानना है कि गूगल के क्रोम ब्राउजर की वजह से बाकी की सर्च कंपनियों को मौका नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में अगर क्रोम ब्राउजर बिक जाता है तो गूगल का क्रिटिकल सर्च प्वाइंट से कंट्रोल हट जाएगा और बाकी सर्च कंपनियों को सही मौका मिल सकेगा।

दूसरी कंपनियों को नहीं मिल पा रहा मौका

कोई सरकार या कोर्ट किसी कंपनी का प्रोडक्ट बेचने का दबाव कैसे बना सकती है। दरअसल ऑनलाइन सर्च की दुनिया में गूगल का दबदबा है या यूं कह लें कि एकाधिकार है तो गलत नहीं होगा।

13- MAR- COR- MAIN- Pg- 10 BALBHOOMI_Layout 1 3/13/2025 6:23 PM Page 1

तब होली पर खुशी से झूम उठोगे तुम

होली आए और बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! यह मस्ती तभी जमकर हो सकेगी, जब बच्चों को अधिक से अधिक लोगों का साथ मिले। होली हमें उन सब के साथ मनानी चाहिए, जिनके साथ हम अधिक से अधिक समय बिताते हैं, हमारे आस-पास रहते हैं। इससे न सिर्फ इन सबको त्योहार की खुशियां मिलेंगी, हमारी खुशियां भी बढ़कर चहक उठेंगी। होली सेलिब्रेशन में हर किसी का प्यार भरा साथ जरूरी है।

सेलिब्रेशन

प्रखर श्रीवास्तव

आज होली है। बच्चों के लिए मस्ती-धमाल का दिन। एक-दूसरे को रंग लगाना ही है। दोस्तों को लाल-पीले, हरे-नीले रंगों से रंगना है, खुद भी रंगों से रंग जाना है। टोली बनाकर हुड़दंग करना है, डांस भी करना है। बच्चों, तुमने भी इस बार होली के लिए अपने दोस्तों के साथ कुछ प्लानिंग जरूर की होगी कि होली कैसे मनाएंगे, ऐसे जमकर धमा-चौकड़ी करेंगे? होली पर तुम अगर कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो जरूर यह त्योहार तुम्हें ही नहीं, दूसरों को भी खुशियों से भर देगा, यह होली तुम्हारी यादों में बस जाएगी।

घर से करो शुरुआत

होली की शुरुआत अपने घर से करो। अगर दादा-दादी साथ रह रहे हैं तो सुबह सबसे पहले उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। उन्हें गुलाल लगाओ, उनसे भी अपने माथे पर गुलाल का टीका लगवाओ। होली पर अपने दादा-दादी को कभी नहीं भूलो। त्योहार पर दादा-दादी घर के बच्चों का अपनापन पाकर निहाल हो जाते हैं। इसी तरह अपने पापा-मम्मी के भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। इन्हें भी गुलाल लगाना ना भूलना। अपने घर के आस-पास रहने वाले बड़ों से भी जाकर आशीर्वाद लो, खासकर उन वृद्ध लोगों के घर जरूर जाओ, जो अकेले रह रहे हैं, इनके बच्चे किसी दूसरे शहर या विदेश में रह रहे हैं। तुम्हारा साथ पाकर वे खुशी से खिल उठेंगे, ढेर सारा आशीर्वाद देंगे। त्योहार पर बड़ों का आशीर्वाद लेने का मतलब है, सुखी जीवन।

जरूरी है दोस्तों का साथ

होली का असली मजा दोस्तों के साथ ही है। दोस्तों के साथ हम रंग ही नहीं खेलते, खूब मस्ती-धमाल भी करते हैं। इसलिए होली पर अपने हर दोस्त का साथ जरूरी है। बच्चों, होली पर उन दोस्तों को भी साथ लो, जिनसे किसी बात पर तुम्हारी कुछ दिन पहले लड़ाई हो गई थी, बातचीत बंद है। होली के दिन सारे शिकवे-शिकायत भूलकर उनके साथ रंग खेलो, उनसे गले मिलो। ऐसा करके तुम्हें एक अलग ही खुशी मिलेगी, तुम्हारा दोस्त भी खुश होगा। होली पर अपने उन दोस्तों को बिल्कुल न भूलो, जो किसी कारण होली नहीं खेल पा रहे हैं। शिवम को ही देखो, पिछली होली पर जब उसका दोस्त अंकित पैर में फ्रेक्चर होने की वजह से रंग खेलने नहीं आ सका तो शिवम पूरी टोली के साथ उसके घर पहुंच गया। अंकित को जब अपने घर में होली पर दोस्तों का साथ मिला तो उसके चेहरे पर छायी उदासी दूर हो गई। उसने सबको गुलाल का टीका लगाकर होली की खुशियां मनाईं। इसी तरह समीर के भी दोस्त उसे उस साल नहीं भूले, जब होली के एक माह पहले उसके पापा का एकाएक हार्टफेल होने की वजह से देहांत हो गया था, सभी दोस्त समीर के घर इसलिए गए कि वह त्योहार पर दुख में डूबा रहकर अपने आपको अकेला न समझे, उसको कुछ तो खुशी मिले, वह नॉर्मल लाइफ की ओर लौटे। समीर को दुख की घड़ी में अपने प्यारे दोस्तों का साथ पाकर एक बल मिला, त्योहार पर छाया सूनापन दूर हुआ। हां, बच्चों त्योहार इसीलिए होते हैं कि जीवन में छायी उदासी छंटे, खुशी मिले।

इन्हें भी न भूलो

बच्चों, त्योहार की खुशियां जितने ज्यादा लोगों के साथ मनाओगे, उतना ज्यादा अच्छा लगेगा। कहते हैं न कि खुशियां बांटने से बढ़ती है। त्योहार सिर्फ परिवार, रिश्तेदार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ ही नहीं, उन लोगों के साथ भी मनाओ, जो अकेले हैं, असहाय हैं, गरीब और जरूरतमंद हैं। नवीन हर साल होली पर अपने दोस्तों के साथ शहर के अनाथालय में जरूर जाता है, जहां ऐसे बच्चे रहते हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, वे अकेले हैं। नवीन और उसके दोस्त इन अनाथ बच्चों के साथ रंग खेलते हैं, इन्हें होली पर बनने वाली गुझिया, मिठाई और नमकीन बांटते हैं। ये बच्चे त्योहार पर ऐसा प्यारा साथ पाकर बहुत ज्यादा खुश होंगे। उधर अमित और उसकी बहन अनिता भी अपने पापा-मम्मी के साथ घर से कुछ ही दूर पर वृद्धाश्रम में जाकर अकेले रह रहे वृद्धों के बीच होली मनाते हैं, उन्हें गुझिया, मिठाई स्वयं खिलाते हैं, अपनेपन का अहसास देते हैं। बच्चों, बहुत से लोग तो घर के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर उन गरीब, असहाय लोगों के बीच त्योहार की खुशियां मनाते हैं, जिनके पास इतने भी पैसे नहीं होते जो दो वक्त की रोटी खा सकें। इन गरीब परिवारों में तुम्हारे जैसे बच्चे भी होते हैं, त्योहार पर मदद और अपनापन पाकर बेइंतहा खुश होते हैं।

बच्चों, होली पर तुम अपने होम सर्वेंट जैसे मेड, ड्राइवर को ना भूलो, इन्हें होली की मुबारकबाद दो, गुलाल लगाओ। त्योहार के मौके पर तुम इन्हें या इनके बच्चों को कोई प्यारा सा गिफ्ट भी दे सकते हो। ऐसा प्यार-सम्मान पाकर यह बहुत खुश होंगे।

बच्चों, तुम जब इस तरह होली की खुशियां सबके साथ सेलिब्रेट करोगे तो तुम्हें एक बहुत अलग तरह की खुशी मिलेगी, तुम खुशी से झूम उठोगे। हैप्पी होली....! *

इस्तेमाल करो ऑर्गेनिक कलर्स

बच्चों, होली में मस्ती जरूर करो, लेकिन मस्ती में आकर ऐसा भी कुछ मत करना कि रंग में भंग हो जाए, होली का मजा किरकिरा हो जाए। अकसर देखा जाता है कुछ बच्चे ऐसे रंगों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स मिले होते हैं, रंग लगने के बाद काफी दिनों तक परेशानी बनी रहती है। ये केमिकल्सयुक्त रंग आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए ऐसे रंग बिल्कुल न इस्तेमाल करो। अब तो बाजार में ऑर्गेनिक कलर मिल रहे हैं, तुम इनका उपयोग कर सकते हो। बच्चों, अपने मम्मी पापा की गाइडेंस में ऑर्गेनिक कलर घर पर भी तुम फूलों, फलों और सब्जियों से बना सकते हो। जब तुम इन ऑर्गेनिक कलर्स का इस्तेमाल करोगे, तुम्हारे दोस्तों को ये कलर्स खूब भाएंगे, क्योंकि ये कलर्स खुशबूदार होते हैं। तुम्हारे दोस्त यही कहेंगे, 'लगाओ... लगाओ और कलर लगाओ न...।'

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होली के अवसर पर होलिका दहन क्यों किया जाता है और रंग क्यों खेला जाता है? जानो, इन परंपराओं से जुड़ी पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के बारे में।

क्यों मनाते हैं हम होली का त्योहार

बच्चों, तुम्हें होली के त्योहार पर रंग खेलने में बहुत मजा आता होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो कि होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है? बता रहे हैं विस्तार से।

देश के अधिकतर त्योहारों का संबंध मौसम के बदलने और कृषि से होता है। होली भी इसका अपवाद नहीं है। यह त्योहार जाड़े की समाप्ति का संकेत और फसल काटने की शुरुआत करने का अवसर है, जो फाल्गुन की पूर्णिमा (मार्च माह में) पर वसंत ऋतु में मनाया जाता है। इस त्योहार से पौराणिक कथा भी जुड़ी है। प्राचीन समय में एक असुर राजा था, हिरण्यकश्यप। उसने तप कर असाधारण शक्तियां प्राप्त कर ली थीं। वह अपने को भगवान समझकर अपनी प्रजा पर दबाव डालने लगा कि वह ईश्वर की जगह उसकी पूजा करें। बहुत से लोग डर कर उसकी पूजा करने लगे, लेकिन उसी का पुत्र प्रहलाद, जो एक नेक और सच्चा बालक था, इस गलत बात से सहमत नहीं था। वह न केवल अपने पिता का विरोध करता था बल्कि भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति करता था।

फिर हिरण्यकश्यप ने अपने ही पुत्र का वध करने का निर्णय लिया। इस साजिश में उसने अपनी बहन होलिका को भी शामिल कर लिया, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं पाएगी। इसलिए योजना यह बनाई गई कि होलिका अपनी गोद में प्रहलाद को लेकर बैठेगी, जिससे वह जलकर राख हो जाएगा। लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई। अपनी बुआ होलिका की गोद में बैठा बालक प्रहलाद निरंतर भगवान विष्णु का नाम जप रहा था। इस तरह होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। इसीलिए हम होली पर होलिका दहन करते हैं कि अपनी बुराइयों को जलाकर राख कर दो।

जहां तक बात है कि हम होली पर रंग क्यों खेलते हैं? असल में प्राचीन भारत में वसंतोत्सव मनाया जाता था, जिसमें रंग खेले जाते थे। फिर वसंतोत्सव भगवान कृष्ण से जुड़ गया, जो मथुरा वृंदावन में गोपियों के साथ रंग खेलते थे। इसीलिए होली पर कृष्ण-राधा की भी पूजा की जाती है और रंग खेला जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

चटोरे चूहे की कहानी

बच्चों, 'कहानी एक चूहे की' नन्ही-सी चित्र-पुस्तक है। इसमें एक शरारती-आलसी चूहे की छोटी-सी मजेदार कहानी है। इस कहानी में निक्की नाम का एक चूहा है, जो बहुत चटोरा है। उसका स्वभाव भी थोड़ा नकचढ़ा है। उसे अपने मां-पिता की बातें कभी नहीं भाती हैं। अपनी इस आदत की वजह से वह अनहेल्दी चीजें खा-खाकर गोल-मटोल हो जाता है। दौड़ना तो दूर, वह ठीक से चल भी नहीं पाता। इस वजह से अकसर मुसीबत में पड़ता रहता है। इस कहानी में उसके साथ घटी ऐसी ही मुसीबत में घिरने की दो घटनाएं हैं। जिनमें किस्मत से वह बच तो निकलता है, लेकिन फिर वह अपनी गलती पर शर्मिंदा होता है और खुद को बदल डालता है। इस मजेदार कहानी में ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम खुद को लोट-पोट होने से रोक न सकोगे। पूरी किताब में रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

किताब: कहानी एक चूहे की, **लेखन-चित्र**: उत्पल तालुकदार, **अनुवाद**: पंकज चतुर्वेदी, **मूल्य**: 50 रुपए, **प्रकाशक**:राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

हंसगुल्ले

टीचर : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन : जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू : अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू : गोल करने के लिए।
चिंटू : लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

सोनू : मान लो, तुम्हारे पास चार सेब हैं, उनमें से दो सेब मैं ले लूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब बचेंगे?
मोनू : चार ही बचेंगे, क्योंकि मैं तुम्हें एक भी सेब नहीं दूंगा।
-चंचल, दुर्ग

जीके क्विज- 145

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन का नाम क्या था?
2. लट्ठमार होली कहां खेली जाती है?
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती है?
4. हाल ही में 'वंतारा एनिमल रेस्क्यू सेंटर' का उद्घाटन कहां किया गया?
5. प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
6. भारत के किस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने पिछले दिनों टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की?
7. पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
8. हवामहल कहां स्थित है?
9. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
10. यूनेस्को का मुख्यालय कहां स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-145 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-144 का उत्तर: 1.पूर्णिमा देवी वर्मन, 2.सर्विसेज, 3.प्रयागराज, 4.रमेन डेका, 5. 8 मार्च, 6.लॉर्ड कैनिंग, 7.राजा राममोहन राय, 8.सुंदरलाल बहुगुणा, 9.शुक्र, 10.मार्कोनी

जीके क्विज-144 का सही उत्तर देने वाले: डॉली-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, कबीर-हिसार, रमेश-कोरबा, दीपिका-हिसार, चेतन-महासमुंद, कल्पना-झज्जर, अमन-बिलासपुर, दीपक-रोहतक, हिमांशु-रायगढ़, शोभित-बिलासपुर, काव्या-बालोद

होली का सबक

होली पर बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! बंटी, पिंकी, अर्जुन, गुड्डी और मन्नू ने जब सड़क पर स्कूटर से जा रहे एक अंकल जी को रंग भरे बैलूंस मारे तो वह गिर कर चोटिल हो गए। इस हरकत पर उन्हें डांट न पड़े, इसलिए सारे बच्चे चुपचाप वहां से खिसक लिए। इसके बाद जो हुआ, बच्चों के लिए एक बड़ा सबक था। प्यारी सी कहानी।

कहानी

सरस्वती रमेश

मन्नू और उसके दोस्तों ने इस बार होली पर जमकर हुड़दंग मचाने की प्लानिंग कर रखी थी। बंटी, पिंकी, अर्जुन और मन्नू ने रंग, पिचकारियों के साथ वाटर बैलूंस भी खरीद लिए। होली खेलने के लिए खास रंगीन कपड़े, टोपी और कमर में बांधने के लिए लाल, पीले चौड़े फीते भी उन्होंने मंगवा लिए थे। मन्नू के साथ होली मनाने के लिए गांव से उसकी चचेरी बहन गुड्डी भी आई थी। गुड्डी बहुत होशियार और बातूनी है। चंद दिनों में ही वह पिंकी, अर्जुन और बंटी की फ्रेंड बन गई। गुड्डी के आने से सब और भी खुश थे।

होली के दिन मन्नू और उसके सारे दोस्त सड़क के पास वाले खाली मैदान में होली खेल रहे थे। सबके चेहरे और कपड़े रंगे हुए थे। मन्नू ने कहा, 'गुड्डी तुम अपनी पिचकारी से बैलून में रंग भरो। हम सड़क से आने-जाने वालों पर बैलून फेकेंगे, खूब मजा आएगा।'

'चलो हम साथ मिलकर बैलूंस में रंग भरते हैं।' पिंकी बोली। सब बैलूंस में रंग वाला पानी भरने में लग गए। तभी बच्चों को सड़क पर स्कूटर से एक अंकल आते हुए दिखाई दिए। 'चलो-चलो.. जल्दी बैलून मारो।' मन्नू बोला। सभी बच्चों ने एक साथ स्कूटर पर आ रहे अंकल को बैलूंस मारना शुरू कर दिया। एक साथ कई सारे बैलून चेहरे पर लगने से अंकल के स्कूटर का बैलेंस बिगड़ गया। वह स्कूटर सहित वहीं गिर पड़े। स्कूटर गिरता देख मन्नू और उसके साथी घबरा गए। अंकल जी को थोड़ी चोट लग गई थी। 'अरे अंकल तो गिर गए! अब तो हमें डांट पड़ेगी, हमारी पिटाई भी हो सकती है।' अर्जुन बोला। 'इससे पहले कि अंकल उठकर हमें पकड़ लें, कोई आकर डांटे, हम तुरंत यहां से भाग चलते हैं।' पिंकी बोली।

'हां, ठीक कह रही हो तुम।' बंटी ने हां में हां मिलाई। सभी बच्चों ने जल्दी-जल्दी अपनी पिचकारी उठाई और वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। घर पहुंचकर मन्नू ने मम्मी-पापा को स्कूटर वाले अंकल के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे डर था, पापा की डांट खानी पड़ेगी। मन्नू ने मम्मी से पूछा, 'पापा कहां हैं?' 'वो तो कॉलोनी में होली मिलने गए हैं।' मम्मी ने बताया। यह सुनकर मन्नू की जान में जान आई। उसने गुड्डी से कहा, 'पापा जब वापस आएं, तो प्लीज पापा से कुछ बताना नहीं।' 'ठीक है, नहीं बताऊंगी।' गुड्डी ने सहमति में सिर हिला दिया।

मन्नू और गुड्डी ने नहा-धोकर कपड़े बदल लिए। पापा थोड़ी ही देर में वापस लौट आए। वह कुछ बड़बड़ा रहे थे। मम्मी ने पूछा, 'क्या बात है, मूड कुछ खराब लग रहा है आपका? आप इतनी जल्दी सभी से होली मिलकर आ भी गए?' 'अरे, क्या बताऊं, मैं किसी से होली मिलने जा ही नहीं पाया।' पापा खीझे स्वर में बोले। 'क्यों?' मम्मी ने जानना चाहा।

पापा ने गुस्से से बताया, 'पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी बीमार हैं। वो उनके लिए दवाइयां लेकर आ रहे थे कि कुछ बच्चों ने अचानक उन्हें गुब्बारे मारने शुरू कर दिए। वह स्कूटर से वहीं गिर पड़े। वो तो मैं उधर से ही गुजर रहा था तो उन्हें उठाकर पास की एक क्लीनिक ले गया। गनीमत है, उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई।' 'आजकल के बच्चों में जरा भी मैनर्स नहीं हैं। होली के नाम पर कुछ भी करते हैं।' मम्मी भी थोड़ा गुस्से से बोलीं। मन्नू और गुड्डी दरवाजे के पीछे से यह सब सुन रहे थे। अब उन्हें अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। गुड्डी ने कहा, 'हमें चलकर शर्मा अंकल से माफी मांगनी चाहिए।' 'तुम ठीक कहती हो। अंकल को हमारी वजह से इतनी तकलीफ हो गई।' मन्नू बोला। शाम को बंटी, पिंकी, अर्जुन, मन्नू, गुड्डी सभी बच्चे शर्मा अंकल के घर गए। आंटी बीमार थीं, बच्चे इसलिए अपने साथ थोड़ा फल भी ले गए। 'अंकल जी, हमें माफ कर दीजिए। हमसे गलती हो गई।' मन्नू बोला। शर्मा अंकल को समझते देर न लगी, वह बोले, 'अच्छा तो बैलूंस मारने वाले शैतान बच्चे तुम सब हो।' अंकल की बात सुन सभी बच्चों के सिर नीचे झुक गए।

'तुम तो रजत के बेटे हो न?' शर्मा अंकल ने मन्नू की तरफ देखते हुए पूछा। 'जी अंकल।' मन्नू बोला। 'तुम्हारे पापा ने उस समय मेरी बड़ी मदद की। चलो मैं तुम लोगों को माफ करता हूं। लेकिन आगे से इस बात का ध्यान रखना कि कभी होली के नाम पर ऐसी शरारत नहीं करना कि किसी को चोट लग जाए, वह परेशान हो।' अंकल ने बच्चों को समझाया। 'हम समझ गए अंकल। हमें सबक मिल गया है। आगे से हम ऐसा कभी नहीं करेंगे।' सभी बच्चे बोले। बंटी ने फलों की टोकरी अंकल की तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'यह आंटी के लिए, हम सब की तरफ से!'

'अरे वाह! तुम लोग तो बहुत समझदार बच्चे हो। मुझे उम्मीद है कि तुम सब बड़े होकर अच्छे इंसान बनोगे।' शर्मा अंकल खड़े होते हुए बोले। उन्होंने सभी बच्चों के माथे पर गुलाल का टीका लगाकर 'हैप्पी होली' कहा। साथ ही बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। आंटी ने बच्चों को चॉकलेट्स भी दिए। *

कविता

राजा चौरसिया

होली रंग-रंगीली

इंद्रधनुष जैसे रंगों से
दिखती छटा छबीली।
गांवों से लेकर शहरों तक
होली रंग-रंगीली।।
वासंती मौसम के चलते
कितने सुंदर फूल खिले हैं।
नए-पुराने सब हंस-हंस कर
हाव-भाव से गले मिले हैं।।
चारों ओर गुलाल उड़ रही
सरसों फूली पीली।
हो जाती है सबकी सूरत
पिचकारी से गीली।।
गूंज रहे हैं ढोल-ढमाके
ठुमक-ठुमक कर लोग नाचते।
हंसी-ठिठोली रहे परस्पर
होती रहें चुलबुली शरारतें।।
मनहूसी तो फुर्र हुई है
या फिर हालत ढीली।
कहती हर बस्ती तनाव को
टीली-लीली-लीली।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां होली की मस्ती कर रहे बच्चों के एक जैसे दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1. लड़की की टी-शर्ट पर ऊपर बालों-कंधे के पास पीला रंग लगा हुआ है। 2. लड़के के बालों पर गुलाबी रंग नहीं लगा है। 3. लड़के की टी-शर्ट का रंग लाल है। 4. लड़के की पिचकारी का रंग नीला है। 5. लड़के के आगे रखी बाल्टी, पिचकारी और रंगों की प्लेट गायब है।

सही रास्ता बताओ

बच्चों, मोनू को होली खेलने के लिए रंग और पिचकारी चाहिए, लेकिन जिस जगह ये दोनों सामान रखे हैं, वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम जरा मोनू को रंग और पिचकारी वाली जगह तक पहुंचने में मदद करो।

आईपीएल : कैपिटल्स का कप्तान अब तक तय नहीं, तीन प्लेयर्स बड़े दावेदार

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

आईपीएल दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है और यहां खेलकर कई स्टार प्लेयर्स ने अपना कॅरियर बनाया है। अब आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है और इसके शुरू होने में सिर्फ 7 दिन बाकी रह गए हैं और अभी तक दिल्ली कैपिटल्स ने अपने नए कप्तान का ऐलान नहीं किया गया है। पिछले सीजन दिल्ली के कैप्टन ऋषभ पंत थे, जो अब लखनऊ सुपर जायंट्स के कैप्टन बन गए हैं। दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को लखनऊ के मैदान पर खेलेगी। अब इससे पहले ही दिल्ली को अपने कप्तान का ऐलान करना होगा। उनके पास तीन ऐसे प्लेयर्स हैं, जो कप्तान के बड़े दावेदार हैं। इनमें अक्षर पटेल, केएल राहुल और फॉफ डु प्लेसिस शामिल हैं।

अक्षर पटेल : 123 विकेट

अक्षर पटेल पिछले सीजन दिल्ली कैपिटल्स के उपकप्तान थे। उन्होंने ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में एक मैच में दिल्ली कैपिटल्स की कमान भी संभाली थी। वह साल 2019 से ही दिल्ली की टीम का हिस्सा हैं और उनके पास अनुभव है। अक्षर निचले क्रम पर उतरकर धाकड़ बैटिंग करने में माहिर हैं। इसके अलावा उनके स्पिन के जादू से बच पाना आसान नहीं है और वह काफी किफायती भी साबित होते हैं। उन्होंने अभी तक आईपीएल के 150 मैचों में 123 विकेट हासिल किए हैं और 1653 रन भी बनाए हैं।

डु प्लेसिस : 4571 रन

फॉफ डु प्लेसिस को दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में खरीदा था। इससे पहले उन्होंने तीन सीजन आरसीबी की कप्तानी की थी। उन्होंने आरसीबी के लिए 42 आईपीएल मैचों में कप्तानी की, जिसमें से 21 में जीत मिली और 21 में हार का सामना करना पड़ा। उनके पास कप्तानी का अपार अनुभव है। वह साउथ अफ्रीका के कप्तान भी रह चुके हैं। वह गेंदबाजी में शानदार तरीके से बदलाव करते हैं। उनके नाम पर आईपीएल के 145 मैचों में कुल 4571 रन दर्ज हैं।

केएल राहुल 4683 रन

केएल राहुल को आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने खरीदा था। इससे पहले वह लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में ही लखनऊ की टीम ने प्लेऑफ तक का सफर तय किया था। वह पंजाब किंग्स के भी कप्तान रह चुके हैं। राहुल टेक्निकल तौर पर बहुत ही मजबूत बल्लेबाज हैं। एक बार वह क्रीज पर टिक गए, तो उन्हें आउट करना मुश्किल है। उन्होंने अभी तक आईपीएल में 4683 रन बनाए हैं।

चोटिल मुख्य कोच द्रविड़ बैसाखियों के सहारे रॉयल्स के शिविर में आए

जयपुर। एक स्थानीय लीग मैच में खेलते समय चोटिल हुए भारत के पूर्व महान बल्लेबाज और राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल से पूर्व टीम के अभ्यास सत्र में बैसाखियों के सहारे पहुंचे। टीम ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडिल पर वीडियो साझा की है जिसमें द्रविड़ गोल्फ कार्ट पर रॉयल्स के शिविर में पहुंचे और चलने के लिए बैसाखियों का सहारा लिया। द्रविड़ ने चोट के बावजूद सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाया और युवा खिलाड़ियों रियान पराग तथा यशस्वी जायसवाल से बात करते दिखे। बैसाखियां हाथ में लेकर बैठे द्रविड़ ने पूरा सत्र करीब से देखा। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर लिखा, 'मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को बेंगलुरु में क्रिकेट खेलते समय चोट लगी थी। वह चोट से उबर रहे हैं और जयपुर में टीम से जुड़ेंगे।'

खबर संक्षेप

लखनऊ के लिए बतौर बल्लेबाज़ खेलेंगे मार्श

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श को आईपीएल में बतौर बल्लेबाज़ खेलने की मंज़ूरी मिल गई है और पीठ में चोट के चलते चैंपियंस ट्रॉफी खेलने से चूकने वाले मार्श अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे। मार्श ने फ़रवरी की शुरुआत में विशेषज्ञ का रुख़ किया और इसके बाद उन्होंने समस्या से उबरने के लिए आराम करने का फ़ैसला किया। पिछले कुछ सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाज़ी का अभ्यास शुरू किया है और उन्हें आईपीएल में सिर्फ़ बतौर बल्लेबाज़ खेलने की अनुमति मिली है, ऐसे में वह लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इस सीज़न इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते दिखाई दे सकते हैं।

झारखंड ने जीती महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप

पंचकूला। हॉकी झारखंड ने बुधवार को यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप फाइनल के नियमित समय में 1-1 से बराबरी के बाद शूटआउट में गत चैंपियन हॉकी हरियाणा को 4-3 से शिकस्त दी। प्रमोदनी लाकड़ा (44 वां मिनट) और रानी (42 वां मिनट) ने नियमित समय में गोल किए। रजनी केरकेट्टा, निराली कुजूर, बिनिमा धन और कप्तान एलेबला रानी टोप्पो ने शूटआउट में गोल किया, जबकि गोलकीपर अंजलि भिंजिया के दो महत्वपूर्ण बचाव ने झारखंड की जीत को सुनिश्चित किया। हॉकी मिजोरम ने कांस्य पदक के मैच में हॉकी महाराष्ट्र को 2-1 से हराया। मंजू चोरसिया (59 वां मिनट) ने अंतिम क्षणों में विजयी गोल किया।

पूर्व स्पिनर मैकगिल को मिली क्लीन चिट

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर स्टुअर्ट मैकगिल को कोकीन के सौदे में शामिल होने का दोषी पाया गया है लेकिन बड़े पैमाने पर ड्रग्स की आपूर्ति में भागीदारी को लेकर 'क्लीन चिट' मिल गई है। सिडनी जिला कोर्ट की जूरी ने 54 वर्ष के पूर्व लेग स्पिनर को अप्रैल 2021 में 330000 आस्ट्रेलियाई डॉलर कीमत की एक किलो कोकीन के सौदे में शामिल होने के मामले में निर्दोष करार दिया गया है ।

बीसीसीआई ने अली के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने बृहस्पतिवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सैयद आबिद अली के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। अली का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। वह हैदराबाद के क्रिकेटरों के स्वर्णिम युग का हिस्सा थे जिसमें मंसूर अली खान पटौदी, एम एल जयसिम्हा और अब्बास अली बेग शामिल थे। उनका अमेरिका में निधन हुआ।

बैडमिंटन : डेनमार्क के डेनियल और मैड्स को 21-17, 21-15 से हराया

सात्विक-चिराग की 40 मिनट में शानदार जीत, अब चीनी चुनौती से होगा सामना

एजेंसी ▸▸| बर्मिंघम

भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले महीने अपने पिता के निधन के बाद कोर्ट पर लौटे सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से हराया।

अब उनका सामना चीन के हाओ नान शि और वेइ हान जेंग से होगा। जीत के बाद सात्विक ने अपनी ऊंगली आसमान की ओर उठाई और ऊपर देखते रहे। शायद अपने पिता को तलाश रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह बहुत कठिन है लेकिन जीवन ऐसा ही है।' सात्विक ने दुख के क्षण में साथ रहने के लिए चिराग को धन्यवाद देते हुए कहा, 'वह उस समय मेरे घर आया। हमने थोड़ा अभ्यास किया और मैं उसका शुक्रगुजार हूं। वह मेरी चोट के समय भी मेरे साथ था। उसके माता पिता और हमारे कोच भी आए। मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि वे हमारे यहां आएं।' चिराग ने कहा, 'सात्विक ने इतना सब झेला और यहां खेलने का फैसला किया। कोई और ऐसा नहीं कर सकता था। वह काफी मजबूत है और मुझे गर्व है कि वह मेरा जोड़ीदार है।'

प्रणय के बाद सिंधू भी पहले दौर में बाहर

भारत की स्टार शटलर और दो बार ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। बुधवार को सिंधू ने साउथ कोरिया की गा यून किम के खिलाफ अच्छा शुरुआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख पाईं। पहला गेम जीतने के बाद सिंधु को यह मुकाबला 21-19, 21-13, 21-13 से हार मिली। रोहन और रुतविका की जोड़ी ने कड़े मुकाबले में दुनिया की 40वें नंबर की जोड़ी ने यी होंग वेइ और निकोल गोंजालेस चैन की चीनी ताइपे की जोड़ी को 21-10 17-21 24-22 से हराया। वहीं, एचएस प्रणय को पहले दौर में ही निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा, उन्हें फ्रांस के उच्च रैंकिंग वाले टोमा जूनियर पोपोव से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य-मालविका से उम्मीद

भारतीय जोड़ी का सामना दूसरे दौर में येन झी फेंग और या शिन वेइ की चीन की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ पहले की क्रमशः पुरुष और महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर चुके हैं। पूर्व फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने ताइवान की निचली रैंकिंग वाली सु ली यांग के खिलाफ पहले दौर की कड़ी चुनौती को पार करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया।

क्रिकेट

रोहित को संन्यास लेने की जरूरत नहीं : डिविलियर्स

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि रोहित शर्मा को संन्यास लेने की कोई जरूरत नहनीं है और वह वनडे क्रिकेट के महानतम कप्तानों में से एक होंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित के संन्यास की अटकलें तेज थी लेकिन सैतीस वर्ष के रोहित ने भारत को तीसरी बार खिताब दिलाने के बाद इन अटकलों को खारिज किया।

डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'दूसरे कप्तानों की तुलना में रोहित का जीत का प्रतिशत देखिए, करीब 74 प्रतिशत है जो अतीत के बाकी कप्तानों से बेहतर है। अगर वह खेलता रहा तो सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ वनडे कप्तानों में से एक होगा। वह संन्यास क्यों ले ? उसका बतौर कप्तान ही नहीं बल्कि बल्लेबाज के तौर पर भी शानदार रिकॉर्ड है। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उसने 76 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी और जीत की नींव रखी। जब दबाव चरम पर था तब उसने मोर्चे से अगुवाई की। रोहित शर्मा को संन्यास लेने की कोई जरूरत नहीं है। उसे किसी आलोचना को सुनने की भी जरूरत नहीं है। उसका रिकॉर्ड ही उसके लिए बोलता है।'

सेना ने केआईडब्लूजी खिताब बरकरार रखा

गुलमर्ग। भारतीय सेना की टीम बुधवार को यहां लगातार दूसरे साल 'खेलो इंडिया' शीतकालीन खेलों की चैंपियन बनी। सेना ने 18 पदक (सात स्वर्ण, पांच रजत, छह कांस्य) के साथ अपने खिताब का बचाव किया। हिमाचल प्रदेश छह स्वर्ण, पांच रजत और सात कांस्य पदक के साथ उपविजेता रहा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित सात पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

एथलेटिक्स

सूरज ने 1,000 मीटर में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी ▸▸| पटना

उत्तराखंड के सूरज सिंह ने राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन बुधवार को यहां 1,000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड कायम कर सुर्खियां बटोरीं। पाटलिपुत्र खेल परिसर में लड़कों की 1,000 मीटर दौड़ में कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी। शीर्ष दो धावकों ने दो मिनट 27.20 सेकेंड के 15 साल पुराने राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। पिछला रिकॉर्ड 2010 में राहुल पाल द्वारा बनाया गया था।

सूरज ने दो मिनट 26.04 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि रजत पदक जीतने वाले उत्तर प्रदेश के विकास कुमार ने भी दो मिनट 26.59 सेकेंड के समय के साथ पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। हरियाणा के सोहित विजेंदर ने दो मिनट 27.27 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता जो पिछले साल बिलासपुर में मोहम्मद नूरुद्दीन द्वारा बनाए गए 2:28.89 मिनट के मीट रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन था। भाला फेंक में लड़कों के वर्ग का स्वर्ण पदक हरियाणा के हिमांशु ने 72.00 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीता। पश्चिम बंगाल की मिस्टी करमाकर ने 45.04 मीटर की दूरी के साथ लड़कियों की भाला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

हैदराबाद और केरला का मैच बराबरी पर छूटा

हैदराबाद। हैदराबाद एफसी और केरल ब्लास्टर्स एफसी के बीच बुधवार को यहां खेला गया इंडियन सुपर लीग फुटबॉल मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा। डुसान लैगेटर ने सातवें मिनट में गोल कर केरल ब्लास्टर्स एफसी को बढ़त दिला दी लेकिन पहले हाफ के आखिरी क्षणों (45वें मिनट) में सौरव कुमार के 'बाइसाइकिल' गोल से घरेलू टीम बराबरी करने में सफल रही। हैदराबाद एफसी 52वें मिनट में बढ़त बनाने का आसान मौका चूक गयी जब ब्राजील के स्ट्राइकर आंद्रे अल्बा पेनल्टी किक को गोल में नहीं बदल सके। यह जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेला गया मौजूदा सत्र का आखिरी लीग मैच था। हैदराबाद के मिडफील्डर आयुष अधिकारी को दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत ने दो स्वर्ण सहित जीते 5 पदक

नई दिल्ली। भारत ने इटली के तूरिन में चल रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों के दूसरे दिन दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता जिससे भारत के पदकों की संख्या नौ हो गई है। भारती (डिविजन एफ25) ने नोविस स्लालोम फाइनल में स्वर्ण पदक जीता जबकि हर्षिता ठाकुर (एफ26) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय दल ने अल्पाइन स्कीइंग में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। निर्मला देवी (एफ06) ने इंटरमीडिएट जाइंट स्लालोम फाइनल में स्वर्ण और राधा देवी (एफ01) ने रजत पदक जीता। अभिषेक कुमार ने नोविस जाइंट स्लालोम फाइनल डिविजन एम02 में रजत पदक हासिल किया।

रिंकू के नेतृत्व में भाला फेंक में भारत का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

रिंकू हुड्डा ने विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 के दूसरे दिन भाला फेंक के एफ 46 में 60.26 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीत भारतीय खेमे को जश्न मनाने का मौका दिया।

हाल ही में गोवा में 22वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीत और चौथे एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक हासिल करने वाले रिंकू ने श्रीलंका के गामिनी केतवाला (56.88 मीटर) को बड़े अंतर से पछाड़ा। इस स्पर्धा का कांस्य पदक उज्बेकिस्तान के एल्योर्बेक एल्मातोव (43.01 मीटर) के नाम रहा। पुरुषों की भाला फेंक एफ12, एफ37, एफ42, एफ43 संयुक्त श्रेणी में भारत का दबदबा और ज्यादा था। इस श्रेणी में पोडियम पर सभी भारतीय एथलीटों ने कब्जा जमाया। पुष्पेंद्र सिंह ने 57.57 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मोहित ने 45.45 मीटर के साथ रजत और जसवंत ने 45.94 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किये। रितेंद्र ने पुरुषों की भाला फेंक एफ 40/ एफ 41 श्रेणी में 30.33 मीटर की थ्रो के साथ भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

अतुल 43.92 मीटर की थ्रो से शीर्ष पर

पुरुषों के चक्का फेंक एफ 56/ एफ 57 स्पर्धा में भारत के अतुल कौशिक ने 43.92 मीटर की थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया तो वही राम कुमार यादव ने 30.59 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक पक्का किया। भारत की बाध्यश्री माधवराव जाधव ने भाला फेंक एफ34 श्रेणी में 12.73 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उज्बेकिस्तान की दिलसुज जियोदुल्लोवा ने 11.30 मीटर के साथ रजत और मुबीना ने कांस्य पदक हासिल किया।

महमूदुल्लाह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▸▸| ढाका

बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। वर्ष 2021 में टेस्ट और 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले 39 वर्षीय महमूदुल्लाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है।' महमूदुल्लाह 36.46 की औसत से 5689 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

महमूदुल्लाह ने 2015 विश्व कप में लगातार दो शतक, 2017 चैंपियन्स ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक शतक और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना चौथा शतक जड़ा। फेसबुक पोस्ट में महमूदुल्लाह ने लिखा, 'मैं टीम के अपने सभी साथियों, कोच और खासकर अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है।

13- MAR- COR- MAIN- Pg- 12 VIRASAT_Layout 1 3/13/2025 6:41 PM Page 1

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

संसार में कुछ लोगों का जन्म ही विशेष कार्य के लिए होता है। अपने जीवनकाल में ये एक संकल्पबद्ध तरीके से काम करते हैं और देश और समाज को एक नई दिशा देकर चले जाते हैं। हमारे देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ में समाजसेवा के क्षेत्र में कई लोगों ने अपने जीवनकाल में इतना प्रभावशाली और असरदार काम किया है कि उनके दुनिया से जाने के बाद भी उनके कामकाज को श्रद्धा के साथ याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के उत्थान और शिक्षा के लिए ऐसे ही दिव्य पुरुष और मसीहा का अवतरण हुआ। जिसने आधुनिक प्रचार प्रसार से दूर रहकर जनमानस को प्रभावित किया। आज हम जिस ज्ञानदूत की चर्चा कर रहे हैं वे हैं प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी, प्रोफेसर खेड़ा जी ने अचानकमार के दुर्जन इलाके में बसे आदिवासी बच्चों के जीवन में शिक्षा की नई किरण का संचार किया।

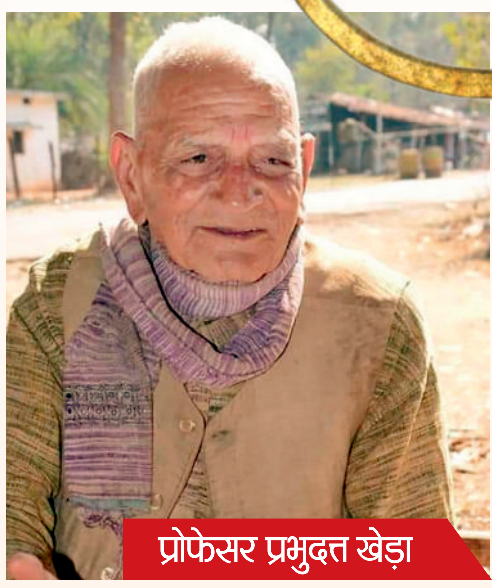

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा

झंग में जन्म दिल्ली में पढ़ाई

प्रोफेसर खेड़ा का जन्म सोमदत्त खेरा के यहां अविभाजित भारत में 13 अप्रैल 1928 को वर्तमान पाकिस्तान के झंग स्थान पर हुआ। खेड़ा जी ने झंग में जन्म लेने के बाद विभाजन के दर्द को झेला। खेड़ा जी का शिक्षण दिल्ली एवं कलकत्ता में पूरा हुआ, दिल्ली विश्वविद्यालय से 1948-49 में खेड़ा जी ने बीए की पढ़ाई की इसके बाद दो विषयों गणित और समाजशास्त्र में एमए कर स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की। 1969 में खेड़ जी ने एमलिब की पढ़ाई की। 1971 में दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि ली। 1971 में हिंदू कॉलेज में बतौर रीडर काम किया और शोध कार्य किए ।

बिस्किट और चना मुर्रा बना पहचान

प्रोफेसर खेड़ा सादगी और सहनता की मिसाल तो थे ही बच्चों से उनकी ट्यूनिंग देखते ही बनती थी. आदिवासी बच्चों से मिलने जब पहुंचते थे तो उनके बैग से निकालकर बच्चों को चना मुर्रा और बिस्किट देते थे। प्रोफेसर खेड़ा वक्त के पाबंद थे और जिस वक्त जो काम तय कर लिया उसे समर्पित भाव से करते थे। प्रोफेसर खेड़ा कहते थे कि जीवन में नाटकीयता नहीं होनी चाहिए जो दिल में हो उसे ही जुबान पर लाना चाहिए।

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी अचानकमार के ज्ञानदूत

गांव में रहते हुए भी नई तकनीक के जानकार

प्रोफेसर खेड़ा 30 साल से ज्यादा तक दिल्ली छोड़कर लमनी में रहे लेकिन देश दुनिया की तमाम नई तकनीकों से अपडेट रहते थे। नेट के जरिए वह सुधार के विभिन्न उपायों पर चिंतन मनन करते थे। प्रोफेसर जब भी बस्ती की ओर जाते और किसी बच्चे के कपड़े गंदे दिखते तो उसे नहाने और कपड़ा धोने का साबुन तुरंत निकालकर नहला देते। किसी का कपड़ा फटा दिखा तो सुई-धागा निकालकर खुद सिलाई करने लग जाते थे। प्रो. खेड़ा ने खुद बताया था कि वे जब पहली बार यहां आए तो उनके साथ दिल्ली से बॉटनी के प्रोफेसर थे, जो औषधीय पौधों के विशेषज्ञ थे, पर उनसे ज्यादा तो यहां के बैगा बच्चों को जानकारी है।

नौजवान जितने ऊर्जावान और उत्साही

छपरवा से कोई 20 किमी दूर वनग्राम लमनी में प्रोफेसर खेड़ा बैगाओं की तरह एक छोटी-सी झोपड़ी बनाकर रहते थे। वे यहीं से सुबह 8 बजे स्कूल के लिए बस पकड़ते थे और फिर दोपहर 3 बजे वापस छपरवा से लमनी आते थे। 90 साल की उम्र में भी उनके काम करने का जज्बा ऊर्जावान नौजवान को मात करता था। वो सारे काम खुद ही करते थे। उनके विचार और जीवन-शैली में रत्तीभर फर्क नहीं था और उन्होंने खुद की दुनिया को पूरी तरह बैगाओं की तरह ही ढाल लिया था। प्रोफेसर साहब बताते थे कि मेरी दिनचर्या का पूरा हिस्सा सेवा में गुजरता है। बैगाओं की सेवा ही मेरे जीवन का आनंद है। इस आनंद में मुझे दिल्ली या बाकी दुनिया फीकी दिखती है। प्रो. पीडी खेड़ा बेहद जिंदादिल इंसान थे। वे बच्चों के लिए बड़ी शिद्दत से काम करते थे। यही वजह थी कि जब भी कोई उनसे मिलने जाता, वे हमेशा उन बच्चों की बात किया करते, जो छपरवा के स्कूल में पढ़ते थे।

बस थोड़े बदलाव की दरकार

प्रोफेसर साहब लमनी में आदिवासियों की तरह ही जीवन जीते थे। हमेशा यहीं कहते थे कि आदिवासियों के जीवन में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं है। बस उन्हें यह सिखाना है कि रोज नहाने, साफ कपड़े पहनने के क्या फायदे हैं। प्रोफेसर खेड़ा जी का मानना था कि सरकार को आदिवासियों के लिए ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस थोड़े से बदलाव से सब ठीक हो जाएगा ।

जब राज्यपाल ने जंगल में लगाई चौपाल

30 दिसंबर 2004 को तत्कालीन राज्यपाल केएम सेठ अपनी पत्नी के साथ अचानकमार के जंगल पहुंचे थे उसी दिन राज्यपाल महोदय को अमरकंटक जाना था।तभी आदिवासियों के साथ प्रोफेसर खेड़ा पहुंचे और राज्यपाल से मिलने का निवेदन किया। राज्यपाल से मुलाकात में प्रोफेसर खेड़ा ने बैगा आदिवासियों की समस्याएं बताई। प्रोफेसर साहब के समर्पण और आदिवासियों के प्रति प्यार को देखकर राज्यपाल महोदय ने जंगल में ही चौपाल लगाई और बैगा आदिवासियों की समस्याएं सुनी।

जरूरतमंदों की मदद करना उनका स्वभाव था

खेड़ा जी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय रहते थे। वे विशेष रूप से बैगा जनजाति के लोगों की परेशानियों को दूर करने में जुटे रहते थे। जरूरतमंदों की मदद करना उनका स्वभाव था। अपने खाली समय में वे बच्चों के प्रति विशेष प्रेम दर्शाते थे।

-मनीष अग्रवाल
स्थानीय, छपरवा

स्कूल खुलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

खेड़ा जी ने पहली बार क्षेत्र में सोलर पैनल लगवाने की पहल की, जिससे गांव के लोगों को बिजली की सुविधा मिल सकी। उनका मुख्य उद्देश्य बैगा आदिवासी समुदाय को आगे बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

-हेमराज जायसवाल,
स्थानीय, छपरवा

खुद शुरू किया स्कूल, फिर मिला सहयोग

प्रोफेसर साहब ने पहले खुद स्कूल शुरू किया फिर उनकी लगन देखकर मदद के हाथ उठने लगे। अचानकमार में आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए अपने बूते पर स्कूल खोला, अपने पेंशन के पैसे से स्लेट-पेंसिल और कॉपी-किताबें लाकर बच्चों को निशुल्क पढ़ाते रहे। बहुत बाद में कुछ समाजसेवियों ने मदद की. इसके बाद प्रो. खेरा ने यहां हाईस्कूल मी खोला फिर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने स्कूल को मान्यता दी।

दिल्ली वाले साहब सादगी और स्नेह के प्रतीक

दिल्ली वाले साहब हमारे घर अक्सर चाय, नाश्ता और खाना खाते थे। उनका रहन-सहन बेहद सादगी भरा था। बच्चों के प्रति उनका विशेष स्नेह था वे उन्हें चना-मुर्रा खिलाते, प्यार से नहलाते थे। उनकी चाय पीने की आदत भी अलग थी वे लाल चाय में नींबू डालकर पीते थे। खाने में वे हमेशा केवल दो रोटियां ही लेते थे।

अनिता कुमारी मिश्रा,
स्थानीय महिला

निस्वार्थ सेवा और सरल स्वभाव के धनी

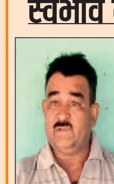

खेड़ा जी का दिल दया और सेवा से भरा हुआ था। यदि किसी को दवाई की जरूरत होती, तो वे निशुल्क दवा देते थे। उनकी यह निस्वार्थ सेवा और सरल स्वभाव सभी के दिलों में उनके प्रति गहरी श्रद्धा पैदा करता था। -सुरेश मिश्रा, स्थानीय

पितृ पक्ष में छोड़ गया पितृ पुरुष

प्रोफेसर खेड़ा पक्के गांधीवादी थे। पेंशन की रकम से जो कुछ बन सका उतना शिक्षा और विकास के लिए काम किया। लमनी में ही छोटी सी कुटिया बनाकर रहते थे। 80 साल से ज्यादा की उम्र होने के बावजूद प्रोफेसर खेड़ा जी अपना हर काम खुद करते थे। शिक्षा प्रसार और आदिवासी उत्थान में जीवन का हर क्षण लगाने के दौरान प्रोफेसर साहब अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाए और बीमारियों ने घेर लिया। आखिर 23 सितंबर 2019 का वो मनहूस दिन आया जब बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में इस शिक्षाविद् और बैगा आदिवासियों के दिल्ली साब ने दुनिया को अलविदा कह दिया। प्रोफेसर साहब की अंतिम विदाई में जो भी पहुंचा उनकी आंखें नम थी। वे बच्चे भी शामिल थे जिन्हे कभी प्रोफेसर साहब कक्षा लेकर पढ़ाते थे। उस दिन लमनी गांव में हर आंख में आंसू थे। जीवन बदलने वाला मसीहा हमेशा के लिए विदा हो रहा था।

गुरुद्वारे में लंगर की ख्वाहिश

अंतिम दिनों में जब कोई परिचित उनसे मिलने के लिए आता था तब वे दो ही इच्छाएं बताया करते थे। पहली उनके दिल्ली के खाते में करीब 43 लाख है। जिनका वो लमनी के स्कूल के विकास के लिए इस्तेमाल करवाना चाहते थे दूसरा एक लाख रुपए से गुरुद्वारे में लंगर करवाना चाहते थे।

हमेशा केवल स्कूल की बात

जीवनकाल के आखिरी छह महीनों में प्रोफेसर खेड़ा बीमार रहने लगे थे। इस दौरान भी प्रोफेसर साहब लमनी के आदिवासियों और उनके परिवार को लेकर चिंतित रहते थे। हम जब भी उनसे उनके परिवार के बारे में पूछते तो वे जवाब में कहते मेरी स्कूल की बाउंड्रीवाल बनी क्या? मान्यता कब मिलेगी। जब कोई पूछता कि आपके परिवार में कौन-कौन है तो वे गांव के बच्चों के बारे में पूछने लगते और उनके भोजन और पढ़ाई की चिंता करते थे।

लंबे समय से चल रहे थे बीमार, अपोलो अस्पताल में हुआ निधन
दिल्ली मेट्रो की लाइफ छोड़कर 35 साल जंगल में शिक्षा की रोशनी फैलाने वाला सूरज अस्त

Inh न्यूज़
शनिवार रात 7.55 बजे

बैगा समाज के उत्थान के लिए एक समर्पित जीवन

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा ने अपना संपूर्ण जीवन बैगा समुदाय के उत्थान और उनके सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया। वे न केवल बैगा परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत रहे, बल्कि उन्होंने उनके बीच शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का भी कार्य किया।

-रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़

मानव सेवा और बैगा जनजाति के संरक्षक

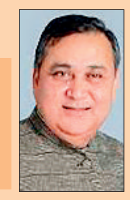

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा साहब समाज और मानव कल्याण के प्रति समर्पित एक महान व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना जीवन विशेष रूप से बैगा जनजाति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। वे न केवल उनकी समस्याओं को समझते थे, बल्कि उनके हक के लिए आवाज भी उठाते रहे।

-धर्मजीत सिंह
तखतपुर विधायक

खेड़ा साहब 24 कैरेट सच्चे इंसान थे

मैं अपने प्रशासनिक जीवन में हजारों लोगों से मिला हूं, जिसमें हर क्षेत्र के लोग शामिल थे। लेकिन मैने खेड़ा साहब जैसा सच्चा इंसान पूरे जीवन में नहीं देखा वे सही अर्थों में 24 कैरेट अच्छे इंसान थे।

-आरपी मंडल, पूर्व मुख्य सचिव,छत्तीसगढ़

जनसेवा में लगाया पूरा जीवन

प्रो. खेड़ा ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा बैगा आदिवासियों के शिक्षा के प्रसार में लगाया। अपनी सेवा कार्य के बदले उन्होंने किसी से ईनाम की उम्मीद नहीं रखी। देश और दुनिया में ऐसे लोगों बिरले ही मिलते है। प्रो. खेड़ा को शत-शत नमन।

-सुनील सोनी
विधायक भाजपा

'दिल्ली साहब' के नाम से प्रसिद्ध एक महान शिक्षाविद्

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा, जिन्हें सम्मानपूर्वक 'दिल्ली साहब' के नाम से भी जाना जाता था, एक विद्वान और समाजसेवी थे। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे और शिक्षा के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। 1980 के दशक में, उन्होंने छत्तीसगढ़ की यात्रा की, जहां उनका मुख्य उद्देश्य बैगा जनजाति पर गहन अध्ययन करना था।

-डॉ. वैभव शिव पांडेय, टीवी पत्रकार

प्रभुदत्त खेड़ा जी बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी का उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करना और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य देना था। वे मानते थे कि शिक्षा ही एकमात्र साधन है, जो किसी भी समाज को गरीबी और पिछड़ेपन से बाहर निकाल सकती है। वे न केवल बैगा समाज के उत्थान के लिए समर्पित थे, बल्कि बच्चों के प्रति उनकी विशेष संवेदनशीलता थी।

-श्रवण कुमार यादव
स्थानीय, छपरवा

विद्यालय संचालन के लिए अपने पेंशन के पैसे तक

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी ने विद्यालय संचालन के लिए अपने पेंशन के पैसे तक खर्च करने शुरू कर दिए। वे इस क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करना चाहते थे, ताकि वे अपने अधिकारों को समझ सकें और समाज में एक बेहतर भविष्य बना सकें। खेड़ा जी का एकमात्र उद्देश्य था कि लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहें।

- दीपक कुमार सोनी, स्थानीय, छपरवा

प्रभुदत्त खेड़ा जी का प्रकृति प्रेम और बच्चों से लगाव

प्रभुदत्त खेड़ा जी को प्रकृति से गहरा लगाव था। जब उन्हें छपरवा क्षेत्र में जाने का अवसर मिला, तो वहां की प्राकृतिक छटा देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गए। घने जंगल, कलकल बहती जलधाराएं और पक्षियों का मधुर कलरव उन्हें अपार शांति और आनंद प्रदान करता था। प्रभूदत्त खेड़ा जी न केवल प्रकृति प्रेमी थे, बल्कि बच्चों से भी विशेष स्नेह रखते थे।

-संदीप चोपड़े
शिक्षाविद्, प्रो. खेड़ा के सहयोगी

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com